3 | राजधानी
टायर फटने से स्कूल की वैन पलटी, कई बच्चे हुए घायल

6 | अभिमत
बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल

11 | विदेश
बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस ने संभाला काम

12 | स्पोर्ट्स
विनेश रजत पदक की हकदार: तेंदुलकर

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 288
लखनऊ, शनिवार, 10 अगस्त, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

धनखड़ ने विपक्षी सदस्यों के रवैये पर अफसोस जताया

राष्ट्रीय-10

सिसोदिया को जमानत, रिहा हुए

राजेश कुमार। नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 17 महीने बाद शुक्रवार रात को जेल से रिहा कर दिया गया, क्योंकि दिन की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें उत्पाद शुल्क नीति घोटाला मामले में जमानत देते हुए कहा कि वह शीघ्र सुनवाई के हकदार हैं। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने यह भी कहा कि आप नेता को बिना किसी मुकदमे के 'असीमित समय' के लिए जेल में रखना उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

उनकी जमानत के लिए शर्तों को सूचीबद्ध करते हुए, शीर्ष अदालत ने सिसोदिया को दो जमानतदारों के साथ 10 लाख रुपये का जमानत बांड भरने, अपना पासपोर्ट सरेंडर करने और गवाहों को प्रभावित करने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का कोई प्रयास नहीं करने का निर्देश दिया। इसके अलावा उन्हें हर सोमवार और बृहस्पतिवार को सुबह 10-11 बजे के बीच जांच अधिकारी को रिपोर्ट करना होगा. पीठ ने कहा, हमने पाया है कि लगभग 17 महीने तक जेल में रहने और यहां तक ??कि सुनवाई शुरू नहीं होने के कारण अपीलकर्ता (सिसोदिया) को त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। शीर्ष अदालत ने छह अगस्त को मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

नई दिल्ली में शुक्रवार को जमानत मिले के बाद आप नेता मनीष सिसोदिया तिहाड़ जेल से रिहाई के दौरान समर्थकों की ओर हाथ हिलाते हुए।

मैरून रंग की शर्ट पहने हुए सिसोदिया ने शाम करीब 6.50 बजे जेल से बाहर निकलते ही पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का स्वागत किया, जिन्होंने उन पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं। अपनी रिहाई के बाद समर्थकों और मीडिया को संबोधित करते हुए, सिसोदिया ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, जब से सुबह यह आदेश आया है, मैं बाबासाहेब के प्रति कृतज्ञ महसूस कर रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं बाबा साहेब का यह कर्ज कैसे चुकाऊंगा। मेरे साथ रहने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं। सिसोदिया ने कहा कि उनके कई प्रशंसक थे लेकिन पिछले 17 महीनों में उनकी संख्या में वृद्धि हुई है। सिर्फ मैं ही नहीं लेकिन दिल्ली का हर व्यक्ति और देश का हर बच्चा भावनात्मक रूप से जेल में मेरे साथ था। देश में तानाशाही को करारा तमाचा मारने के लिए संविधान की शक्ति का इस्तेमाल करने के लिए मैं तहे दिल से सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूं। आप नेता ने कहा कि यह हर किसी के लिए भावनात्मक क्षण है और उम्मीद है कि संविधान और लोकतंत्र की ताकत केजरीवाल की रिहाई का मार्ग प्रशस्त करेगी। हाथ में झंडे लिए हुए और जोर-जोर से जयकार करते हुए आप समर्थकों की भीड़ जेल से बाहर निकलते ही सिसोदिया का स्वागत करने के लिए इंतजार कर रही थी। सिसोदिया के स्वागत के लिए आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह, आतिशी और सौरभ भारद्वाज तिहाड़ के बाहर मौजूद थे। जमानत आदेश के कुछ ही मिनट बाद आप कार्यालय के साथ-साथ सिसौदिया के आवास पर भी जश्न मनाया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद, विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ताओं द्वारा प्रस्तुत जमानत बांड और ज़मानत बांड स्वीकार कर लिए। आप ने फैसले को 'सच्चाई की जीत' बताया और कहा कि उसे उम्मीद है कि जेल में बंद पार्टी के अन्य नेताओं को भी 'न्याय मिलेगा।' आप ने आगे कहा कि यह आदेश भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र की तानाशाही पर एक 'करारा तमाचा' है, लेकिन अफसोस है कि यह राहत एक साल की देरी के बाद आई है। सिसोदिया आप के संस्थापक सदस्य और पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के करीबी विश्वासपात्र हैं। उनकी रिहाई आम आदमी पार्टी के लिए एक बड़ी जीत है। इसकी वजह यह है कि शराब नीति मामले में जिन तीन बड़े आप नेताओं की गिरफ्तारी हुई है, सिर्फ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ही सलाखों के पीछे हैं। सिसोदिया की रिहाई भी तब हुई है जब आप दिल्ली पर शासन करने और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना का मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, सिसोदिया को दिल्ली कैबिनेट में शामिल होने के लिए इंतजार करना होगा क्योंकि कई मुद्दे हैं जिनसे निपटने की जरूरत है क्योंकि मुख्यमंत्री खुद जेल में हैं। विशेषज्ञों ने कहा, सिसोदिया को अपने मंत्रिपरिषद में शामिल करने के लिए केजरीवाल को तिहाड़ जेल से उपराज्यपाल को अपनी सिफारिश भेजनी होगी, जो फिलहाल मुश्किल लगता है। आप नेता को फरवरी 2023 में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किया गया था, जिसके एक महीने बाद ईडी ने जुलाई 2022 में दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना की एक शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था, जिसमें आबकारी शुल्क नीति में अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। पिछले साल 26 फरवरी को अपनी गिरफ्तारी से पहले, सिसौदिया न केवल दिल्ली सरकार का प्रमुख चेहरा थे, बल्कि महत्वपूर्ण समय के दौरान राजनीतिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपने रुख को उजागर करने के मामले में भी पार्टी के पसंदीदा व्यक्ति थे।

इस प्रकार उनकी गिरफ्तारी पार्टी के लिए अचानक एक झटका थी, जो किसी तरह स्थिति का सामना करने में कामयाब रही लेकिन उनकी अनुपस्थिति से कभी भी पूरी तरह उबर नहीं सकी। यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि विभिन्न पार्टी नेताओं ने, अलग-अलग समय पर, उन्हें यह कहते हुए याद किया कि अगर वह बाहर होते, तो चीजें अलग होतीं। पार्टी नेताओं का मानना ??है कि सिसौदिया की उपस्थिति से उसके चुनाव अभियान को गति मिलेगी, खासकर दिल्ली (शेष पृष्ठ 9)

अमन ने बढ़ाया देश का मान

कुश्ती में भारत को दिलाया कांस्य पदक

भाषा। पेरिस

अपेक्षाओं पर खरे उतरते हुए अमन सेहरावत ने पेरिस ओलंपिक में कुश्ती में भारत को पहला पदक दिलाते हुए शुक्रवार को 57 किलो फ्रीस्टाइल वर्ग के कांस्य पदक के मुकाबले में पुएर्तो रिको के डारियन तोइ क्रूज को अंकों के आधार पर 13 . 5 से हरा दिया। 21 वर्ष के अंडर 23 विश्व चैम्पियन अमन सेमीफाइनल में जापान के रेइ हिगुची से 0 . 10 से हार गए थे।वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारत के एकमात्र पुरूष पहलवान थे और उन्होंने निराश नहीं किया। भारत ने 2008 के बाद से हर ओलंपिक में कुश्ती में पदक जीता है और यह सिलसिला अमन ने जारी रखा। सुशील कुमार ने बीजिंग (2008) में कांस्य, योगेश्वर दत्त ने लंदन (2012) में , साक्षी मलिक ने रियो (2016) ने कांस्य , रवि दहिया और बजरंग पूनिया ने तोक्यो 2021 में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीते। उन्होंने कांस्य पदक के मुकाबले में शुरू ही से दबाव बनाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को ज्यादा मौके नहीं दिए। भारत का पेरिस ओलंपिक में यह छठा पदक है। इससे पहले निशानेबाजी में मनु भाकर (10 मीटर एयर पिस्टल), मनु भारत और सरबजोत सिंह (10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम), स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस) और भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीते जबकि स्टार (शेष पृष्ठ 9)

दुनिया की कोई भी ताकत भारत को महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती

सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की वीर भूमि काकोरी में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्व के अंतर्गत वीरों के नमन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम का उद्घाटन करने हुए डाक अनावरण व संस्कृत विभाग द्वारा निर्मित पुस्तिका का विमोचन किया और बच्चों के साथ काकोरी शहीद मंदिर के बाहर सेल्फी भी ली।

सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा जो पंच प्रण दिलाए गए हैं, उनको देश के हर नागरिक को आत्मसात करना होगा। यही हमारे अमर बलिदानियों और शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अगर हम इन प्रण को आत्मसात करके अपने कार्यों को पूरा करते हैं तो कोई कारण नहीं है कि हमारा देश विश्वगुरु और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति न बने। इस अवसर पर सीएम योगी ने जिला प्रशासन लखनऊ व संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित एक्शन शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत 'वीरों को नमन' कार्यक्रम में रोहित खत्री (रामकृष्ण खत्री के प्रपौत्र), राजीव कुमार सिंह व क्षिप्रा सिंह (प्रपौत्र व प्रपौत्री ठाकुर रोशन सिंह), आफाक उल्लाह खान (पौत्र अश्फाक उल्लाह खान) तथा मनमोहन पाण्डेय (कैप्टन मनोज पाण्डेय के भाई) समेत स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इस दौरान लघु फिल्म, नृत्य नाटिका, वीर गायन समेत विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन भी हुए। सीएम योगी ने काकोरी ट्रेन एक्शन को याद करते हुए कहा कि देश से बाहर जा रहे राजस्व को देश सेवा में (शेष पृष्ठ 9)

भारत-बांग्लादेश मोर्चे पर केंद्र सरकार सतर्क

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मंत्री अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने पड़ोसी देश में चल रहे हालात के मद्देनजर भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थिति की निगरानी के लिए शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शीर्ष अधिकारी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

उन्होंने कहा कि समिति बांग्लादेश में समकक्ष अधिकारियों के संपर्क में रहेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। शाह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, बांग्लादेश में चल रहे हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बांग्लादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। समिति बांग्लादेश में अपने समकक्ष अधिकारियों के साथ संचार चैनल बनाए रखेगी ताकि वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों, हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। समिति की अध्यक्षता एडीजी (अतिरिक्त महानिदेशक), सीमा सुरक्षा बल, पूर्वी कमान द्वारा की जाएगी। बीएसएफ एडीजी के अलावा, समिति के चार अन्य सदस्य दक्षिण बंगाल सीमा के लिए बीएसएफ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी), त्रिपुरा सीमा के लिए आईजीपी, भारतीय भूमि बंदरगाह प्राधिकरण के सदस्य (योजना और विकास) एलपीएआई, और एलपीएआई के सचिव हैं। बीएसएफ ने बांग्लादेश से सटी सीमा पर चौकसी बढ़ा दी है। सुरक्षा एजेंसियों ने कथित तौर पर बीएसएफ को चेतावनी दी है कि बांग्लादेश की जेलों से आतंकवादियों सहित कई कैदी भाग गए हैं और भारत में घुसपैठ करने का प्रयास कर सकते हैं। बीएसएफ ने 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले स्थानीय लोगों से विशेष रूप से रात के दौरान सीमांत क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही नहीं करने को कहा है।संसद को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि सरकार बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर स्थिति पर नजर रख रही है। बृहस्पतिवार को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ लेने वाले मुहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति के जल्द सामान्य होने की उम्मीद जताई और उस देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा की मांग की।

मां के प्यार ने सारे ओलंपिक रिकॉर्ड किए फीके

पीटीआई। नई दिल्ली

अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज चोपड़ा की मां सरोज देवी ने पेरिस में गत चैंपियन भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी को हराकर ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ने वाले पाकिस्तान के अरशद नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके बच्चा जैसा है।

नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर के रिकॉर्ड ओलंपिक प्रयास से स्वर्ण पदक अपने नाम किया जबकि नीरज ने सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। नीरज लगातार दो ओलंपिक

व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए।

सरोज ने पानीपत के खंडरा गांव में पीटीआई वीडियो को दिए इंटरव्यू में कहा, हम रजत पदक से बहुत खुश हैं, जिसने स्वर्ण पदक जीता वह भी हमारा बच्चा है और जिसने रजत पदक प्राप्त किया वह भी हमारा बच्चा है... सभी एथलीट हैं, सभी कड़ी मेहनत करते हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार देर रात को दिए इस इंटरव्यू में कहा, नदीम भी अच्छा है, वह अच्छा खेलता है, नीरज और नदीम में कोई अंतर नहीं है। हमें स्वर्ण और रजत पदक मिला, हमारे लिए कोई अंतर नहीं है।

नीरज और नदीम दोनों प्रतिद्वंद्वी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं। नीरज का देशी खाने के प्रति लगाव जगजाहिर है और उनका परिवार दो बार के ओलंपिक पदक विजेता का उनके पसंदीदा व्यंजन चूरमा के साथ स्वागत करने की योजना बना रहा है। सरोज ने कहा, उसने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। हम उसका स्वागत चूरमा से करेंगे जो उसका पसंदीदा है। मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे हैं, हम लड्डू बना रहे हैं। नीरज का यह प्रदर्शन काफी सराहनीय है क्योंकि सात खिलाड़ियों ने 86 मीटर से अधिक दूरी हासिल की थी। नीरज की चाची कमलेश ने कहा, हम बहुत खुश हैं। उसने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सभी 88-89 मीटर के करीब थे इसलिए प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन थी। यह स्वर्ण या रजत जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि पदक जीतने के बारे में है और (शेष पृष्ठ 9)

भविष्य संवारने का भी सशक्त माध्यम है खेलः मुख्यमंत्री

कुश्ती प्रतियोगिता के विजेताओं को योगी ने किया पुरस्कृत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल व्यक्ति को स्वस्थ रखने का माध्यम तो है ही, सरकार की खेल और खिलाड़ियों के हित में बनाई गई नीति से यह भविष्य संवारने का भी सशक्त माध्यम बन गया है। वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को सरकार यूपी पुलिस के साथ ही अन्य सरकारी विभागों में बड़े पैमाने पर नौकरी दे रही है। सरकार खेल और खिलाड़ियों के हित में स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर रही है तो साथ ही खिलाड़ियों को पुरस्कार, नियुक्ति और भरपूर आर्थिक सहायता देकर उन्हें प्रोत्साहित भी कर रही है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर के मेला परिसर में नागपंचमी के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय सीनियर प्राइजमनी पुरुष कुश्ती प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में खेलों का बेहतरीन माहौल बना है। हमारे खिलाड़ी खेल को नई ऊंचाई पर ले जा रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि खिलाड़ियों को हर संभव मदद देकर खेल की गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने पेरिस ओलंपिक का जिक्र करते हुए कहा कि नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीतकर और हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक में पदक जीतकर देश का मान बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि 2020 के टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाली हॉकी टीम का यूपी सरकार ने लखनऊ में सम्मान किया था। हॉकी टीम के ओलंपिक खिलाड़ी, यूपी के ललित उपाध्याय को यूपी पुलिस में डिप्टी एसपी पद पर नियुक्ति दी गई है। ललित कुमार ने इस बार भी ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया है। जबकि यूपी के ही खिलाड़ी राजकुमार ने पदक के मुकाबले में अपने शानदार प्रदर्शन से स्पेन को हराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए सीएम योगी ने बताया कि खिलाड़ियों को यूपी में सम्मानजनक सरकारी नौकरी दी जा रही है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी दीप्ति शर्मा, एथलेटिक्स में पारुल चौधरी और कबड्डी में अर्जुन देशवाल को डिप्टी एसपी, कुश्ती में दिव्या काकरान और जुडो में विजय कुमार को नायब तहसीलदार, नौकायन में पुनीत कुमार, एथलेटिक्स में प्राची को जिला युवा कल्याण अधिकारी और अर्जुन को परिवहन विभाग में यात्री एवं माल कर अधिकारी पद पर नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने, उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत जिला स्तर पर स्टेडियम व ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं। हर गांव में खेल के मैदान व ओपन जिम विकसित किए जा रहे हैं। अनुपूरक बजट में भी सरकार ने 100 करोड़ रुपये का प्रावधान ब्लॉकों में मिनी स्टेडियम बनाने के लिए किया है। उन्होंने कहा कि 16 खेलों में 18 जिलों में छात्रावास संचालित हैं। तीन स्पोर्ट्स कॉलेज के साथ ही खिलाड़ियों के भोजन आदि के दर में वृद्धि की गई है। 50 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को डेढ़ लाख रुपये प्रतिमाह मानदेय के हिसाब प्रशिक्षक के रूप में रखा जा रहा है जिनमें से 10 प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 84 स्टेडियम, 67 बहुउद्देश्यीय स्पोर्ट्स हाल, 38 तरणताल, 15 सिंथेटिक हॉकी मैदान, 47 अत्याधुनिक जिम, 13 कुश्ती हाल, 6 शूटिंग रेंज, 20 सिंथेटिक टेनिस कोर्ट, 14 सिंथेटिक बास्केटबॉल हाल, 16 छात्रावास समेत स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के अनेकानेक कार्य हो चुके हैं। इसके अलावा मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले और विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण युद्ध स्तर पर हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश केसरी, उत्तर प्रदेश कुमार व उत्तर प्रदेश वीर अभिमन्यु खिताब के लिए फाइनल मुकाबला देखा। इस दौरान उन्होंने पहलवानों के बेहतरीन दांव पर ताली बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश केसरी का खिताब जीतने वाले गौतमबुद्ध नगर के जोंटी कुमार को 1.01 लाख रुपये, गदा व प्रमाण पत्र, उप विजेता मेरठ के अभिषेक को 51 हजार रुपये व प्रमाण पत्र, उत्तर प्रदेश कुमार का खिताब जीतने वाले यूपी पुलिस के आयुष को 51 हजार रुपये, गदा व प्रमाण पत्र, उप विजेता गोरखपुर के रमन को 25 हजार रुपये व प्रमाण पत्र, वीर अभिमन्यु खिताब जीतने वाले कृष्णानगर के जनार्दन को 51 हजार रुपये, गदा व प्रमाण पत्र और उप विजेता सनीस खोखर को 25 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया।

ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़ रुपये

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता को 6 करोड़, रजत पदक विजेता को 4 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 2 करोड़ रुपये देने की नीति तय है। ओलंपिक की टीम स्पर्धा में यह राशि क्रमशः 3, 2 व 1 करोड़ रुपये है। एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़, रजत पदक विजेता को 1.5 करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को 75 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाता है। कामनवेल्थ खेल तथा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता को 1.5 करोड़, रजत पदक विजेता को 75 लाख व कांस्य पदक विजेता को 50 हजार रुपये दिए जाते हैं। इसी तरह से नेशनल गेम्स में भी विजेताओं को पुरस्कृत किया जाता है। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार की तरफ से ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को 10 लाख तथा एशियन गेम्स व कामनवेल्थ में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को 5-5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जाती है। कहा कि खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार प्रतिबद्ध और संकल्पित है। सीएम योगी ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार, द्रोणाचार्य पुरस्कार, खेल रत्न व खेल के क्षेत्र में पदम् पुरस्कार करने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए सरकार ने प्रतिमाह 20 हजार रुपये वित्तीय सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही अशक्त अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को प्रतिमाह 10 हजार रुपये, राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को 6 हजार तथा राज्य स्तरीय खिलाड़ियों को प्रतिमाह 4 हजार रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रति वर्ष पुरुष वर्ग में लक्ष्मण पुरस्कार तथा महिला वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार देती है। इसके अंतर्गत लक्ष्मणजी व रानी लक्ष्मीबाई की कांस्य प्रतिमा के साथ खिलाड़ियों को 3.11 लाख रुपये की नकद धनराशि दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 140 खिलाड़ियों को एकलव्य क्रीड़ा कोष से आर्थिक सहायता दी गई है।

मुख्यमंत्री ने सभी को नागपंचमी पर्व के साथ ही काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ की बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों आयोजनों का एक दिन होना सुखद संयोग है। काकोरी ट्रेन एक्शन के नायकों पंडित रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी, ठाकुर रोशन सिंह आदि के बलिदान को नमन करते हुए सीएम ने कहा कि शताब्दी महोत्सव के आयोजन में सरकार की मंशा है कि बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने साथ युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा का लाभ समाज और देश को प्राप्त हो।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित होः विहिप

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पड़ोसी बांग्लादेश हिंसा और अराजकता से ग्रसित है। निर्वाचित प्रधानमंत्री के त्यागपत्र देने और देश छोड़ने के बाद अराजक तत्व हावी हो गए हैं और कानून व्यवस्था सर्वथा निष्प्रभावी हो चुकी है. इस अराजक स्थिति में वहां के अतिवादी जिहादी तत्वों ने हिंदू समाज का बड़े पैमाने पर उत्पीड़न शुरू कर दिया है।

गजेंद्र ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले कई दिनों से हिन्दू अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थानों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और घरों को नुकसान पहुंचाया गया है। पूरे बांग्लादेश में हर जिले में यह वीभत्स कुकृत्य होने की सूचना है। कट्टरपंथियों के निशाने से शमशान तक नहीं बचे हैं। मंदिरों को भारी क्षति पहुंचाई गयी है। बांग्लादेश में शायद ही कोई जिला बचा हो जो इनकी हिंसा व आतंक का निशाना न बना हो। समय-समय पर निरंतर अंतराल पर होने वाले ऐसे दंगों का ही परिणाम है कि बांग्लादेश में हिंदू जो विभाजन के समय 32 प्रतिशत थे, अब 8 प्रतिशत से भी कम बचे हैं और वे भी लगातार जिहादी उत्पीड़न के शिकार हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं के घर, मकान, दुकान, ऑफिस, व्यवसायिक प्रतिष्ठान व महिलाएं, बच्चे व उनकी आस्था व विश्वास के केंद्र मन्दिर तक सुरक्षित नहीं हैं। वहां पीड़ित अल्पसंख्यक हिन्दुओं की हालत बद से भी बदतर होती जा रही है। यह स्थिति अत्यंत चिंतनीय है। उन्होंने कहा कि विश्व समुदाय की यह जिम्मेदारी है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा व उनके मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रभावी कार्यवाही करें। गजेंद्र ने कहा कि निश्चय ही भारत इस परिस्थिति में आंखे मूंद कर नहीं रह सकता। भारत ने परंपरा से ही विश्वभर के उत्पीड़ित विस्थापितों की सहायता की है। विश्व हिन्दू परिषद ने भारत सरकार से यह आग्रह किया है कि वह बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए। विकट परिस्थिति का लाभ उठा कर जिहादियों द्वारा सीमा पार से घुसपैठ का एक बड़ा प्रयत्न किया जा सकता है । इससे सतर्क रहना होगा। इसलिए हमारे सुरक्षाबलों के लिए यह आवश्यक है कि सीमा पर कड़ी चौकसी बरतें और किसी भी तरह के अतिक्रमण को न होने दें। पत्रकार वार्ता में मौजूद विहिप के अवध प्रांत के मंत्री ने कहा कि हमारी कामना है कि बांग्लादेश में शीघ्रतिशीघ्र लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सरकार पुनः स्थापित हो। वहाँ के अल्पसंख्यक समाज को मानवाधिकार मिले और बांग्लादेश की निरंतर हो रही आर्थिक प्रगति में कोई बाधा न आये। भारत का हिंदू समाज और सरकार इस विषय में निरंतर बांग्लादेश के सहयोगी बने रहेंगे।

आजमगढ़ मंडल के पांच निर्माणाधीन कार्यों के लिए 2 करोड़ 40 लाख अवमुक्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र सरकार द्वारा आरआईडीएफ योजनान्तर्गत आजमगढ़ मण्डल के विभिन्न जनपदों के 5 निर्माणाधीन कार्यों के लिए 2 करोड़ 40 लाख 9 हजार रुपए की धनराशि अवमुक्त की गयी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक शासनादेश उप्र शासन लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है। इन 5 निर्माणाधीन कार्यों में जनपद आजमगढ़ में लारपुर साहबअली सम्पर्क मार्ग के लिए 1 लाख 93 हजार व पवई पण्डितान बस्ती सम्पर्क मार्ग 98 हजार तथा जनपद मऊ में गोपालपुर निस्फी से बस्ती निधियांव सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु 59 लाख 66 हजार, रसड़ी हनुमान मंदिर से आलापुर मदरहीं सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु 1 करोड़ 16 लाख 64 हजार व अमिला दरगाह किमी-10 मीरपुर के बायें तरफ भुवालीपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय तक सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण कार्य हेतु 60 लाख 88 हजार (इस प्रकार कुल 2 करोड़ 40 लाख 9 हजार) की धनराशि अवमुक्त कर दी गयी है। जारी शासनादेश में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आरआईडीएफ योजनान्तर्गत निर्माणाधीन मार्गों को निर्धारित मानकों के अनुसार गुणवत्तापरक पूर्ण कराकर उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं फोटोग्राफ शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

पंचायतों में बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए 1598.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त

लखनऊ। प्रदेश की पंचायती राज्य संस्थाओं में आधारभूत ढांचागत विकास और बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाने के लिए बुनियादी अनुदान (अन्टाइड ग्रान्ट) की प्रथम किशत के रूप में 1598.80 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है। पंचायतीराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बताया कि अवमुक्त धनराशि से पंचायतों में विकास संबंधी कार्य कराये जायेंगे। इसमें नाली, खड़ंजा, लाइटिंग सौंदर्यीकरण आदि के कार्य होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी भी पंचायते बेहतर हो, लोगों को बुनियादी सुविधाएं मिलें इसके लिए प्रदेश सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। पंचायतीराज मंत्री ने बताया कि कुल 75 जिला पंचायतों को 239.82 करोड़ रूपये, 826 क्षेत्र पंचायतों को 239.82 करोड़ रूपये, 57691 ग्राम पंचायतो को 1119.16 करोड़ रुपए की धनराशि राज्य स्तर से ई-कुबेर तथा कोषागार के माध्यम से हस्तांतरित की जायेगी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के निर्देश पर प्रदेश की समस्त त्रि-स्तरीय ग्रामीण निकायों का पंजीकरण ई-कुबेर के डीडीओ लॉगिन पर कराने तथा धनराशि हंस्तातरण के लिए प्रावधानिक प्रक्रिया को पूर्ण करने के निर्देश दिए गये थे। ऑटोमैटिक रिसीट लेने हेतु ट्रेजरी पोर्टल (ई-कुबेर) पर त्रि-स्तरीय ग्रामीण निकायों के पंजीकरण की कार्यवाही पूर्ण करा ली गई है।

उप-वर्गीकरण के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती तो ऐसा निर्णय न आताः मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अनुसूचित जाति (एससी) अनुसूचित जनजाति (एसटी) कोटे के उप-वर्गीकरण के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर एसटी/एससी समुदायों से संबंधित लोकसभा और राज्यसभा के बीजेपी सांसदों की पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि मा. सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केन्द्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप-वर्गीकरण किये जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता। शुक्रवार को बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री द्वारा आज उनसे भेंट करने गए बीजेपी के एससी/एसटी सांसदों को यह आश्वासन देना कि एससी/एसटी वर्ग में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी-एसटी के आरक्षण में कोई उप-वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा, यह उचित व ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत। आगे उन्होंने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट के 1 अगस्त 2024 के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का

सपा ने पूरे प्रदेश में की छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी ने पूरे प्रदेश में अगस्त क्रांति दिवस से छात्र-नौजवान पीडीए जागरूकता अभियान कार्यक्रम की शुरुआत की। 9 अगस्त से 10 सितम्बर 2024 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में आज प्रदेश में जिलों-जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

9 अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर पीडीए छात्र, नौजवान जागरूकता एवं सदस्यता अभियान के तहत मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह ने गौतम बुद्ध जी की जन्मस्थली कपिलवस्तु से अभियान की शुरुआत की। भंते सहित अनेकों लोगों ने समाजवादी पार्टी में आस्था जताते हुए सदस्यता ग्रहण की, जिसमें नावेद रिज़वी, लालजी यादव, उग्रसेन सिंह, खुर्शीद आलम आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में जनपद - संत कबीर नगर में प्रभारी के रूप में पहुंचे बृजेश सिंह बैचलर, पवन प्रधान, आर. पी. यादव (दिलीप), प्रद्युम्न यादव, अवनीश निषाद, आशुतोष यादव के द्वारा जिला मुख्यालय खलीलाबाद में सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई। जनपद बस्ती के मड़वा नगर बस्ती में बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई यूथ ब्रिगेड के प्रभारी के रूप मे पहुंचे डी. आर. एस. यादव, राहुल सिंह, मोहन गंगवार, शोभित वर्मा, विजय बहादुर वर्मा, रंजीत यादव, प्रेमचंद सोनी, उपस्थित रहे। बरेली में यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद यादव के नेतृत्व में अभियान की शुरुआत हुई। बदायूं में यूथ ब्रिगेड के प्रभारी अक्षय दीप यादव, अफजल चौधरी, नीरज द्विवेदी रवि, मुमताज आलम विश्वजीत गुर्जर उपस्थित रहे।

गांधी के रास्ते पर चलकर ही परास्त होंगी फिरकापरस्त ताकतेंः अजय राय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर शुक्रवार को अगस्त क्रांति एवं उसकी प्रासंगिकता विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य वक्ता गांधी अध्ययन पीठ, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के पूर्व निदेशक प्रो. राम प्रकाश द्विवेदी जी रहे। गोष्ठी के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री श्री अजय राय रहे। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए प्रो. द्विवेदी ने कहा कि साऊथ अफ्रीका में अपने प्रवास से भारत लौटने पर अपने राजनैतिक गुरू गोपाल कृष्ण गोखले जी से मिलकर गांधी ने पूछा कि भारत में कैसे कार्य करना है गोखले जी ने कहा कि पूरे भारत का भ्रमण कर लीजिए भारत के लोग ही बता देंगे कि आपको क्या करना है और फिर यहां से शुरू हुई यात्रा ने भारत की आजादी की लड़ाई को एक नया रंग दिया और बंद कमरे की मीटिंगों और ज्ञापनों से निकलकर आजादी की लड़ाई गांधी जी के नेतृत्व में एक जन आंदोलन बन गई। गांधी भारत में पहले ही दिन से ना सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ते हैं बल्कि सामन्तवाद से, पूंजीवाद से एंव फिरकापरस्त ताकातों से भी लड़ते हैं। प्रो0 द्विवेदी आगे कहते हैं कि आज के भारत में भी जो फिरकापरस्त ताकतें हैं उनसे राहुल गांधी जी लड़ रहे हैं। उन्होंने नारा दिया है कि ''नफरत छोड़ो, भारत जोड़ो''। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि गांधी जी द्वारा 1942 से पहले स्थानीय स्तर पर और अलग-अलग वर्गों के लिए सत्याग्रह कर भारत को एक बड़ी लड़ाई के लिए तैयार कर लिया था। फिर चाहे वह असहयोग आंदोलन हो य 24 दिन का दांडी मार्च कर नमक सत्याग्रह हो। किसानों के लिए चंपारण य बारदोली सत्याग्रह हो, मजदूरों के लिए अहमदाबाद मिल सत्याग्रह हो य दलितों के लिए दायोम सत्याग्रह हो। देश एक बड़ी लड़ाई के लिए तैयार था और ऐसे ही माहौल में द्वितीय विश्व युद्ध शुरू हो गया। सुभाष चन्द्र बोस चाहते थे कि हम युद्ध में धुरी शक्तियों के साथ मिल जाये मगर गांधी जी किसी भी गुट में शामिल हुए बिना यह लड़ाई भारत में ही लड़ना चाहते थे। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि अंग्रेजों ने क्रिप्स मिशन के जरिए औपनिवेशिक स्वशासन का झुनझुना देने की कोशिश की मगर गांधी जी ने कहा कि आप हमें उस बैंक का पोस्ट डेटेड देने की कोशिश कर रहे हैं जो बैंक डूबने वाला है। 08 अगस्त को मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में अपने 70 मिनट के भाषण में गांधी जी ने कहा कि आजादी से कम कुछ भी स्वीकार्य नहीं है। मेहर यूसुफ अली ने भारत छोड़ो का नारा दिया, पंडित नेहरू ने भारत छोड़ो आंदोलन का प्रस्ताव पेश किया और सरदार पटेल ने उस आंदोलन का समर्थन कर दिया। प्रो. द्विवेदी ने कहा कि गांधी जी मुकम्मल आजादी की बात करते थे और वह बात आज भी प्रासंगिक है। वह राजनैतिक आजादी के साथ सामाजिक विषमताओं से दूर सामाजिक समानता वाली आजादी चाहते थे, आर्थिक रूप से सब संपन्न हो ऐसी आर्थिक समानता वाली आजादी चाहते थे। गांधी जी की सोच थी कि जब तक शोषण हर स्तर पर समाप्त नहीं होगा तब तक आजादी के कोई मायने नहीं है। गोष्ठी में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हम गांधी के रास्ते पर चलकर ही फिरकापरस्त ताकतों को परास्त कर पायेंगे।

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इफ्तिखार अहमद पुत्र स्वर्गीय इसरार अहमद, खसरा नंबर 218 ए में से 443.308 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाले आवासीय भूखंड के मालिक हैं, जो ग्राम घरहनकला (वार्ड डिहवा), परगना मीरानपुर, तहसील सदर, जिला सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, जिसका उपहार विलेख दिनांक 25.08.2023 को श्रीमती सरवरी बेगम पत्नी इसरार अहमद द्वारा SRO-सदर, सुल्तानपुर के माध्यम से निष्पादित किया गया है। दस्तावेज नंबर 8658, खंड नंबर 10829 पृष्ठ 381-406 दिनांक 25.08.2023 के अनुसार, संपत्ति श्रृंखला में श्रीमती सरवरी संपत्ति की मालिक हैं, जो इसरार द्वारा निष्पादित वसीयत दिनांक 07.08.2014 के माध्यम से है, तथा इसरार के कोई कानूनी उत्तराधिकारी एवं SMC उपलब्ध नहीं है। उक्त संपत्ति को चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। ऐसा न करने पर और मुझे पता है कि अगर गिरवी रखी गई संपत्ति के साथ कोई चूक होती है तो इसके लिए इफ्तिखार अहमद ज़िम्मेदार होगा।

करिश्मा अग्रवाल, एडवोकेट
जी-187, चौथी मंजिल, सेक्टर 63, नोएडा, उत्तर प्रदेश

पायनियर वर्गीकृत

सूचना

मैं आर्मी नंबर 15456576K रैंक सिपाही, नाम शशिकुमार पुंडलिक माचक, वर्तमान पता शिवपुर रोड ग्राम मुरुकवाड़ा, पोस्ट : मुरुकवाड़ा तहसील : हलियाल, जिला : उत्तर कन्नड़ (कर्नाटक) घोषणा करता हूँ कि मेरी माँ सावित्री की जन्म तिथि गलत अंकित हो गया हैं जो की 07/06/1972 और उनकी सही जन्म तिथि 15/03/1973 है। मैंने अपनी माँ सावित्री की जन्म तिथि 15/03/1973 आधार कार्ड, पैन कार्ड के अनुसार हैं ! यह शपथ पत्र संतोष गणपति हब्बू एडवोकेट और नोटरी हलियाल रजिस्टर नंबर : 2027 दिनांक : 03/07/2024 के समक्ष शपथ किया गया है।

प्रदेश में धान का रकबा बढ़ने से और बढ़ गया है भूजल का दोहनः मुख्य सचिव

'स्वच्छ जल-स्वच्छ भारत' विषय पर एक दिवसीय वर्कशाप आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि हम सभी के लिए जल अति महत्वपूर्ण है। भूजल का सर्वाधिक उपयोग कृषि कार्य में होता है। दुनिया में 10 प्रतिशत, भारत में 45 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 75 प्रतिशत भूजल का उपयोग कृषि कार्य में होता है। उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्र में पावरहाउस के रुप में काम करता है। पिछले कुछ सालों में प्रदेश में धान का रकबा बढ़ने से भूजल का दोहन और बढ़ गया है।

मुख्य सचिव शुक्रवार को 'स्वच्छ जल-स्वच्छ भारत' पर आयोजित एक दिवसीय वर्कशाप को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पानी के कुशल उपयोग और पानी के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के लिए डेटा को कार्रवाई में बदलने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के प्रति किसानों को जागरुक करना होगा और उन्हें नवीनतम तकनीकी के बारे में बताना होगा।

उन्होंने इजरायल का उदाहरण देते हुए कहा कि इजरायल में 300 मिलीलीटर रेनफॉल होता है और वहां पर पानी की भारी किल्लत है। वहां पर खेती ग्रीन हाउस और शेड में होती है। खेती के दौरान वहां पर मीठे और खारे पानी को मिश्रित रूप में इस्तेमाल किया जाता है। विकसित देश जल को लेकर सचेत रहते हैं। उन्होंने कहा कि आमजन तक स्वच्छ जल पहुंचे, यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। आगरा में वर्ल्ड क्लास परियोजना बनाकर जल को ट्रीट करके सप्लाई किया जा रहा है। डिजिटलीकरण शहरी स्तर पर पेयजल संचालन में आमूलचूल परिवर्तन लाने में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यशाला से शहरी जल प्रबंधन के डिजिटलीकरण एवं डाटा संग्रह की उपयोगिता से जल संसाधनों को कुशलतापूर्वक और स्थायी रूप से प्रबंधित करने में मदद मिलेगी। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने शहरी क्षेत्रों में अभिनव और दीर्घकालिक जल प्रबंधन प्रथाओं की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया। उन्होंने बढ़ती शहरी आबादी के साथ पेयजल को लेकर चुनौतियां भी बढ़ रही हैं। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया और अमृत 2.0 अब जल आपूर्ति कवरेज और जल उपयोग दक्षता में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बढ़ती आबादी की मांगों को पूरा करने में शहरी स्थानीय निकायों की क्षमता सीमित है, इसलिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप इस अंतर को समाप्त में एक प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं और स्थानीय स्तर पर प्रभावी निगरानी और कुशल सेवा वितरण में स्थानीय निकायों को सहायता प्रदान कर सकते हैं। इस अवसर पर निदेशक, शहरी स्थानीय निकाय अनुज कुमार झा, महाप्रबंधक-जल आर.पी. सिंह और क्षेत्रीय शहरी एवं पर्यावरण अध्ययन केंद्र (आरसीयूईएस), लखनऊ के अतिरिक्त निदेशक ए.के. गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कॉन्टिनेंटल केमिकल्स लिमिटेड
सीआईएन - L24123UP1984PLC014111
पंजीकृत कार्यालयः ए-7, सेक्टर-7, नोएडा-201301, यू.पी.
दूरभाषः 91-120-2423316 ईमेलः info@dependentsoft.com, nkc@dependentsoft.com, वेबः www.continentelhemicalsltd.com

30 जून, 2024 को तिमाही समाप्ति हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम
(ईपीएस छोड़कर लाख रुपये में)

		30.06.2024 को तिमाही समाप्ति (अलेखापरीक्षित)	31.03.2024 को तिमाही समाप्ति (लेखापरीक्षित)	30.06.2023 को तिमाही समाप्ति (अलेखापरीक्षित)	31.03.2024 को वर्ष समाप्ति (लेखापरीक्षित)
1	संचालन से आय	37.91	37.36	40.89	157.49
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पूर्व, आपवादिक और/या आसाधारण मदें)	11.99	14.95	15.18	60.55
3	कर पूर्व अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या आसाधारण मदों पश्चात्)	11.99	14.95	15.18	60.55
4	कर पश्चात् अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (आपवादिक और/या आसाधारण मदों पश्चात्)	11.16	11.91	10.82	51.82
5	अवधि हेतु कुल व्यापक आय (अवधि हेतु लाभ/(हानि) सहित (कर पश्चात्)	11.23	11.94	10.84	52.11
6	इक्विटी शेयर पूंजी	224.90	224.90	224.90	224.90
7	आरक्षित निधि (पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर जैसा कि पिछले वर्ष की तुलन-पत्र में दर्शाया गया है)	-	-	-	-
8	प्रति शेयर आय (रु-10/- प्रत्येक)				
	मूलभूतः	0.50	0.53	0.48	2.30
	तरलीकृतः	0.50	0.53	0.48	2.30

नोटः
1 उपर्युक्त वित्तीय परिणामों की समीक्षा लेखा परीक्षा समिति द्वारा की जाती है और इस प्रकार निदेशक मंडल द्वारा 09.08.2024 को आयोजित उनकी बैठक में अभिलेखों में लिया गया है।
2 पिछली अवधि के आंकड़ों को वर्तमान अवधि के आंकड़ों के साथ तुलनीय बनाने के लिए जब भी आवश्यक हुआ, उन्हें पुनः समूहीकृत/पुनर्वर्गीकृत किया गया है।
3 ये परिणाम कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 133 के तहत निर्धारित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम 2015 (इंड एएस) और अन्य मान्यता प्राप्त लेखा प्रथाओं और नीतियों के अनुसार संभव सीमा तक तैयार किए गए हैं।
4 कंपनी केवल एक सेगमेंट में काम करती है।

बोर्ड और उसकी ओर से
कॉन्टिनेंटल केमिकल्स लिमिटेड
हस्ता/-
(नरेश कुमार चिब्बा)
प्रबंध निदेशक
डीआईएनः 00376963

स्थानः नोएडा
दिनांकः 09.08.2024

टायर फटने से स्कूल की वैन पलटी, कई बच्चे घायल

● एक बच्ची की हालत गंभीर, वेंटीलेटर पर भर्ती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहीद पथ पर शुक्रवार सुबह निजी स्कूल की वैन का पिछला टायर फटने से डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इस बीच पीछे से आ रही थार कार ने उसमें टक्कर मार दी। जिसके चलते वैन में सवार बच्चों में छह बच्चे घायल हो गए। जिसके बाद बच्चों को उपचार के लिए डॉ. राम प्रकाश गुप्त मातृ एवं शिशु अस्पताल और मेदांता में भर्ती कराया गया है। मेदांता में भर्ती एक बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे का संज्ञान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिये जाने के चलते प्रमुख सचिव संजय प्रसाद, जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार, एडीसीपी पूर्वी, एसीपी गोसाईंगंज ने मौके का निरीक्षण किया। इसके बाद अस्पताल पहुंचकर डाक्टर से बात की और बच्चों का हाल लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वैन चालक सुबह एक निजी स्कूल के 12 बच्चों को उनके घर से लेकर स्कूल जा रहा था। शहीदपथ पर फिनिक्स प्लासियो शापिंग माल के सामने तेज रफ्तार स्कूली वैन का पिछला टायर फट गया। वैन अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इस बीच पीछे से आ रही थार कार भी अनियंत्रित होकर वैन में भिड़ गई। घटना से चीख-पुकार मच गई। राहगीर दौड़े, थार सवार प्रशांत मोहनलालगंज निवासी मदद के लिए बाहर आ गए। वह भी बच्चों को थार से छोड़ने हुसड़िया चौराहे के पास स्कूल जा रहे थे। हालांकि, उनके बच्चे सुरक्षित हैं। कंट्रोल रूम की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। लोगों ने पुलिस की मदद से एक-एक कर बच्चों को वैन से निकाला। हादसे में वैन सवार नौ वर्षीय छात्रा नंदनी उसका छोटा भाई छह वर्षीय अर्थ कनौजिया, 15 वर्षीय सार्थक शुक्ला और आशुतोष गुप्ता को शहीदपथ किनारे लोहिया के मातृ एवं शिशु अस्पताल ले जाया गया। वहीं, आराध्या यादव और माही मौर्या को मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मेदांता में भर्ती आराध्या की हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉ. राम प्रकाश गुप्त मातृ एवं शिशु अस्पताल के डॉ. श्रीकेश सिंह ने बताया कि चार बच्चों को यहां लाया गया था। बच्चो को प्राथमिक उपचार देते हुए पीडियाट्रिक मेडिसिन एवं पीडियाट्रिक सर्जरी, पीडियाट्रिक ओरथोपेडिक्स के डाक्टर्स ने देखकर आवश्यकतानुसार जांचे करायी ,न्यूरोसर्जन को भी बुलाया गया तथा रेडियोलोजी विभाग द्वारा एक्सरे / एम आर आई जांच करायी गयीं। घायल बच्चो में 2 छात्र कक्षा 10 के छात्र है एवं 2 कक्षा 1 और 2 के हैं। इनमें सार्थक शुक्ला 16 वर्ष,आशुतोष गुप्ता 15 वर्ष, नन्दिनी 9 वर्ष, अर्थ 6 वर्ष शामिल है। इन चार बच्चो मे तीन बच्चो को जो हल्के चोटिल थे , उनको जांच/ उपचार और 4 घंटे आबसरवेशन मे रखने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया, *एक बच्ची नन्दिनी 9 वर्ष का अल्ट्रासाउंड और एमआरआई ब्रेन और सर्वाइकल स्पाइन की जाँच करायी गई है, जिसमें सर्वाइकल स्पाइन ठीक है,कोई इंजरी नही है, ब्रेन में छोटा सा ब्लीड है। जो खतरनाक नही ,वैसे बच्ची ठीक है। वहीं मेदान्ता अस्पताल ने बुलेटिन जारी कर कहा है कि संस्थान में भर्ती दो बच्चों में एक बच्चे की हालम गंभीर है। उसे वेंटीलेटर पर न्यूरो आईसीयू में डॉ. रविशंकर की निगरानी में इलाज दिया जा रहा है। जबकि दूसरी बच्ची को प्राथमिक उपचार देने के बाद उसके परिजन उसे लेकर चले गये हैं।

गोसाईंगंज में अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

● जानकीपुरम में दो लाइब्रेरी सील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए द्वारा गोसाईंगंज में एक अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया। विहित प्राधिकारी द्वारा अवैध बिलिंग के खिलाफ नोटिस भेजा गया। आदेश पर प्रवर्तन टीम द्वारा ध्वस्तीकरण किया गया। वहीं, जानकीपुरम में मानक के विपरीत बने बेसमेंट में संचालित दो कोचिंग संस्थानों को सील किया गया।

शुक्रवार को गोसाईंगंज और जानकीपुरम में एलडीए ने कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन.2 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि उमाशंकर व श्रीराम कुमार द्वारा गोसाईंगंज के ग्राम.सोनई कजेहरा में माइनर के किनारे भूमि खसरा सख्या.140 व 141 पर लगभग दो बीघा क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए अनियोजित कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले.आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही इस अवैध प्लाटिंग के विरूद्ध विहित न्यायालय द्वारा वाद योजित करते हुए सीलिंग के आदेश पारित किये गये थे। जिसके अनुपालन में अवर अभियंता विपिन बिहारी रायए एसके सिंह व ऋतुपाल द्वारा प्राधिकरण पुलिस व स्थानीय थाने के पुलिस बल के सहयोग से अवैध प्लाटिंग के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही करायी गयी। इस दौरान निजी विकासकर्ता द्वारा स्थल पर निर्मित की गयी सड़कें, नाली, बाउन्ड्रीवॉल व भूखण्डों के डिमार्केशन के लिए ईंट से किये गये चिनाई आदि के कार्य को ध्वस्त कर दिया गया। प्रवर्तन जोन.5 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह ने बताया कि उपाध्यक्ष महोदय द्वारा मानक के विपरीत बने बेसमेंट में नियम विरूद्ध तरह से संचालित कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी आदि संस्थानों के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश दिये गये हैं। इसके अंतर्गत जानकीपुरम क्षेत्र में अभियान चलाकर बेसमेंट में संचालित संस्थानों की जांच की गयी। इसमें अनूप कुमार द्वारा सेक्टर.एफके भवन संख्या.ए.1/2 के बेसमेंट में संचालित गुरू कृपा लाइब्रेरी व राजेन्द्र कुमार मौर्या द्वारा भवन संख्या.बी.2/23 के बेसमेंट में संचालित लाइब्रेरी के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दोनों सेंटर को सील कर दिया गया।

काकोरी ट्रेन एक्शन ने आज़ादी के आंदोलन को दी एक नयी दिशा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काकोरी ट्रेन एक्शन (काकोरी कांड) के शताब्दी वर्ष पर लखनऊ विश्वविद्यालय के हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग में शुक्रवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध क्रांतिकारी एवं काकोरी ट्रेन एक्शन में सक्रिय रूप से शामिल रहे रामकृष्ण खत्री के पौत्र रोहित खत्री मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए। इसके साथ ही विभाग के पुरा छात्र एवं अवध के क्रांतिकारियों द्वारा रचे गये साहित्य पर शोध-कार्य करने वाले डॉ दुर्गेश चौधरी अतिथि वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ रामकृष्ण खत्री, डॉ दुर्गेश चौधरी, विभागाध्यक्ष प्रो रश्मि कुमार, प्रो वाई पी सिंह, प्रो पवन अग्रवाल द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो रश्मि कुमार के स्वागत वक्तव्य के पश्चात प्रो वाई पी सिंह ने अपना उद्बोधन वक्तव्य दिया। उन्होंने रोहित खत्री और डॉ दुर्गेश चौधरी का संक्षिप्त परिचय देते हुए स्वाधीनता संग्राम के सेनानियों के प्रति अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके पश्चात डॉ दुर्गेश चौधरी ने अपने आरंभिक वक्तव्य में स्वतंत्रता संग्राम और विशेष रूप से काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़ी घटनाओं पर विस्तार से चर्चा के साथ साथ भारतीय स्वाधीनता संग्राम में क्रांतिकारियों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि स्वाधीनता संघर्ष के क्रांतिकारियों को याद करना एक बात है और उनके विचारों को समझना और अपनाना अलग बात है। मुख्य वक्ता रोहित खत्री ने अपने वक्तव्य में काकोरी ट्रेन एक्शन से जुड़ी घटनाओं और उस घटना से जुड़े क्रांतिकारियों के संस्मरणों पर विस्तृत बातचीत की। अपने वक्तव्य में उन्होंने बताया कि किस तरह से काकोरी ट्रेन एक्शन ने आज़ादी के आंदोलन को एक नयी दिशा दी।

बीटेक में प्रवेश के लिए 41 हजार से ज्यादा ने च्वॉइस फिलिंग भरी

लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्याल की ओर से प्रदेश के इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट संस्थानों में प्रवेश के लिए चल रही रही पहले राउंड की काउंसलिंग के तहत च्वॉइस फिलिंग में बीटेक के लिए 41730 अभ्यर्थियों ने अपनी सीट चुनी। जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 28 हजार के करीब था। इस बार बीटेक में प्रवेश के लिए पंजीकरण भी करीब 50 हजार हुआ है। जो पिछले साल से करीब 17 हजार ज्यादा है। वहीं, एमबीए एवं एमसीए के लिए 2121 ने चॉइस फिल किया। चॉइस फिलिंग की अंतिम तिथि 8 अगस्त तक थी। सीट अलॉटमेंट 10 अगस्त को होगा। पहले राउंड में बीटेक में प्रवेश के लिए सरकारी संस्थानों छात्रों की पहली पसंद बने। इसमें इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीरियरिंग टेक्नोलॉजी, लखनऊ की छह सौ सीटों के सापेक्ष 25 हजार छात्रों ने अपनी पहली च्वॉइस भरी है। इसी तरह की पहली पसंद में बीआईटी झांसी, केएनआईटी सुल्तानपुर के छात्रों की पहली पसंद हैं। इस वर्ष पहली बार उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल्स टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट कानपुर में कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच शुरू हो रही है। उसमें करीब 5 हजार छात्रों ने च्वॉइस फिलिंग भरी है।

आयकर विभाग के पूर्व उपायुक्त अवमानना मामले में दोषसिद्ध

● हाईकोर्ट की एकल पीठ ने सात दिन के लिए जेल भेजने का दिया था आदेश

● तब दो जजों की पीठ ने तुरंत सुनवाई कर आदेश पर लगाई रोक

विधि संवाददाता। लखनऊ

आठ वर्ष से चल रहे अवमानना के एक मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने शुक्रवार को आयकर विभाग के तत्कालीन उपायुक्त हरीश गिडवानी को दोषसिद्ध करार देते हुए सात दिनों के साधारण कारावास की सजा सुनाई। उन पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया।

जस्टिस इरशाद अली की एकल पीठ ने गिडवानी को आदेश दिया कि वह आज अपरान्ह ही सजा भुगतने के लिए कोर्ट के सीनियर रजिस्ट्रार के सामने आत्मसमर्पण करें। हालांकि उनके वकीलों ने शुक्रवार को ही जस्टिस एआर मसूदी एवम जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव की पीठ के समक्ष दोषसिद्धि और सजा के आदेश के विरुद्ध अपील कर दी। जिस पर इन दो जजों की पीठ ने एकल पीठ के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। एकल पीठ ने दोषसिद्धि का आदेश वर्ष 2016 में वरिष्ठ वकील प्रशांत चंद्रा द्वारा दाखिल एक अवमानना याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि आयकर विभाग ने असेसमेंट ईयर 2012-13 के बावत उन्हें एक नोटिस जारी किया था। जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने 31 मार्च 2015 को उक्त नोटिस को खारिज कर दिया था। कहा था कि याचिकाकर्ता दिल्ली में रह रहा था और उसने वहीं अपना आयकर जमा किया था। अत: असेसमेंट ईयर के लिए लखनऊ में टैक्स जमा करने का नोटिस क्षेत्राधिकार से परे है। याचिकाकर्ता का आरोप था कि गिडवानी ने दुर्भावनावश उक्त साल के बकाए की नोटिस सात साल एवं सात माह तक वेबसाइट से नहीं हटाई। इसके पश्चात एकल पीठ ने एक नवंबर 2023 को गिडवानी पर आरोप तय किए थे। बाद में सुनवाई पूरी कर अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था जिसे शुक्रवार को सुनाया गया। फैसला सुनाने के तत्काल बाद गिडवानी के वकील ने दो जजों की पीठ के सामने विशेष अनुमति प्राप्त कर अपील कर दी। जिस पर उक्त दो जजों की पीठ ने एकल पीठ के आदेश पर तत्काल रोक लगा दी।

चार आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। राज्य सरकार ने शुक्रवार को चार आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। राजनाथ सिंह की सुरक्षा में तैनात रहे पीपीएस से आईपीएस बने रामनयन सिंह को लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। रामनयन की तरह ही आईपीएस केशव कुमार को भी लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस में पुलिस उपायुक्त पद पर स्थानान्तरण किया गया है। इनके अलावा लखनऊ कमिश्नरेट में तैनात रहे आईपीएस महेंद्र पाल सिंह को डीजीपी मुख्यालय में पुलिस अधीक्षक क्राइम एवं आईपीएस शिवाजी को पुलिस अधीक्षक तकनीकी सेवाएं के पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है।

ड्यूटी से गायब 15 चिकित्सक बर्खास्त

लखनऊ। स्वास्थ्य विभाग में व्यापक सुधार अभियान चल रहा है। ड्यूटी में लापरवाही बरतने एवं लगातार गैरहाजिर रहने वाले 15 चिकित्सकों पर गाज गिरी है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इन सभी डॉक्टरों को बर्खास्त करने के निर्देश प्रमुख सचिव (चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) को दिए हैं। इनमें से एक चिकित्सक को पूर्व में निलंबित कर गया था। इस प्रकरण में हुई जांच में वे दोषी पाए गए और अब उनको बर्खास्त करने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिए गए हैं। इन चिकित्सकों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शमसाबाद, आगरा के चिकित्साधिकारी डॉ. विवेक शाक्य, जिला महिला चिकित्सालय, उरई, जालौन की चिकित्साधिकारी डॉ. नीता वर्मा, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, महेवा, इटावा के चिकित्साधिकारी डॉ. समीर गुप्ता, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकराबाद, अलीगढ़ के चिकित्साधारी शामिल हैं।

एचआरडीसी का नाम बदला, अब बना मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर स्थित ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर को अब मदन मोहन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर के रूप में जाना जायेगा। शुक्रवार को विवि में सम्पन्न हुई कार्य परिषद की बैठक ने नाम बदलने की स्वीकृति दे दी है। विवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्य परिषद की बैठक में विद्या परिषद, वित्त समिति, प्रवेश समिति और परीक्षा समिति के पूर्व की बैठकों के प्रस्ताव/मिनट्स को पारित किया गया। बैठक में बायोकेमेस्ट्री विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर कुसुम यादव को प्रोफेसर पद पर और बायोटेक्नोलॉजी की प्रोफेसर मीनल गर्ग को प्रोफेसर पद पर प्रोन्नति प्रदान किया गया। इसी प्रकार शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉक्टर मोहम्मद तारिक को असिस्टेंट प्रोफेसर स्टेज 1 से असिस्टेंट प्रोफेसर स्टेज 2 पर प्रोन्नति प्रदान किया गया। संविदा नियुक्तियों में शारीरिक शिक्षा विभाग में चार असिस्टेंट प्रोफेसर, आईएमएस में 13 असिस्टेंट प्रोफेसर और एमबीए फाइनेंस में तीन असिस्टेंट प्रोफेसर और पत्रकारिता में दो असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति की गई। रेगुलर पदों पर अर्थशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर पर दो पद, मॉलेक्युलर बायोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी में एसोसिएट प्रोफेसर का एक पद और बायोकेमेस्ट्री विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के तीन पदों पर और विधि विभाग में एक असिस्टेंट प्रोफेसर के एक पद पर नियुक्ति की गई। ललित कला संकाय में कुमारी रागनी उपाध्याय स्वर्ण पदक को प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

एलयू के छात्र के स्टार्टअप को मिली सरकार से वित्तीय मदद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यापार) के छात्र यश तिवारी द्वारा वर्ष 2023 में शुरू किये गये स्टार्ट अप को सरकार से वित्तीय मदद मिली है। इस स्टार्टअप का केंद्र हॉकर नामक एक अत्याधुनिक तकनीकी प्लेटफॉर्म है, जो भारतीयों के शॉपिंग और यात्रा करने के तरीके को बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। स्टार्टअप हॉकर ब्रांड नाम के तहत एक तकनीकी प्लेटफॉर्म प्रदान करता है जो किराना, भोजन और अन्य वस्तुओं के लिए यात्रा और शॉपिंग को सरल बनाता है। हॉकर स्टार्टअप, भारत व भारतीय छोटे और स्थानीय व्यवसायों के लिए विशेष तकनीकी समाधान और सुरक्षा प्रदान करता है। हॉकर का दृष्टिकोण है कि तकनीक के माध्यम से असंगठित क्षेत्र की सेवा के तरीके को क्रांतिकारी तरीके से बदलना और पर्यटन उद्योग में सहज रूप से एकीकृत करना है। शुरू में, उत्पाद का उद्देश्य सड़क विक्रेताओं और समाजों तथा अपार्टमेंट्स के निवासियों के बीच की खाई को पाटना है, जिससे असंगठित क्षेत्र को एक संगठित इकाई में बदला जा सके। स्टार्टअप को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंक्यूबेशन सेल से मिले विशिष्ट मार्गदर्शन के आधार पर अंतर्गत उत्पाद का ब्लूप्रिंट और प्रोटोटाइप डिजाइन विकसित कर चुका है, स्टार्टअप ने हाल ही में यूपी सरकार से एक समर्थन ग्रांट की पहली किस्त भी प्राप्त की है। अब स्टार्टअप प्रोटोटाइप डिज़ाइन को एक न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद में बदलने के लिए फंड की तलाश कर रहा है, ताकि एक आधिकारिक लॉन्च जल्द ही किया जा सके। आगे की योजनाओं में, स्टार्टअप अगले तीन वर्षों के भीतर पर्यटन क्षेत्र में विस्तार करने की योजना बना रहा है, जिसमें यात्रा की योजना बनाने से लेकर सभी संबंधित व्यवस्थाओं को आसान और सुव्यवस्थित अनुभव प्रदान किया जाएगा।

गृहकर कैंप में 94 आपत्तियों को किया निस्तारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

जीआईएस सर्वे के ि कर निधारण दिवस में में नगर आयुक्त सहित अधिकारियों द्वारा आपत्तिकर्ताओं के गृहकर बिल को संशोधित किया गया। अलीगंज के निवासी महाकवि जयशंकर प्रसाद वार्ड के भवन का वार्षिक मूल्य 29268 रुपए कर दिया था, जिसे संशोधित कर 20286 रुपए वार्षिक मूल्य गृहकर किया गया। समाधान दिवस में जोनवार 94 आपत्तियां प्राप्त हुई जिसमें से 94 आपत्तियों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

भवनों के जीआईएस सर्वे में किए गए कर निर्धारण के विरुद्ध आपत्तियों के निराकरण के लिए शुक्रवार को जीआईएस समाधान दिवस का आयोजन नगर निगम मुख्यालय स्थित त्रिलोकीनाथ हॉल में किया गया। दिवस में हजरतगंज जोन के आपत्तिकर्ता राम औतर, भ.सं .134/122ए, बसीरतगंज, बसीरतगंज. गणेशगंज वार्ड आईडी 9157, 74490 का जीआईएस का वार्षिक मूल्य 8640 और निस्तारण बाद निर्धारित वार्षिक.मूल्य 2268 किया। वहीं, अजीगंज के आपत्तिकर्ता राम जी शर्मा, भ.सं सेक्टर.क्यूईडी/022.सीसी, अलीगंज सेक्टर.क्यू, महाकवि जयशंकर प्रसाद वार्ड, आईडी 9157बी50544 का जीआईएस का वार्षिक मूल्य 29268 और निस्तारण के बाद निर्धारित वार्षिक मूल्य रुपए 20286 किया।

समाधान दिवस में भवन स्वामियों से जीआईएस द्वारा किए गए कर निर्धारण के विरुद्ध लिखित आपत्तियां साक्ष्य व भवन की वर्तमान फोटो सहित आमंत्रित की गई थी। उक्त जीआईएस समाधान दिवस में सभी अपर नगर आयुक्त, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी, सहायक नगर आयुक्त, सभी जोनल अधिकारी, कर अधीक्षक, राजस्व निरीक्षक व कंप्यूटर ऑपरेटर के साथ जीआईएस सर्वे की टीम मौजूद रही। समाधान दिवस में जोनवार 94 आपत्तियां प्राप्त हुई जिसमें से सभी 94 आपत्तियों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। जीआईएस समाधान दिवस में समस्त जोनल अधिकारीगण अपने अधीनस्थ कर अधीक्षक एवं राजस्व निरीक्षको के साथ उपस्थित रहकर आवेदन प्राप्त होने पर तत्काल ही गणना व जाँच करते हुए मौके पर निस्तारण कराया गया।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर शुरू हुईं प्रतियोगिताएं

● विजेता प्रतिभागियों को 15 अगस्त के दिन जनपद और राज्य स्तर पर किया जाएगा सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को प्रदेश के समस्त जनपदों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हो गया। इन सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को 15 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम में नगद पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। साथ ही उन्हें फ्रेम किए हुए प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। खास बात ये है कि जनपद और राज्य स्तर पर विजेताओं को पुरस्कार राशि भी प्रदान की जाएगी जो 10 हजार से लेकर 51 हजार रुपए तक होगी। यही नहीं, प्रतियोगिता के टॉप-3 में जगह नहीं बना पाने वाले 7 लोगों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर योगी सरकार काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आयोजन कर रही है, जिसकी शुरुआत शुक्रवार से हो गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ की पहल पर वर्तमान और भावी पीढ़ी को काकोरी व स्वतंत्रता सेनानियों की शौर्यगाथा के बारे में जानकारी देकर उन्हें प्रेरित किया जाएगा। इसके लिए स्कूली बच्चों, किशोर-युवाओं की सहभागिता से विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। सीएम योगी के निर्देश पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अवसर पर प्रदेश में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, चित्रकला, पेंटिंग प्रतियोगिता, सुलेख एवं निबंध प्रतियोगिता एवं भाषण एवं वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के विजेताओं को 15 अगस्त के दिन नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके तहत प्रथम पुरस्कार विजेता को जनपद स्तर पर 10 हजार रुपए, जबकि राज्य स्तर पर 51 हजार रुपए की धनराशि प्रदान की जाएगी। वहीं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त विजेता को जनपद स्तर पर 7500 रुपए और राज्य स्तर पर 21 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। तृतीय पुरस्कार के रूप में जनपद स्तर पर 5 हजार और राज्य स्तर पर 11 हजार रुपए की धनराशि दी जाएगी। इसके अतिरिक्त टॉप-3 विजेताओं में स्थान न बना पाने वाले 7 लोगों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसमें जनपद स्तर पर प्रति व्यक्ति एक हजार रुपए की राशि दी जाएगी, जबकि राज्य स्तर पर प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपए की राशि दी जाएगी।

इस कार्यक्रम के तहत स्कूलों और कॉलेज में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अंतर्गत काकोरी ट्रेन एक्शन, मैनपुरी षड्यंत्र केस, 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं, स्थानों एवं आजादी के ज्ञात एवं अज्ञात नायकों पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

पुरानी पेंशन की बहाली सहित कई मांगों को लेकर शिक्षकों ने निकाली मोटरसाइकिल रैली

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रिमझिम बरसात के बीच पुरानी पेन्शन की बहाली सहित कई मांगो को लेकर शुक्रवार को क्वींस इण्टर कालेज से जिलाधिकारी कार्यालय तक प्रादेशिक उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता डा आरपी मिश्र के नेतृत्व में मोटरसाइकिल रैली निकली गई। प्रदेश व्यापी संघर्ष के दूसरे चरण में मोटर साइकिल रैली क्वींस इण्टर कालेज से निशात हास्पिटल से परिवर्तन चैक, से दूरसंचार कार्यालय कैसरबाग से जिलाधिकारी कार्यालय में मोटरसाइकिल रैली का समापन हुआ। समापन अवसर पर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर नगर मजिस्ट्रेट (सप्तम) को संगठन के प्रादेशिक उपाध्यक्ष डा आरपी मिश्र, महांमत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, जिलाध्यक्ष अनिल शर्मा, जिलामंत्री महेश चन्द्र ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित 23 सूत्रीय ज्ञापन सौपा। ज्ञापन प्राप्त करने के पश्चात अपर नगर मजिस्ट्रेट (सप्तम) ने ज्ञापन को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित करने के लिए आश्वस्त किया। मोटर साइकिल रैली से पूर्व शिक्षकों को सम्बोधित किया। शिक्षक नेताओ ने अपने सम्बोधन में कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों की समस्याओं के प्रति उदासीन है इसलिए संगठन को प्रदेशव्यापी संघर्ष करना पड़ रहा है। शिक्षक नेताओं ने कहा कि यदि सरकार द्वारा शिक्षकों की मांगों की पूर्ति नही होती है तो दिनांक 1 सितम्बर, 2024 को राज्य कार्यकारिणी की बैठक मे संघर्ष के अगले चरणों की घोषणा की जाएगी।

रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रित करने के लिए राजपत्रित अधिकारियों की लगेगी ड्यूटी

आरक्षी भर्ती परीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस की भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लकर शुरक्रवार को मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर की अध्यक्षता में बैठक हुई। आरक्षी भर्ती के लखनऊ में 81 एग्जाम सेंटर बनाये गये है। इस मौके पर डीएम द्वारा निर्देशित किया गया पुलिस भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या के तहत रेलवे एवं बस स्टैंड पर हेल्प डेस्क बनाया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। वहीं, साथ ही रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रित करने के लिए राजपत्रित अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाए।

शुक्रवार को मंडलायुक्त डॉ रोशन जैकब व पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर की अध्यक्षता में उप्र पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस पदों पर सीधी भर्ती 2023 परीक्षा की तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण बैठक स्मार्ट सिटी ऑफिस के सभागार में की गयी। बैठक के दौरान मंडलायुक्त ने निर्देश दिया कि रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रित करने के लिए राजपत्रित अधिकारी की ड्यूटी लगाई जाए। आरक्षी भर्ती के लिये बनाये गए एग्जाम सेंटरों की क्षमता का आकलन भी कर लिया जाये। आरक्षी भर्ती के लखनऊ में 81 एग्जाम सेंटर बनाये गये है उन सेंटरों का निरीक्षण नोडल अधिकारी द्वारा पुन: कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। मंडलायुक्त द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि समस्त केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से भर्ती बोर्ड द्वारा जारी की गई प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित कराते हुए परीक्षा को सम्पन्न कराया जाए। मंडलायुक्त द्वारा बताया गया की सभी केंद्र व्यवस्थापक गहनता के साथ भर्ती बोर्ड द्वारा जारी गाइडलाइंस का अध्यन करना सुनिश्चित कर ले। किसी भी प्रकार की लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं हैं। बैठक में पुलिस आयुक्त द्वारा बताया गया की रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर पुलिस विभाग द्वार हेल्पडेस्क बनाई जाएगी। जिसमे परीक्षा से संबंधित जानकारी, परीक्षा केंद्रों की जियो टैग लोकेशन आदि उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने बताया की अभ्यर्थियों द्वारा हेल्पडेस्क पर अपना प्रवेश पत्र दिखाने पर अभ्यर्थियों को परीक्षा से संबंधित जानकारी और केंद्र के जियो टैग लोकेशन उपलब्ध कराई जाएगी।

बसों को व्यवस्थित करते हुए संचालित करने का निर्देश

मंडलायुक्त ने एमडी ट्रांसपोर्ट सिटी को निर्देश दिया कि आरक्षी भर्ती एग्जाम के दिन बसों की संख्या में बढ़ोतरी करते हुए साथ ही बस स्टॉप पर बसों को व्यवस्थित करते हुए संचालित कराया जाए। परिवहन और रेलवे को निर्देश दिया की स्टेशनों और बस अड्डों पर लगे सभी सीसीटीवी कैमरे चेक कर लिए जाए की सभी कैमरे क्रियाशील है या नही। उक्त के साथ चिकित्सा विभाग को निर्देश दिए की रेलवे स्टेशन और बस अड्डे पर एंबुलेंस की व्यवस्था को सुनिश्चित कराया जाए। साथ ही जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देश दिए की सभी केंद्र प्रभारियों के साथ बैठक करना सुनिश्चित करे की भर्ती बोर्ड के सभी मानकों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।

खान पान की दुकानों पर रेट लिस्ट लगाई जाए

जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए की उनके द्वारा बस स्टेशनए रेलवे स्टेशन और परीक्षा केंद्रों के आस पास खान पान की दुकानों पर रेट लिस्ट लगाई जाए और किसी भी प्रकार की ओवर चार्जिंग न होने पाएं। उक्त के साथ ही खाद्य सुरक्षा को निर्देश दिए की बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन और परीक्षा केंद्रों के आस पास खान.पान की दुकानों पर फूड चेकिंग और सैंपलिंग कराई जाए और विशेषकर पानी की बोतलों का विशेष ध्यान दिया जाए की पानी स्वच्छ है या नही। साथ ही नगर निगम को निर्देश दिए की बस स्टेशन व रेलवे स्टेशन पर पानी के टैंकर और मोबाईल शौचालय की व्यवस्था को भी सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर नगर आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंहए अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ शुभी सिंह सहित संबधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगा जवाब

पार्टी या प्रत्याशी जाति आधारित रैली करते हैं तो क्या करेंगे कार्रवाई

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने चुनाव आयोग से पूछा है कि यदि कोई राजनीतिक दल या प्रत्याशी जाति आधारित रैली करता है तो वह क्या कार्रवाई कर सकता है। पीठ ने इस सम्बन्ध में हलफनामा दाखिल कर जवाब देने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 29 अगस्त को होगी।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश स्थानीय वकील मोतीलाल यादव की जनहित याचिका पर दिया है। पीठ ने इस मामले में भारत सरकार के विधि व न्याय मंत्रालय को भी पक्षकार बनाने का आदेश याचिकाकर्ता को दिया है। यह भी निर्देश दिया है कि वह पिछले 10 वर्ष में हुई जातीय रैलियों का ब्यौरा शपथ पत्र पर दाखिल करे। पीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि भाजपा, कांग्रेस, सपा व बसपा राजनीतिक दलों को जारी हुई नोटिस वापस नहीं प्राप्त हुई है। लिहाजा इन दलों को नोटिस की प्राप्ति मान ली गई है। दूसरी तरफ इस मामले पर जवाब देते हुए चुनाव आयोग ने कहा कि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट में उसकी तरफ से जातीय रैलियों को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाता है। पीठ ने इस पर कार्रवाई करने की शक्ति के बारे में जवाब देने को कहा।

इस जनहित याचिका में प्रदेश में जातीय रैलियों पर प्रतिबंध लगाए जाने की मांग की गई है। 11 जुलाई 2013 को पीठ ने इस याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रदेश में राजनीतिक दलों द्वारा जाति आधारित रैली करने पर रोक लगा दी थी। पीठ ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए कहा था कि जातीय सिस्टम समाज को विभाजित करता है और इससे भेदभाव उत्पन्न होता है। जाति आधारित रैलियों को अनुमति देना संविधान की भावना, मौलिक अधिकारों व दायित्वों का उल्लंघन है।

एलडीए अब शहर में नहीं बनाएगा फ्लैट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

> एलडीए अब फ्लैट निर्माण नहीं करेगा। हमने रोक लगा दी है। पहले जो फ्लैट बने हैं, वह बिक नहीं रहे हैं। काफी खाली हैं। हमने कुछ अपार्टमेंट का निरीक्षण किया है, उनमें तमाम खामियां हैं। अब एलडीए भूखंड बेचेगा।
> **प्रथमेश कुमार, उपाध्यक्ष एलडीए**

एलडीए अब शहर में फ्लैट नहीं बनाएगा। इसकी जगह सिर्फ भूखंड बेचेगा। अपार्टमेंट के लिए आरक्षित ग्रुप हाउसिंग के भूखण्डों को भी प्राधिकरण नीलामी के जरिए बेचेगा। खुद कोई निर्माण नहीं कराएगा। एलडीए के पूर्व में बनाए अपार्टमेंट की दशा देखने के बाद प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने यह फैसला लिया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के इंजीनियरों ने वर्ष 2012 से 2016 के बीच शहर में सबसे ज्यादा फ्लैट बनाए। इससे पहले 2008 से 2012 के बीच भी फ्लैट बने और आसानी से बिक गए। मगर इसके बाद बनने वाले फ्लैट आज तक पूरे नहीं बिक पाए हैं। मौजूदा स्थिति में करीब 1800 फ्लैट तैयार खड़े हैं, लेकिन कोई खरीदार नहीं मिल रहा है। समय के साथ यह खण्डहर होते जा रहे हैं और इनकी बहुत खराब है। बिक चुके फ्लैट की भी खराब गुणवत्ता की शिकायतें हैं। कहीं पार्किंग की दिक्कत हैं तो कहीं लीकेज.सीपेज नहीं दूर हो पा रहा है। कहीं घटिया पानी की लाइनें डाल दी हैं, जिससे अपार्टमेंट की पाइप लाइन फ ट जा रही हैं। इंजीनियरों ने ऐसी पार्किंग बना दी है, जहां गाड़ियां ही नहीं जा पा रही हैं। एलडीए अपार्टमेंट की दशा देखकर एलडीए के नए वीसी भी हैरान है। उन्होंने परिजात अपार्टमेंट के अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के फ्लैट भी देखे हैं। करीब 10 वर्ष बाद भी परिजात अपार्टमेंट की दशा नहीं सुधरी। वीसी को अपार्टमेंट में तमाम खामियां मिलीं। पीएम आवास योजना के मकानों में काफी सीलन थी। अपार्टमेंट में घटिया निर्माण, कमीशनबाजी की तस्वीर साफ दिखाई देती है। इसे देखते हुए वीसी ने फ्लैट निर्माण पर रोक लगाई है। वीसी ने इंजीनियरों से साफ कहा है कि वह फ्लैटों के निर्माण का कोई भी प्रस्ताव अब न बनाएं।

क्रांतिवीरों का अमर बलिदान, हमारी स्वतंत्रता की नींव है: डॉ. राजेश्वर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश भर में काकोरी एक्शन कांड की 100वीं वर्षगांठ और भारत छोड़ो अगस्त क्रांति दिवस पर अमर शहीदों को याद किया गया। इस अवसर पर सरोजनीनगर भाजपा विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने भी स्वाधीनता संग्राम सेनानियों के साहस, समर्पण और बदिलान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

विधायक ने अपने आधिकारिक एक्स (ट्विटर) पर लिखा, स्वतंत्रता वास्तव में कभी मुफ़्त नहीं होती; यह बहादुरों के बलिदान से खरीदी जाती है। हमारी स्वतंत्रता अनगिनत बहादुर आत्माओं के अंतिम बलिदानों के माध्यम से अर्जित की गई थी, जिनमें से कई युवा नायक थे जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए अपना भविष्य त्याग दिया। मात्र 23 वर्ष की उम्र में भगत सिंह ने अदम्य साहस के साथ इंकलाब जिंदाबाद का उद्घोष करते हुए फांसी के फंदे को गले लगा लिया। केवल 18 वर्ष के खुदीराम बोस सबसे कम उम्र के शहीदों में से एक थे, जिन्होंने क्रांति के बीज बोते हुए, मुस्कुराते हुए फाँसी का सामना किया। कभी भी जिंदा न पकड़े जाने की कसम खाने वाले चन्द्रशेखर आजाद ने महज 24 साल की उम्र में अंग्रेजों से घिर जाने के बाद खुद को गोली मार कर मातृभूमि से किया अपना वादा पूरा किया।अशफाक उल्ला खान की बहादुरी, जिन्हें 27 साल की उम्र में फाँसी दे दी गई, और सुखदेव थापर, जिन्होंने भगत सिंह के साथ समर्पण के बजाय मौत को चुना, हमें आज़ादी की कीमत की याद दिलाते हैं। डॉ. सिंह ने आगे लिखा अकेले 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 10,000 से अधिक शहीद हुए और 60,000 से अधिक स्वतंत्रता सेनानियों को जेल में डाल दिया गया था। जलियांवाला बाग नरसंहार, जहां 1,000 से अधिक निर्दोष लोग मारे गए थे और 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन, जहां 100,000 से अधिक लोग गिरफ्तार किए गए थे, स्वतंत्रता की कीमत की याद दिलाते हैं। ये केवल संख्याएँ नहीं हैं – ये युवाओं की, बलिदान किए गए सपनों की, देश के लिए स्वेच्छा से निर्धारित किए गए भविष्य की कहानियाँ हैं। अंत में सरोजनीनगर विधायक ने लिखा कि आज, चूँकि हम स्वतंत्रता के विशेषाधिकारों का आनंद ले रहे हैं, आइए हम गहरी कृतज्ञता और गर्व से अपना सिर झुकाएँ। उनका बलिदान हमारी स्वतंत्रता की नींव है, और जिस राष्ट्र के लिए उन्होंने अपना जीवन दिया, उसका सम्मान और संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है। जय हिंद!

एलडीए में 6 मृतक आश्रितों को मिली नियुक्ति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एलडीए उपाध्यक्ष द्वारा 6 मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र दिया गया। कर्मियों को कनिष्ठ लिपिक, अनुचर और चौकीदार पदों पर नियुक्ति प्रदान की गयी। शुक्रवार को एलडीए में 6 मृतक आश्रितों को सेवायोजित किया।

इस मौके पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इन नव नियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वाह करने के लिए प्रेरित किया। अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि अरूण प्रताप सिंह चौहान व मोईन एहसान को कनिष्ठ लिपिक के पद पर नियुक्ति दी गयी है। इसके अलावा पवन प्रताप, सावित्री व विनोद कुमार को अनुचर तथा माधुरी को चौकीदार के पद पर नियुक्ति प्रदान की गयी है।

बांग्लादेश में उदारता और कट्टरता की लड़ाई चरम पर है: दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संयुक्त राष्ट्र हिंदी जन अभियान के अध्यक्ष और इंटरनेशनल सोशलिस्ट काउंसिल के सचिव दीपक मिश्र ने बताया कि बांग्लादेश सोशलिस्ट काउंसिल और बांग्लादेश हिंदी अभियान के पदाधिकारी स्थानीय उदार नागरिकों के साथ मिलकर अपनी क्षमता के अनुसार भारतीयों विशेषकर हिंदी भाषियों की पुरजोर मदद कर रहे हैं। यदि एकतरफ कट्टरपंथी भारतीयों, हिंदुओं और हिंदी भाषियों को प्रताड़ित कर रहे हैं तो दूसरी तरफ उदार बांग्लादेशी पूरी प्रतिबद्धता के साथ प्रताड़ना रोक के रहे हैं। कई हिंदुओं और हिंदीभाषियों को अपने घरों में शरण देकर प्राणों की रक्षा भी कर रहे हैं। दीपक ने बताया कि दक्षिण एशिया पीपुल फोरम के महासचिव जायद इकबाल खान, बांग्लादेश सोशलिस्ट काउंसिल के अध्यक्ष फजलुर्रहमान, राजनीतिक कार्यकर्ता मोहम्मद होसैन, मुक्तो श्रमिक फेडरेशन की नेत्री रानी खान, समाजसेवी बदरुल भाई , नहीदुल हसन नयन समेत कई प्रभावशाली बांग्लादेशी सतत दूरभाषिक संपर्क में हैं। बड़तला समेत कई सीमा स्थलों पर सेवागृह बनाया जाएगा जहां से वंचित भारतीयों और हिंदीभाषियों को तात्कालिक राहत और गृह वापसी का प्रबंध होगा। दीपक ने कहा कि बांग्लादेश में उदारता और कट्टरता की लड़ाई चरम पर है। भारत पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ेगा। भारतीय सरकार को सबसे पहले भारतीयों की वापसी के अभियान की गति को बढ़ाना चाहिए। वहां एक अनुमान के अनुसार कम से कम डेढ़ लाख हिन्दुस्तानी विशेषकर हिंदी भाषी संकट में हैं जिनमें ज्यादातर उत्तर प्रदेश और बिहार के हैं। पंद्रह लाख के करीब भारतीय बांग्लादेश में रह रहे हैं जो भारत विरोधियों के निशाने पर हैं।

नौ अगस्त को भी राष्ट्रीय पर्व की तरह याद करना चाहिए: यशवंत सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के संरक्षक पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा है कि भारत की स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 9 अगस्त की तारीख राष्ट्रीय पर्व की तारीखों की तरह ही महत्वपूर्ण है। हमको, आपको, सभी को इसे संज्ञान में लेना चाहिए और इस तारीख को राष्ट्रीय पर्व की तरह ही याद करना चाहिए।

शुक्रवार को चन्द्रशेखर चबूतरा पर अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन को प्रणाम करने पहुंचे सामाजिक सेनानियों को सम्बोधित करते हुए लोकतन्त्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के संरक्षक पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा कि 1857 से 1947 तक चले स्वतंत्रता संग्राम में 9 अगस्त 1942 से पहले स्वतंत्रता की लड़ाई कभी देशी रियासतों ने लड़ा, कभी क्रांतिकारियों ने, कभी कांग्रेस ने तो कभी आज़ाद हिंद फौज ने लेकिन 9 अगस्त 1942 को पहली बार अंग्रेजों के वेतनभोगियों के अलावा स्वतंत्रता हासिल करने के लिए सम्पूर्ण देश सड़क पर उतर पड़ा। इन लोगों में सरकारी भवनों से यूनियन जैक उतार कर तिरंगा फहराने की होड़ लगी हुई थी।

उन्होंने कहा कि इसे लेकर अनगिनित लोग शहीद हो गए, लाखों लोग जेल में कैद कर दिए गए लेकिन अंग्रेजों भारत छोड़ो का यह संग्राम रुका तभी जब अंग्रेज भारत छोड़ने को तैयार हो गए। लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति, उत्तर प्रदेश के संरक्षक पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा कि जो अंग्रेज जलियाँवाला बाग जैसा नरसंहार करने से बाज नहीं आए, वह इस अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की वजह से अपनी जान बचाने की सोचने लगे। उन्होंने कहा कि जो बापू चौरीचौरा को लेकर आंदोलन वापस ले लिए, वह इसे लेकर करो या मरो का नारा दे दिए। इसलिए यह 9 अगस्त की तारीख स्वतंत्रता संग्राम की सर्वाधिक महत्वपूर्ण तारीखों में एक है।

आने वाली पीढ़ियां शहीदों से प्रेरणा लेती रहेंगी: अनुपम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी समारोह के अवसर पर काकोरी स्मारक/मंदिर पर पहुंच कर अमर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने वीर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि आज हम जिस स्वतंत्र आबो-हवा में सांस ले रहे हैं, वह इन्हीं मां भारती के वीर सपूतों की वजह से संभव है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी और हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। वीरों के बलिदान से आने वाली पीढ़ियाँ सदियों तक प्रेरणा लेती रहेंगी।

राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन ऐसी घटना थी, जिससे अंग्रेजी सरकार बुरी तरह हिल गयी थी। आज जो प्रगतिशील और उन्नति की ओर अग्रसर भारत है वह ऐसे ही नहीं बना है, न जाने कितने क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से इसे सींचा गया है। हमारे क्रांतिकारियों ने हमें आजादी दिलाने के लिए अंग्रेजों का खजाना लूटने में अपने प्राणों तक को न्योछावर कर दिया। हम उन क्रांतिकारियों के ऋणी हैं जिनके शौर्य एवं बलिदानों की बदौलत हम आज आज़ादी की हवा में सांस ले रहे हैं। कहा कि हमारे वीर सपूतों एवं क्रान्तिकारियों के घोर संघर्षो का परिणाम है कि आज हम आजाद भारत में आजादी के साथ जी रहे है हम सभी को देश की आजादी, एकता और अखण्डता को बरकरार रखने के लिए एक जुट होकर निरन्तर विकास के पथ पर बढना होगा।

शक्ति रसोई ने अल्प समय में ही सफलता का कीर्तिमान रचा: निदेशक सूडा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पांच दिवसीय शक्ति रसोई संचालक समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर निदेशक सूडा डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं को शक्ति रसोई के बेहतर व्यवसायिक क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। प्रदेश के 15 जनपदों में 25 स्थानों पर संचालित हो रही शक्ति रसोई ने अल्प समय में ही सफलता का कीर्तिमान रचा है।

आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर अतिथि भाग लेने आईं मशहूर शेफ श्रीमती पंकज भदौरिया ने कहा भोजन बनाने के दौरान जितनी आवश्यकता साफ-सफाई और अच्छी सामग्रियों की होती है, उतनी ही जरूरत खाना बना रहे व्यक्ति में अच्छे भाव की भी होती है। क्योंकि आप जिस भाव भोजन बनाने हैं, कहीं न कहीं वह भाव भी भोजन के माध्यम से खाने वालों तक पहुंचता है। प्रसिद्ध टेलीविजन शो मास्टर शेफ के पहले सीजन की विजेता श्रीमती पंकज भदौरिया ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को उत्तम भोज्य पदार्थों के निर्माण के टिप्स दिए। इस दौरान विभिन्न जनपदों से आईं शक्ति रसोई का संचालन करने वाली महिलाओं संग श्रीमती भदौरिया ने संवाद किया व उनके सवालों के जवाब भी दिए। बताते चलें कि विगत पांच अगस्त से शक्ति रसोई संचालक समूह प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहा है। जिसका आज अंतिम दिन था। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान समूह की महिलाओं को होटल प्रबंधन संस्थान अलीगंज, लखनऊ में भी प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही होटल ताजमहल के विशेषज्ञों व इम्पीरियल रिसोर्ट के शेफ ने भी महिलाओं को प्रशिक्षित किया। आईसीआईसीआई बैंक के विशेषज्ञों के द्वारा वित्तीय प्रबंधन व व्यक्तित्व विकास के गुर भी बताए गए।

रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित डाटा की प्रविष्टि पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप पर की जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

> **जिला स्तर पर प्रत्येक माह की सूचना आगामी माह की 5 तारीख तक अवश्य प्रविष्टि करें**

प्रदेश के श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने कहा कि रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से रोजगार/स्वरोजगार के विशेष अवसर सृजन किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा 'मिशन रोजगार' अभियान चलाया जा रहा है। मिशन रोजगार अभियान का संचालन श्रम एवं सेवायोजन विभाग उत्तर प्रदेश के अन्तर्गत गठित उत्तर प्रदेश कामगार और श्रमिक (सेवायोजन रोजगार) आयोग के अन्तर्गत किया जाना है। उन्होंने कहा कि रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित डाटा की प्रविष्टि पूर्व में सेवायोजन पोर्टल पर की जा रही थी, जिसे अब सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप पर की जाएगी।

प्रमुख सचिव विधान भवन स्थित तिलक हॉल में सेवायोजन विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि एकीकृत पोर्टल पर जनपद स्तर पर प्रत्येक माह की सूचना आगामी माह की 5 तारीख तक प्रविष्टि कर दी जाय, जिससे प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप 'मिशन रोजगार' अभियान पूरी तरह से सफल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने युवाओं को पर्याप्त रोजगार के अवसर सृजित करने के निर्देश दिए हैं। विशेष सचिव कुणाल सिल्कू ने कहा कि विभिन्न विभागों द्वारा सेवायोजन विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पोर्टल पर उपलब्ध प्रारूप पर अपनी सूचनाएं समय से अद्यतन की जाए जिससे विभागों में संचालित योजनाओं के माध्यम मे रोजगार/स्वरोजगार प्राप्त लाभार्थी की जानकारी आवश्यक होने पर सरकार को उपलब्ध करायी जा सके। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशक नेहा प्रकाश ने कहा कि एकीकृत पोर्टल पर जनपद स्तर पर प्रत्येक माह की सूचना ससमय प्रविष्टि कर दी जाय, जिससे आवश्यकता पड़ने पर यह पता लग सके कि इस वित्तीय वर्ष कितने रोजगार दिए गए। इस सम्बन्ध में पूर्व में जारी शासनादेश में दी गयी व्यवस्थानुसार कार्य-योजना बनाते समय विभिन्न विभागों द्वारा प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार, स्वरोजगार, कौशल प्रशिक्षण तथा अप्रेन्टिसशिप के माध्यम से स्वरोजगार हेतु सक्षम बनाये जाने वाली सभी योजनाओं में सृजित होने वाले रोजगार के लक्ष्य तथा उनके समक्ष प्राप्ति तथा ऐसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए जागरुकता उत्पन्न किये जाने वाले कार्यक्रमों का पूर्ण विवरण दिया जाए।

नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए महिला बाइकर्स व इन्फ्लुएंसर्स का दल रवाना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महिला बाइकर्स के रवाना होने पर यूपी सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, टूरिज्म के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महिलाओं का सहयोग अति आवश्यक है। वे स्वयं पर्यटन करें और इस क्षेत्र से जुड़े रोजगार के अवसरों का भी लाभ उठाएं। महिलाओं को सशक्त करने के उद्देश्य से बाइकर्स टीम को रवाना किया गया।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आगे कहा, किसी भी देश-प्रदेश में पर्यटन के विकास में कानून-व्यवस्था की बड़ी भूमिका होती है। डर के साए में पर्यटक भ्रमण के लिए नहीं आ सकता। योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश की छवि बदली है। प्रदेश में अब कानून का राज है। अपराधियों की जगह जेल है। यूपी के सख्त शासन का दूसरे प्रदेशों में उदाहरण दिया जाता है। हमारी बहन-बेटियां, व्यापारी आदि सुरक्षित हैं। पर्यटन के क्षेत्र में इसका लाभ मिल रहा है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा, उत्तर प्रदेश में अयोध्या, मथुरा, काशी समेत अनेक महत्वपूर्ण धार्मिक-आध्यात्मिक स्थल हैं। ईको, हैरिटेज समेत अन्य पर्यटन स्थलों के मामले में भी उत्तर प्रदेश धनी राज्य है। यहां प्रतिदिन लाखों लोग भ्रमण के लिए आते हैं। पिछले वर्ष 48 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया था। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के दृष्टिगत रोजगार के असीमित अवसर सामने आ रहे हैं। महिला बाइकर्स रैली से खासकर महिलाओं में जागरूकता आएगी। इससे प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा तो मिलेगा ही, साथ ही अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला बाइकर्स और इन्फ्लुएंसर्स का एक दल शुक्रवार (9 अगस्त) को लखनऊ से रवाना हुआ।

परिवार को कमरे में बंद कर लाखों की नकदी व जेवर ले उड़े चोर

संवाददाता। मोहनलालगंज

डाडा सिकंदरपुर गांव में निजी अस्पताल कर्मी के परिवार को कमरे में बंद कर बेखौफ चोरों ने सारा घर खंगालकर लाखों रुपए के जेवरात और हजारों रुपए की नकदी समेट कर फरार हो गए। एसीपी की अगुवाई में पुलिस टीम ने घटनास्थल पर छानबीन के बाद खुलासे के लिए तीन टीमों का गठन किया है।

मोहनलालगंज के डांडा सिकंदरपुर निवासी संतोष कुमार निजी अस्पताल में कार्यरत हैं। संतोष के मुताबिक गुरुवार की रात बेखौफ चोरों ने घर के पिछले हिस्से में लगे दरवाजे से घुसकर उनके परिवार को बाहर से कमरे में बंद कर दिया। फिर सारा घर खंगालने के बाद कमरे में रखी अलमारी और बक्शे के लॉक तोड़कर उसमें रखी लाखों रुपए की सोने व चांदी की जेवर और अस्सी हजार उपभोक्ताओं की नकदी लेकर भाग निकले। इसी बीच खटपट की आवाज सुनकर पड़ोसी की नींद खुल गई। छत पर अनजान शख्स को देखकर उन्होंने शोर मचा दिया लेकिन ग्रामीणों के जुटने से पूर्व ही चोर पीछे खेतों से होकर भाग निकलने में कामयाब रहे। शोर सुनकर संतोष भी जाग गए लेकिन कमरे का दरवाजा बंद होने से वह बाहर नही निकल सके। उन्होंने पड़ोसी को फोन कर दरवाजा खोलने के लिए बुलाया तब जाकर संतोष का परिवार बाहर आ सका। घर में सारा सामान बिखरा देखकर संतोष ने फौरन पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद पुलिस टीम छानबीन कर वापस लौट गई। शुक्रवार की सुबह एसीपी रजनीश वर्मा की अगुवाई में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और पीड़ित व आसपास के लोगों से वारदात की पूरी जानकारी ली। एसीपी ने बताया पुलिस और सर्विलांस की संयुक्त तीन टीमों का गठन किया गया है। संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पुलिस चोरों को गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा करेगी। एसीपी ने गांव के लोगों को सुरक्षा के दृष्टिगत घरों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की सलाह दी।

कार्बन फाइनेंस के जरिए यूपी के 25 हजार किसानों की बढ़ेगी आय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत को 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। इसे पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में इस वर्ष 36 करोड़ से अधिक पौधे रोपकर कीर्तिमान रचा गया, तो वहीं आगामी पांच साल में 175 करोड़ से अधिक पौधे रोपने का लक्ष्य भी रखा गया है। 2017 से 2024 तक प्रदेश में अबतक दो सौ करोड़ से भी अधिक पौधे रोपे गये हैं। योगी सरकार अब प्रदेश के किसानों को भी इस महा अभियान से जोड़ रही है। सरकार का इरादा किसानों को कार्बन फाइनेंस योजना से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करने का है। योजना का उद्देश्य किसानों को खेती-किसानी के साथ-साथ अपने खेतों में वृक्षारोपण करके अतिरिक्त आय अर्जित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रथम चरण में 25 हजार से अधिक किसानों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। द एनर्जी एंड रिसोर्स इंस्टीट्यूट (टेरी) और वीएनवी एडवाइजरी सर्विस के सहयोग से इस योजना के जरिए किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किये जा रहे हैं। प्रथम चरण में प्रदेश के 6 मंडल, गोरखपुर, बरेली, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद और सहारनपुर के किसानों को कार्बन फाइनेंस योजना से जोड़ा गया है। अबतक 25,140 किसान इस योजना से जुड़ चुके हैं, जो 25,874 हेक्टेयर भूमि पर पेड़ लगाएंगे। इन पेड़ों से 42 लाख 19 हजार 369 कार्बन क्रेडिट का लक्ष्य सरकार ने रखा है। इस मद में सरकार द्वारा किसानों के लिए 202 करोड़ रुपए की धनराशि तय की गई है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कार्बन क्रेडिट पाने के लिए किसानों को अधिक से अधिक तेज गति से बढ़ने वाले पौधों जैसे पापुलर, मीलिया डूबिया, सेमल आदि को लगाना होगा। प्रत्येक पांचवें वर्ष में छह अमेरिकी डॉलर के हिसाब से प्रति कार्बन क्रेडिट की खरीद होगी।

योजना के दूसरे चरण में सात नये मंडलों को शामिल किया जाएगा, इनमें देवीपाटन, अयोध्या, झांसी, मीरजापुर, कानपुर, वाराणसी व अलीगढ़ मंडल में किसानों को पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

भारतीय युवा कांग्रेस का मनाया यगा स्थापना दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने शुक्रवार को युवा कांग्रेस मुख्यालय पर युवा कांग्रेस का ध्वज फहराकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी। इस मौके पर पूर्व विधायक श्री श्याम किशोर शुक्ला, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश श्री कृष्णा हरि, उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस मध्यजोन के अध्यक्ष दीपक शिवहरे, कार्यकारी अध्यक्ष अंकित तिवारी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व मंत्री श्री अजय राय ने कहा कि आप सभी युवा हैं और युवा ही संगठन की रीढ़ होते हैं। आज देश में फिरकापरस्त ताकतों का कब्जा है और हमें पुन: एक बार फिर से उनसे मुकाबला कर देश में अमन चैन का माहौल स्थापित करना है। हमने संघर्ष के बल पर ही आजादी पाई थी आज एक बार फिर वही वक्त हमारे समक्ष है ऐसे में हमें एक साथ मिलकर संघर्ष करने की आवश्यकता है और इस संघर्ष में मैं हमेशा आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। इसके पश्चात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री अजय राय जी ने युवा कांग्रेस के मुख्यालय के प्रांगण में पेड़ लगाकर कांग्रेस के राजीव गांधी वृक्षारोपण अभियान को धार देने का काम किया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष श्री दीपक शिवहरे, कार्यकारी अध्यक्ष श्री अंकित तिवारी, उपाध्यक्ष शरद शुक्ला, देवांश तिवारी, मुकेश अवस्थी, गौरव शुक्ल, दीपक पाण्डेय, मो. नवाज खान, जितिन कुमार, केडी शुक्ला, सहित भारी संख्या में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ

● काकोरी घटना की 100वीं वर्षगांठ पर हुई संगोष्ठी

संवाददाता। सोनभद्र

काकोरी ट्रेन एक्शन के शुभारम्भ एवं वीरों को नमन कार्यक्रम के अवसर पर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के सम्बोधन का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस अवसर पर विधायक घोरावल डॉ अनिल कुमार मौर्या, जिलाधिकारी बीएन सिंह मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुभाष चन्द्र यादव, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चैहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी आपदा मित्र एवं जनमानस ने सजीव प्रसारण कार्यक्रम को देखा।

इसके पश्चात विधायक घोरावल डॉ अनिल कुमार मौर्य जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर के गांधी उद्यान में पौधरोपण भी किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व में रोपित किये गये पौधों को संरक्षित करने की अपील जनमानस से की। प्रात: 08 बजे से कलेक्ट्रेट परिसर व विकास भवन में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह के नेतृत्व में काकोरी ट्रेन एक्शन के शुभारम्भ एवं वीरों को नमन कार्यक्रम के अवसर पर विशेष स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 ने कलेक्ट्रेट परिसर में झाड़ू लगाकर व झाड़ियों की कटान कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलायी, स्वच्छता की शपथ दिलाते समय उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता के प्रति सजग रहना सबकी जिम्मेदारी बनती है। काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के शुभारंभ के अवसर पर ब्लड बैंक में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अश्वनी कुमार व विद्यालयों में छात्र छात्राओं द्वारा प्रभातफेरी जिला विद्यालय निरीक्षक व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में निकाली गयी, देश भक्ति गीत, खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शहीद स्मारक स्थल पर साफ सफ़ाई व पौध रोपण भी किया गया।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम, द्वितीय व तृतीय के तत्वावधान में शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन दिवस के 100वीं वर्षगांठ पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन परिसर प्रभारी डॉ0 प्रदीप कुमार यादव ने किया। एनएसएस इकाई तृतीय के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 विनोद कुमार पांडेय ने विषय स्थापना के साथ ही कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर वाणिज्य डॉ दिनेश कुमार ने काकोरी ट्रेन एक्शन को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक मील का पत्थर बताया और राम प्रसाद बिस्मिल सहित सभी क्रान्तिकारी नायकों के बलिदान को नमन किया। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ अविनाश कुमार दूबे ने काकोरी एक्शन दिवस और युवा क्रान्तिकारी संगठन के आजादी के लिए दिये गये योगदान का विश्लेषण किया।

नरेंद्र चटर्जी अध्यक्ष, राजेश त्रिपाठी महासचिव निर्वाचित

प्रयागराज। प्रयागराज अधिवक्ता संघ हाईकोर्ट इलाहाबाद के चुनाव में सर्वसम्मति से नरेंद्र कुमार चटर्जी को अध्यक्ष और राजेश त्रिपाठी को महासचिव चुना गया। इसके अलावा कुंवर बाल मुकुंद सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय यादव केशव देव मालवीय उपाध्यक्ष अतुल कुमार पाण्डेय संयुक्त सचिव ईशान शिशु कोषाध्यक्ष के साथ ही ग्यारह कार्यकारिणी सदस्य भी चुने गए। चुनाव संघ के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश की देखरेख में संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी अधिवक्ता बी डी निषाद ने परिणाम घोषित किया। अध्यक्ष और महासचिव सहित कार्यकारिणी ने अपना कार्यभार भी ग्रहण कर लिया।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का चंद्रशेखर आजाद पार्क में हुआ आयोजन

● आजादी के तराने पुस्तक की डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने की प्रशंसा

संवाददाता। प्रयागराज

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह कार्यक्रम का आयोजन उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों में किया जा रहा है। इसी क्रम में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का आयोजन प्रयागराज के चंद्रशेखर आजाद पार्क गेट नंबर तीन पर आज किया गया।

हिन्दुस्तानी एकेडेमी उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित लगभग दो पुस्तकों की पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए हिन्दुस्तानी एकेडेमी द्वारा प्रकाशित पुस्तक आजादी के तराने पुस्तक को देखा और कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण पुस्तक है।

जिस पर एकेडेमी के प्रशासनिक अधिकारी गोपाल जी पाण्डेय एवं एकेडेमी कार्मिकों द्वारा मुख्य अतिथि को आजादी के तराने पुस्तक भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या द्वारा आजादी के तराने पुस्तक की प्रशंसा की गई। उन्होंने कहा कि मुझे यह पुस्तक एकेडेमी द्वारा प्राप्त हुई है। जिसके लिए मैं एकेडेमी कार्मिकों के प्रति आभारी हूं। काकोरी एक्शन शताब्दी समारोह में शामिल होने के लिए प्रयागराज आगमन पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का भाजपाइयों ने एयरपोर्ट पर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। स्वागत करने वालों में विधायक गुरु प्रसाद मौर्य जिला पंचायत अध्यक्ष डा वी के सिंह महापौर गणेश केसरवानी महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल यमुनापार अध्यक्ष विनोद प्रजापति राजेश केसरवानी वरुण केसरवानी मनोज कुशवाहा आदि अन्य कार्यकर्ता रहे।

समय से हो रहा है कर्मचारियों का चयन व प्रमोशन: जीएम एनसीआर

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में जोनल स्तर पर कार्मिक विभाग की समीक्षा बैठक अरावली सभागार में हुई। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रशासन द्वारा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी को पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रशासन ने बैठक के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने उत्तर मध्य रेलवे के सभी मंडलों कारखानों यूनिटों के उपस्थित कार्मिक अधिकारियों को संबोधित किया। बैठक में अपर महाप्रबंधक ने कहा कि सीबीटी का कैलेंडर बन गया है जिससे शीघ्र ही रिक्त पदों को भर लिया जायेगा। कार्मिक विभाग द्वारा इस समीक्षा बैठक का आयोजन सभी अधिकारियों कर्मचारियों के कार्यक्षमता प्रबंधन शैली एवं अभिनव विचार आत्मसात करने की क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी के आगमन पर प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी ने उन्हें सजीव पौधा भेंट किया।

इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक जे एस लाकरा एवं उत्तर मध्य रेलवे के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक में उत्तर मध्य रेलवे के मुख्यालय तथा सभी मंडलों कारखानों यूनिटों के उप मुख्य कार्मिक अधिकारी वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी एवं अन्य कार्मिक अधिकारियों द्वारा एकल खिड़की प्रकोष्ठ अनुकम्पा नियुक्ति समापन भुगतान सेलेक्शन ट्रेड टेस्ट पर प्रस्तुति दी गई। इसके साथ साथ कार्यालय को नई दिशा में विकसित करने हेतु भी चर्चा की गई। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने बैठक में कर्मचारियों को कम से कम दो आनलाइन आफलाइन प्रशिक्षण के लिए कहा।

पचास हजार तिरंगे फहराकर इतिहास रचेगा शहर पश्चिमी: सिद्धार्थ नाथ सिंह

संवाददाता। प्रयागराज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर घर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कैम्प कार्यालय राजापुर में जिला मंडल पदाधिकारी एवं पार्षद तथा वरिष्ठ भाजपा जनों के साथ आगामी तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर रुपरेखा तय की।

विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने भाजपा पदाधिकारियों और वरिष्ठ जनों से कहा कि विधानसभा शहर पश्चिमी के सभी प्रमुख बाजार मनौरी पूरामुफ्ती बमरौली धूमनगंज सुलेमसराय कर्बला हिम्मतगंज खुल्दाबाद राजरूपपुर झलवा पीपलगांव भगवतपुर कादिलपुर असरावेकला बिसौना जलालपुर घोषी तथा हर गांव की बस्तियों के हर घरों से तिरंगा फहराने की योजना पर समाज में आजादी का संदेश याद दिलाएगा और राष्ट्र के प्रति भावना जागृत होगी। 2047 तक विकसित भारत बनाने का सपना साकार होगा। उम्मीद है कि इस बार शहर पश्चिमी के हर घरों से लोग तिरंगा यात्रा अभियान में पचास हजार तिरंगा फहराकर इतिहास रचेगा। उन्होंने शहर पश्चिमी के प्रधानों क्षेत्र पंचायत सदस्यों व्यापार मंडलों तथा प्रमुख जनों से तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग करने का आवाहन और अपील की।

आगामी 13 से 15 अगस्त को भाजपा द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप हर घर तिरंगा यात्रा पिछले वर्ष की तरह अबकी बार देश वासियों को राष्ट्र प्रेम आजादी के नायकों का सम्मान और देशभक्ति का सबसे बड़ा पर्व भारतवासियों का होगा। 14 अगस्त को भाजपा गोष्ठी एवं मौन जुलूस भी निकाल कर जागृत करेगी।आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर देश के कोने कोने में हर घर तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। इस यात्रा का उद्देश्य देशभक्ति की भावना को जगाना और तिरंगे के महत्व को समझाना है।

विनेश फोगाट को लेकर कांग्रेसियों ने सौंपा ज्ञापन

मीरज़ापुर। शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजन पाठक के द्वारा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के निर्देश पर दिनांक 8 अगस्त 2024 को पेरिस में होने वाले ओलंपिक गेम में कुश्ती के शानदार महिला पहलवान विनेश फोगाट के साथ जिस तरह फाइनल मैच में साजिश हुई है शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजन पाठक ने उच्च स्त्रीय जांच की मांग करते हुए महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा जिलाधिकारी के माध्यम से पत्रक दिया जा रहा है जिसमें कांग्रेस के सभी सम्मानित वरिष्ठ नेता गण एवं कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे। उपस्थित शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य एवं मीडिया प्रभारी छोटे खान पीसीसी सदस्य जफर इकबाल आदि रहे।

जैपुरिया स्कूल पड़ाव कैंपस में रॉकिंग राइवल्स प्रतियोगिता सम्पन्न हुई

मुगलसराय, चन्दौली। जैपुरिया स्कूल्स पड़ाव कैंपस में रॉकिंग राइवल्स' अंतर विद्यालयी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य आज के युवाओं को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता दिखाने का अवसर देना, उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना, और उनके भीतर प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करना था। विद्यालय का मानना है कि अभिव्यक्ति का सबसे सशक्त माध्यम संगीत है क्योंकि संगीत वह अभिव्यक्त कर देता है, जिसे कहा नहीं जा सकता क्योंकि यह आत्मा की अभिव्यक्ति होती है। इस प्रतियोगिता में बनारस एवं चंदौली के सभी प्रतिष्ठित विद्यालयों ने भाग लिया। सर्वप्रथम जूनियर बैंड प्रतियोगिता में विविध विद्यालयों के बच्चों ने अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन कर दर्शक दीर्घा को विस्मित किया सभी ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसी क्रम में सिनियर बैंड प्रतियोगिता द्वारा कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया जिसमे बड़े बच्चों ने संगीत के सप्त सुरों की रागिनी द्वारा पूरे विद्यालय प्रांगण को मनो झंकृत कर दिया। सभी विद्यालयों के प्रतिभागियो ने अपने जोरदार प्रदर्शन से दर्शको एवं निर्णायक समूह को मोहित किया। तत्पश्चात शुरू हुआ सोलो इंग्लिश वोकल प्रतियोगिता जिसमे सभी प्रतिभागी बच्चों ने एक से बढ़कर एक मोहक प्रस्तुति देकर समा बांध दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनोज बजाज ने बच्चों को अपने आशीर्वचनो से अभिसिंचित करते हुए कहा कि – तपस्या धर्म का पहला और आखिरी कदम है।

बिजली चोरी और बकाये को लेकर नगर में चलाया गया चेकिंग अभियान

संवाददाता। गाज़ीपुर

विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय आमघाट के मोहल्ला नुरुदिनपुरा, चंपियाबाग, विशेश्वरगंज, आमघाट, लालदारवाजा मुहल्लों में बिजली चोरी रोकने के साथ ही साथ बकाया बिल को लेकर उपखंड अधिकारी शहर सुधीर कुमार और विजिलेंस टीम के नेतृत्व में नगर क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया वही अभियान के दौरान दर्जनों मुहल्लो में 15 लोगों के खिलाफ विद्युत चोरी,बकाया बिल पर मुकदमा दर्ज कराया गया।

इसके अलावा दर्जनों का कनेक्शन काटने के साथ ही बकाया वसूला गया।एसडीओ सुधीर कुमार ने बताया कि शहर के दर्जनों मुहल्लो में 15 लोगो का 138 बी में एफआईआर किया गया जिन लोगो का एक हफ्ते पहले बकाए पर लाइट पोल से खोली गई थी जो बिना बकाया बिल जमा किए बगैर अवैध तरीके से विद्युत उपभोग कर रहे थे। एवं17 लोगों का बकाए पर पोल से केबिल खोली गई। और सख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि अगर बिना बकाए जमा किए बगैर लाइट जोड़ी पाई गई तो सीधे विद्युत चोरी में एफआईआर करेंगे।

वहीं क्षेत्र में कुल 9 उपभोक्ताओं का स्टोर रीडिंग चार्ज करके बिल मौके पर बनाई गई तथा 28 लोगो का मौके पर लोड बढ़ाया गया। वही उन्होंने 25 हजार से ऊपर के बकायेदारों को सख्त हिदायत देते हुए बताया कि जल्द से जल्द सभी लोग अपना अपना बकाया बिल जमा कर दे अन्यथा की स्तिथि में 25 हजार से ऊपर के समस्त उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत बकाया पर 138 बी में एफआईआर करके राजस्व विभाग द्वारा एक एक पैसे की वसूली की जाएगी।एसडीओ द्वारा अंतिम चेतावनी देते हुए सलाह दी गई की बकाया बिल जमा कराने को लेकर शासन स्तर से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिसमे में कुछ लोग बकाया बिल जमा नही कर रहे हैं। वही उस क्षेत्र के संबंधित संविदा कर्मियों के उपर भी एफआईआर दर्ज करायी जायेगी जो भी बकायेदारों का बिना पैसा जमा कराए केबल पोल से जोड़ता हुवा पाया जायेगा।

काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर दी श्रद्धांजलि

मीरजापुर। पूरे प्रदेश में काकोरी ट्रेन एक्शन के 100वे वर्षगांठ पर शहीदों को यादकर श्रद्धांजलि दी जा रही है। इसी क्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने भी नारघाट स्थित शहीद उद्यान पार्क पहुंचकर शहीदों के प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने कहा की काकोरी ट्रेन एक्शन के सौ साल पूरा होने पर माला पहनाकर शहीदों को नमन किया गया है।सौ साल पहले ही देश के क्रांतिकारियों ने काकोरी ट्रेन एक्शन कर तत्कालीन अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। क्रांतिकारियों के इस कदम से पूरे देश में देशभक्ति की ज्वाला उमड़ पड़ी थी।उनके बलिदान को देश नही भुल सकता है,जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अपने प्राणों की आहुति दे दी।

केन्द्रीय विद्यालय में युवा संसद प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता। गाज़ीपुर

केन्द्रीय विद्यालय के तत्वाधान में आयोजित युवा संसद कार्यक्रम बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर केंद्रीय विद्यालय के पचास छात्रों ने युवा संसद की कार्यवाही प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशाल सिंह 'चंचल' विधान परिषद् सदस्य उत्तर प्रदेश के अलावा आशीष कुमार नामित चेयरमैन विद्यालय प्रबंधन समिति,राजन सिंह ब्लॉक प्रमुख मरदह, आदि की उपस्थिति सराहनीय रही। विद्यालय की प्राचार्या बिनीता सिंह के द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्रम् एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम की निर्विघ्नता हेतु मंगलाचरण के पश्चात् प्राथमिक विभाग के छात्रों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। औपचारिक स्वागत करते हुए प्राचार्या बिनीता सिंह ने युवाओं में लोकतंत्रात्मक प्रवृत्ति के विकास पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हम लोकतंत्र की जड़ो को मजबूत करके आदर्श नागरिक के निर्माण में सफल हो सकेंगे। मुख्य अतिथि विशाल सिंह ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर विद्यालय परिवार को धन्यवाद करते हुए छात्रों के मेहनत को सराहा।

उन्होंने वर्तमान समाज में लोकतंत्र की वास्तविक छवि को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता पर अपना वक्तव्य रखा। जनपद में पहली बार आयोजित इस प्रकार के कार्यक्रम को सराहते हुए विशाल सिंह 'चंचल' ने कहा कि ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए जिससे छात्र अपने विद्यालयीय जीवन में ही देश के नीति निर्माण करने वाली संस्था संसद के कार्यवाही से परिचित होकर संवैधानिक मूल्यों को जी सकें। प्रधानाध्यापिका ने एमएलसी विशाल सिंह चंचल के समक्ष यह अवगत कराया गया की 40 साल से अफीम फैक्ट्री के भूमि पर ही केंद्रीय विद्यालय संचालित हो रहा है इसका कोई स्थायी भूमि नहीं होने के कारण बच्चों को बहुत दिक्कतें हो रही हैं विद्यालय का नाम भूमि हो जाती तो आपकी महती कृपा होगी जिस पर एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने मुख्यमंत्री के समक्ष इस बात को रखने की संस्तुति प्रदान की।

इससे पूर्व विद्यालय आगमन पर विद्यालय बालचर और कलर पार्टी ने मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक और 35वीं राष्ट्रीय युवा संसद के समन्वयक नीरज राय ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में युवा संसद के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय युवा संसद की शुरुआत 1666-67 में हुई। यह युवाओं को संसदीय प्रणाली को समझने में अत्यधिक मददगार साबित होता है। वैभव शुक्ल तथा मो.इरशाद ने अपने कुशल संचालन के द्वारा कार्यक्रम को ऊचाई प्रदान की। विद्यालय के शिक्षक मनीष आर्या ने सभी अतिथियों को उनकी गरिमामयी उपस्थिति हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का हुआ आयोजन

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ तथा मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी अविनाश सिंह द्वारा मां भारती के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर एवम् दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद चित बहाल आदर्श बालिका इंटर कॉलेज के छात्राओं द्वारा सरस्वती गीत अन्य छात्र-छात्राओं द्वारा भी काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अवसर पर राष्ट्र, लोकगीत प्रस्तुत किया गया।

संस्कृत विभाग से आए हुए कलाकार महिंद्रा देवी देशभक्ति लोकगायन, छबिलाल पाल बिरहा लोक गायन, डॉ. जान्हवी पांडे लोकगायन,नृत्य, सौरव शुक्ला लोकगायन द्वारा अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां की गई। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा शहीद आश्रितों,परिजनों रामावती, फूलपत्ती, शांति देवी, सुभावती, कुसुम, दीपा उपाध्याय, उमा सिंह तथा दीपमाला को अंगवस्त्र पहनाकर तथा पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के छात्र छात्राओं तथा संस्कृत विभाग से आए हुए कलाकारों को जिलाधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से 21000/- रुपए का प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित एवं प्रेरित किया गया।

जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश के स्वाधीनता की लड़ाई में काकोरी कांड के नाम से इतिहास में दर्ज घटना आज एक महोत्सव के रूप में परिणित हो चुकी है। आजादी के अमृत महोत्सव के आयोजन के अंतर्गत मुख्यमंत्री द्वारा इसे काकोरी ट्रेन एक्शन के नाम से संबोधित किया गया। 09 अगस्त 2024 अर्थात आज से काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ की शुरुआत हो चुकी है जिसे संपूर्ण प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों के साथ मनाया जा रहा है। काकोरी की उस घटना पर जिसने संपूर्ण फिरंगी साम्राज्य की नीवों को जड़ से हिला दिया था। सन् 1922 में गोरखपुर के चौरीङ्चौरा घटना के बाद महात्मा गांधी द्वारा 11 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन स्थगित करने की घोषणा की गई, किंतु आजादी के दीवानों के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था।

क्रांतिकारी युवाओं ने अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु 1924 में हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसियेशन का गठन किया। जिसमें मुख्य रूप से चंद्रशेखर आजाद, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी आदि सम्मिलित थे, किंतु इस संघर्ष को आगे बढ़ने व मूर्त रूप देने हेतु धन की आवश्यकता थी। इसके लिए क्रांतिकारियों ने अंग्रेजी सरकार के खजाने पर कब्जा करने हेतु बड़ी कार्रवाई काकोरी में की गई। सरकारी खजाने को हासिल करने की यह घटना काकोरी घटना के नाम से प्रसिद्ध है।

9 अगस्त 1925 को शाहजहांपुर से लखनऊ आ रही ट्रेन को काकोरी के निकट रोककर अंग्रेजी सरकार के खजाने पर क्रांतिकारियों द्वारा कब्जा कर लिया गया इस घटना से आक्रोशित ब्रिटिश सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर गिरफ्तारी की गई और क्रांतिकारियों को अलग-अलग जेलों में बंद कर दिया गया। मुकदमा चलने के बाद शहीद राम प्रसाद बिस्मिल, शहीद राजेंद्र नाथ लाहिड़ी, शहीद अशफाक उल्लाह खां व शहीद रोशन सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई।116 अन्य क्रान्तिकारियों को कम से कम चार वर्ष की सजा से लेकर अधिकतम आजीवन कारावास तक का दंड दिया गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

मुगलसराय, चन्दौली। बांग्लादेश में हो रहे हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में चंदासी कोल ट्रेडर्स एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को व्यापारियों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर पैदल मार्च किया। यह विरोध प्रदर्शन चंदासी कोयला मंडी स्थित कैंप कार्यालय से प्रारंभ होकर पीडीडीयू नगर स्थित सपा कार्यालय से पुन: वापस होकर चंदासी कोयला मंडी में समाप्त हुआ। संस्था के सचिव मोहित बगड़िया ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर हमें काफी दुख है इसे रोकने के लिए हर हिंदुस्तानी को आवाज उठाने की जरूरत है।

इसके लिए सरकार से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अत्याचार कर रहे लोगों में मानवीय संवेदना समाप्त हो चुकी है इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है हम भारतवासी इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं । वहीं कोषाध्यक्ष देशदीप मित्तल ने कहा कि सरकार जल्द से जल्द इसे रोकने की अपील करें ताकि बेगुनाहों को बचाया जा सके। निर्धारित कार्यक्रम पैदल मार्च के लिए सैकड़ो की संख्या में व्यापारी शामिल हुए सभी लोगों ने अपनी बाहों में काली पट्टियां बांध रखी थी और शांति रूप से पैदल मार्च कर विरोध प्रदर्शन किया।

सपा मजदूर सभा ने मजदूरों की समस्याओं को लेकर बोला हल्ला, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मीरजापुर। समाजवादी मजदूर सभा के बैनर तले शुक्रवार को 17 सूत्रीय मांगों को लेकर पदाधिकारी व कार्यकर्ता पैदल मार्च करते हुये कलेक्टेऊट में पहुँचकर जोरदार हल्ला बोला और प्रर्दशन कर महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित 17 सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी को सौंपा। प्रर्दशन के दौरान समाजवादी मजदूर सभा के जिलाध्यक्ष मेवालाल प्रजापति ने कहा कि काम के घंटे 8 हो, काम के घंटे 12 को वापस लिया जाये। कारखाना अधिनियम संशोधन वापस किया जाय। उन्होने कहा न्यूनतम मजदूरी बोर्ड का गठन मजदूरों को सहूलियत देने का काम किया जाये। कहा कि रोजगार सृजन के लिये प्रदेश की भाजपा सरकार कोई ठोस कदम नही उठा रही है। ऐसी सरकार को जनता उखाड़ फेकने के लिये तैयार है। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी चौधरी ने कहा कि ठोस नियम कानून न होने से मजदूरों को सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य की व्यवस्था नही हो रही है। मजदूरों को रोजगार न मिलने पर वह दूसरे प्रदेश पलायन कर रहे है।

युवा संवाद कार्यक्रम में उठा रोजगार का मुद्दा

सोनभद्र। अगस्त क्रांति के मौके पर रासपहरी पंचायत भवन में आयोजित युवा संवाद में प्रस्ताव पारित कर सुपर रिच की संपत्ति पर समुचित टैक्स, शिक्षा स्वास्थ्य व रोजगार की गारंटी, देश में खाली एक करोड़ पदों पर तत्काल भर्ती और हर व्यक्ति के सम्मान जनक जिंदगी सुनिश्चित करने के सवैधानिक दायित्व जैसे सवालों को हल करने की मांग केंद्र सरकार से की गई। युवा मंच एवं अन्य सहयोगी संगठनों की ओर से देशव्यापी स्तर पर संचालित रोजगार अधिकार अभियान के तहत आयोजित युवा संवाद में वक्ताओं ने कहा कि बेरोज़गारी की समस्या हल करना संभव है बशर्ते आर्थिक नीतियों में बदलाव किया जाए। युवा संवाद में शामिल छात्राओं ने जनपद में न्यूनतम दो आवासीय महिला महाविद्यालय खोले जाने का मुद्दा उठाया।

तुलसी जयंती व सम्मान समारोह 11 अगस्त को

सोनभद्र। कविकुल शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास जयंती व सम्मान समारोह का आयोजन 11अगस्त दिन रविवार को जनपद मुख्यालय स्थित नगर पालिका परिषद के सभागार में होगा। संयोजक वरिष्ठ गीतकार जगदीश पंथी ने बताया कि राष्ट्रीय संचेतना समिति सोनभद्र व विचार मंच सोनभद्र के तत्वावधान में 11 अगस्त दिन रविवार को जनपद मुख्यालय स्थित नगर पालिका परिषद के सभागार में कविकुल शिरोमणि गोस्वामी तुलसी जयंती व सम्मान समारोह का आयोजन होगा।

मोहम्मद यूनुस
व्यापक चुनौती

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल ली है। उनके सामने देश में कानून-व्यवस्था ठीक कर शांति बहाली की व्यापक चुनौती है। तुलनात्मक रूप से युवा राष्ट्र बांग्लादेश एक बार फिर अस्थिरता का सामना कर रहा है। अशांति के नए अध्याय की शुरुआत शेख हसीना का तख्तापलट और बाद में नोबेल पुरस्कार विजेता के सत्ता संभालने से हुई है। मोहम्मद यूनुस के सत्ता संभालने के समय देश भय और अनिश्चितता का शिकार है जिसके चलते सैकड़ों नागरिक भारत में शरण चाहते हैं। हालिया महीनों में राजनीतिक हिंसा, विरोध प्रदर्शनों और विरोधियों पर लगाम लगाने के कारण बांग्लादेश में एक अस्थिर परिवेश पैदा हुआ जिससे शेख हसीना का तख्तापलट हुआ तथा ढाका की सड़कों पर अस्थिरता व्याप्त है। 'माइक्रोफाइनेंस' पर अपने काम तथा 'ग्रामीण बैंक' के संस्थापक के रूप में विश्व स्तर पर सम्मानित मोहम्मद यूनुस द्वारा सत्ता पर कब्जे की घोषणा एक नाटकीय परिवर्तन के रूप में सामने आई है। मोहम्मद यूनुस लंबे समय से हसीना सरकार की नीतियों के आलोचक रहे हैं और हालिया वर्षों में उनको अनेक राजनीतिक और विधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

देश में राजनीतिक उथलपुथल से जनता व खासकर अल्पसंख्यकों में भय का वातावरण पैदा हो गया है। खबरों से संकेत मिलता है कि अपनी सुरक्षा के लिए चिन्तित सैकड़ों बांग्लादेशी सीमा पर कर भारत आने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे में मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश का राजनीतिक परिदृश्य अनिश्चितता से भरा है। मोहम्मद यूनुस राजनीतिक

सुधार व पारदर्शिता के पैरोकार रहे हैं। उनका नेतृत्व भ्रष्टाचार-विरोधी उपायों तथा लोकतांत्रिक व्यवहारों पर ध्यान दे कर सुशासन का नया युग ला सकता है। लेकिन इन परिवर्तनों को अत्यधिक विभाजित राजनीतिक व्यवस्था में लागू करना बहुत बड़ी चुनौती होगा। इसके साथ ही बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार के कारण बहुत दबाव में है। आर्थिक विकास और माइक्रोफाइनेंस में मोहम्मद यूनुस की विशेषज्ञता अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने, उद्यमिता को प्रोत्साहन देने तथा रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जहां कुछ लोग उनको 'उद्धारक' के रूप में देख सकते हैं, वहीं दूसरे उनको बिना राजनीतिक अनुभव वाला 'बाहरी' समझ सकते हैं। ऐसे में विश्वास तथा व्यापक समर्थन प्राप्त करना उनके प्रशासन की सफलता के लिए जरूरी होगा। लेकिन उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती शांति तथा कानून-व्यवस्था की बहाली होगा। परिवर्तन के इस समय में कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना सबसे ज्यादा जरूरी है। मोहम्मद यूनुस को सेना तथा कानून लागू करने वाली एजेंसियों की सहायता लेनी होगी ताकि स्थायित्व ला कर हिंसा पर लगाम लगाई जाए। मोहम्मद यूनुस के शिखर पर पहुंचने के साथ बांग्लादेश एक नए राजनीतिक युग में प्रवेश कर रहा है, लेकिन उसका भावी रास्ता अनिश्चित है। उनकी तत्कालीन प्राथमिकता जनता का भय दूर करना तथा खासकर अल्पसंख्यकों में सुरक्षा की भावना बहाल करना होगा। लेकिन इन सारी चीजों के साथ चुनावों की घोषणा तक सेना का वर्चस्व बना रहेगा और अंतरिम सरकार के भविष्य के बारे में भी कुछ नहीं कहा जा सकता है। आने वाले दिन यह निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे कि क्या मोहम्मद यूनुस का नेतृत्व देश को स्थिरता और समृद्धि की ओर ले जा सकता है अथवा क्या बांग्लादेश और अधिक अराजकता व अस्थिरता का शिकार बन जाएगा।

बांग्लादेश में राजनीतिक उथलपुथल

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के समक्ष कानून-व्यवस्था बहाल करने, स्वतंत्र एवं स्वच्छ चुनाव कराने, भ्रष्टाचार से संघर्ष करने तथा जनता का विश्वास प्राप्त करने की चुनौती है।

के. एस. तोमर
(लेखक, राजनीति विश्लेषक हैं)

ब्रिटिश मनोविज्ञानी सियेला एलिजाबेथ ग्रीन के अनुसार, 'तानाशाही में एक व्यक्ति का आदेश लागू होता है, विशिष्ट तंत्र में कुछ लोगों के आदेश लागू होते हैं, जबकि लोकतंत्र में किसी के आदेश नहीं लागू होते हैं।' यह बात बांग्लादेश की सत्ताच्युत प्रधानमंत्री शेख हसीना के मामले में पूरी तरह लागू होती है जिन्होंने अपने पतन के स्पष्ट संकेत पहचानने से इनकार कर दिया था। षडयंत्र की बात की जा रही है जिससे पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।

इस षडयंत्र में अमेरिका की खुफिया एजेंसी सीआईए, पाकिस्तानी आईएसआई तथा चीन शामिल थे जो पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व में सरकार बनाना चाहते थे क्योंकि इससे उनको भविष्य में सत्ता तक पहुंचने का अवसर मिलता। एक और दृष्टिकोण के अनुसार चीन और पाकिस्तान ढाका में भारत-विरोधी सरकार बनाना चाहते थे ताकि दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय संतुलन बदला जा सके। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बाहर करने के प्रयासों के बारे में अनेक अनुमान और आरोप लगाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का तर्क है कि अमेरिका मानवाधिकारों, लोकतांत्रिक व्यवहारों तथा क्षेत्रीय सुरक्षा स्थितियों के प्रति चिन्ता के कारण ढाका में ज्यादा समर्थक सरकार चाहता था। आलोचकों का कहना है कि दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए 'अमेरिकन हित' ऐसे षडयंत्र में शामिल हो सकते हैं।

लेकिन शेख हसीना के खिलाफ षडयंत्र में अमेरिकन संलिप्तता के कोई ठोस प्रमाण नहीं हैं। आधिकारिक रूप से अमेरिका सरकार ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को प्रोत्साहन देते हुए स्वतंत्र चुनावों की बात कही है। सार्वजनिक रूप से अमेरिकन अधिकारियों ने हसीना सरकार के नेतृत्व में राजनीतिक दमन तथा चुनाव प्रक्रियाओं की स्वच्छता की बात कही है, पर उन्होंने किसी सरकार परिवर्तन का कभी समर्थन नहीं किया है। शेख हसीना के प्रशासन ने इन आरोपों का लाभ राष्ट्रवादी भावनायें उभारने तथा अपनी सत्ता मजबूत करने के लिए उठाया और स्वयं को विदेशी हस्तक्षेप के खिलाफ मजबूत शक्ति के रूप में प्रदर्शित किया। इस विमर्श को अनेक बांग्लादेशियों ने स्वीकार कर राष्ट्रीय संप्रभुता के खिलाफ बाहरी खतरों की भावना को बढ़ावा दिया। जहां शेख हसीना की सरकार गिराने के षडयंत्रों में अमेरिका की प्रत्यक्ष सहभागिता के दावे अनुमानों पर आधारित रहे और इनकी कोई पुष्टि नहीं हुई। लेकिन घरेलू नीतियों तथा बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय संबंधों से एक जटिल स्थिति जरूर पैदा हुई।

हसीना के नाटकीय पतन ने शायद उनको छोड़ कर बहुत से लोगों को आश्चर्यचकित नहीं किया। उन्होंने जनता में बढ़ती निराशा तथा निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा किए जा रहे षडयंत्रों को अनदेखा किया जो दक्षिण एशिया में अपना प्रभुत्व जमाने तथा भारत को नीचा दिखाने का प्रयास कर रहे थे। जनवरी, 2024 के चुनाव में 300 में से 288 सीटों पर विजय, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियों तथा विरोध के दमन से हसीना की विश्वसनीयता को भारी धक्का पहुंचा था। इसका परिणाम व्यापक विद्रोह तथा अंतत: उनके खिलाफ तख्तापलट के रूप में सामने आया। शेख हसीना लोकतंत्र-समर्थक नेता थीं जिन्होंने अपने स्वर्गीय पिता शेख मुजीबुर रहमान और उनके परिवार का बांग्लादेश में बलिदान देखा।

लेकिन अब सत्ता गंवाने के बाद उन्होंने देश को कट्टरपंथियों, भारत-विरोधी तथा चीन-समर्थक तत्वों के प्रभुत्व वाली संभावित सरकार के लिए छोड़ दिया है। इस प्रकार संभवत: अब बांग्लादेश भविष्य में दो शक्तियों के बीच परेशानियों से घिरा देश बन जाएगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अनेक चुनौतियों का सामना करना होगा। अंतरिम सरकार को राजनीतिक स्थायित्व बहाल करने के लिए तटस्थ आधार तैयार कर सभी राजनीतिक समूहों से संवाद कर शांतिपूर्ण व लोकतांत्रिक हस्तांतरण सुनिश्चित करना होगा। आगामी चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से सुनिश्चित करने के साथ ही उसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास बहाल करना होगा।

अंतरिम सरकार को न्यायोचित ढंग से भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान चला कर हाईप्रोफाइल राजनेताओं और बिजनेसमैनों पर निशाना लगाना होगा। उसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विरोध प्रदर्शनों और नागरिकों में अशांति से सावधानी से निपटना होगा। इसके साथ ही उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा बल संयम से काम करें तथा मानवाधिकार उल्लंघनों से बचें। उसे व्यवस्था और मानवाधिकारों के सम्मान के बीच संतुलन बनाए रखते हुए तानाशाही से बचना होगा। जनता का विश्वास प्राप्त करने के लिए पारदर्शिता, प्रभावी संवाद तथा समावेशी नीतियां जरूरी होंगी। अंतरराष्ट्रीय संगठनों, दानदाता देशों तथा क्षेत्रीय शक्तियों से लगातार समर्थन तथा निवेश प्राप्त करना भी सरकार के लिए जरूरी होगा। पिछले 13 महीनों से बांग्लादेश में जारी राजनीतिक उथलपुथल के कारण नागरिक बहुत परेशान हैं और वे भावनात्मक रूप से उत्तेजित हैं। विशेषज्ञ हिंसक भावनाओं के उभार को राष्ट्र की 'पहचान' पर पैदा टकराव का परिणाम मानते हैं। देश के बचे रहने के लिए इस टकराव का सफल प्रबंधन व इसे संबोधित करना जरूरी है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शेख हसीना बांग्लादेश में एक सेक्युलर व सुधारवादी शक्ति थीं।

उनकी सरकार ने सुरक्षा के साथ आर्थिक प्रगति सुनिश्चित कर बांग्लादेश को एक सबसे तेज प्रगति करने वाले विकासशील देश में बदल दिया था। इसके बावजूद उनके नेतृत्व पर चुनाव में धोखाधड़ी, विपक्ष के दमन तथा मानवाधिकार उल्लंघनों का आरोप था जिसके कारण जनता में निराशा थी। अभूतपूर्व हिंसा तथा सड़कों पर प्रदर्शनों के कारण संकट अपने शिखर पर पहुंचा। आरोप है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जमाते इस्लामी बांग्लादेश की छात्र शाखा तथा खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी-बीएपी व चीनी खुफिया नेटवर्कों की संक्रिय सहभागिता इस संकट को बढ़ाने में शामिल थी।

इस उथलपुथल के बीच नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को सैनिक नेताओं तथा अन्य पक्षों ने परस्पर विचार-विमर्श के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख चुना है। विशेषज्ञों तथा प्रमुख पूर्व राजनयिकों का मानना है कि वर्तमान उथलपुथल हसीना के खिलाफ जनता के गुस्से का उत्पाद थी जो भारत की सहायता से देश छोड़ कर भाग गईं। अब वे यूरोप में राजनीतिक शरण चाहती हैं और ब्रिटेन उनका संभावित ठिकाना है, लेकिन इस बारे में कुछ भी निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता है। बांग्लादेश में 2024 में शेख हसीना के पतन तथा 2022 में श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के खिलाफ तख्तापलट में अनेक समानतायें हैं। दोनों घटनाओं में राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक आयाम शामिल हैं। शेख हसीना की आलोचना विरोध को कुचलने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को नुकसान पहुंचाने के लिए हुई। इसी प्रकार गोटाबाया राजपक्षे के प्रशासन पर भी तानाशाही और भाई-भतीजावाद के आरोप लगे थे। दोनों देश आर्थिक संकट, भयानक महंगाई और बेरोजगारी का सामना कर रहे थे जिससे जनता में व्यापक निराशा थी और वह सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रही थी। बांग्लादेश पर कर्ज बढ़ रहा था और वह विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन में कठिनाई का अनुभव कर रहा था, इसी प्रकार श्रीलंका को विदेशी मुद्रा की कमी तथा भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा था जिससे जनता में भारी गुस्सा पैदा हो गया था।

शेख हसीना सरकार का तख्तापलट होने से भारत को अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इससे एक खाली स्थान पैदा हो गया है जिसे ऐसे तत्व भर सकते हैं जो भारत के लिए कम मैत्रीपूर्ण हों। इससे भारत-विरोधी भावनायें भड़क सकती हैं जिससे द्विपक्षीय संबंध प्रभावित हो सकते हैं। राजनीतिक परिवर्तनों से सहयोग व सीमा प्रबंधन, अवैध आप्रवास में संभावित वृद्धि, मानव व्यापार तथा आतंकवाद में वृद्धि हो सकती है। बांग्लादेश के नए नेतृत्व का चीन की ओर झुकाव हो सकता है जिससे बांग्लादेश में चीन की बढ़ती उपस्थिति चिन्ता का कारण बन सकती है।

भारत को इन चुनौतियों से निपटने के साथ ही फिलहाल देखो और प्रतीक्षा करो की नीति पर चलना होगा। बांग्लादेश को अपने समक्ष आई चुनौतियों का सामना करने के लिए तात्कालिक स्थिरीकरण उपायों तथा दीर्घकालीन लोकतांत्रिक सुशासन के बीच समुचित संतुलन बनाना होगा। अंतरिम सरकार की सफलता इन मुद्दों के समुचित प्रबंधन पर निर्भर करेगी जो बांग्लादेश को स्थायित्व देने के दृष्टिकोण से सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

शेख हसीना के निष्कासन से भारत को झटका

मौजूदा अंतरिम सरकार के सहयोगी ऐसे हैं जिनमें चरमपंथी तत्व घुसे हुए हैं, जिनके साथ भारत को अतीत में कड़वे अनुभव रहे हैं।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के साथ ही भारत के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। भारत के पहले से ही संकटग्रस्त पड़ोस में अब तीन देश सशस्त्र बलों की मजबूत पकड़ में हैं। पाकिस्तान, म्यांमार और अब बांग्लादेश, अब सेना द्वारा शासित तिकड़ी हैं, जो चीन के बहुत करीब जाने की फिसलन भरी ढलान पर हैं। इन दोनों में से, बांग्लादेश ही भारत की पड़ोस पहले नीति का मुकुट रत्न रहा है, जहाँ पिछले डेढ़ दशक से स्पष्ट रूप से भारत समर्थक सरकार रही है। पाकिस्तान चीन का छद्म राज्य रहा है जो भारतीय हितों के खिलाफ काम कर रहा है, जबकि म्यांमार भी सेना के शासन के कारण चीन के करीब चला गया है। इस बीच, मालदीव में एक चीन समर्थक (पढ़ें भारत विरोधी) नेता, नेपाल में एक बहुत ज्यादा दिल्ली-अनुकूल शासन, हाल के इतिहास में भारतीय कूटनीति को अपनी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में पेश करता है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपनी तानाशाही शासन शैली के बावजूद भारत में द्विदलीय समर्थन प्राप्त था। उन्होंने नरेंद्र मोदी और भारत में विपक्षी नेताओं के साथ अपने संबंधों का इस्तेमाल भारत के हितों के खिलाफ बांग्लादेशी धरती पर सक्रिय चरमपंथी ताकतों पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए किया।

यह कोई संयोग नहीं है कि पूर्व प्रधानमंत्री हसीना एक साल में तीन बार नई दिल्ली आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने में उनके प्रयासों की सराहना की, जब वह केंद्र में नई सरकार के तहत पहली बार राजकीय यात्रा पर आईं। शेख हसीना के डेढ़ दशक के शासन के दौरान भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंध लगातार मजबूत होते गए, जिसमें भारत द्वारा महत्वपूर्ण दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का संचालन किया गया और दोनों पड़ोसियों के बीच नए पारगमन और व्यापार गलियारों में वृद्धि हुई। भारत बांग्लादेश के साथ लगभग 4000 किलोमीटर लंबी भूमि सीमा साझा करता है, जो इसके पांच राज्यों को पड़ोसी के साथ अद्वितीय निकटता प्रदान करता है। यह भूमि सीमा, दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी भूमि सीमा है, जो सौहार्दपूर्ण समय के दौरान माल और लोगों की आवाजाही के लिए एक छिद्रपूर्ण नाली के रूप में कार्य करती है, क्योंकि सरकारें एक-दूसरे के हितों को ध्यान में रखते हुए कड़ी निगरानी रखती हैं। यह शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया था, जब हसीना भारत के साथ 'बहुत करीब' थीं और अपने देश के हितों के खिलाफ काम कर रही थीं। बांग्लादेश में एक पिंजरे में बंद विपक्ष ने चीन और पाकिस्तान की सीमा पार से तस्करी और आतंकवाद लगभग समाप्त हो गया था। इसने भारतीय राजनयिकों के लिए एक बहुत ही आरामदायक स्थिति बनाई है, क्योंकि उन्होंने भारतीय हितों को ध्यान में रखने के लिए एक मैत्रीपूर्ण शासन पर भरोसा किया है। हालाँकि, शेख हसीना के चले जाने और बांग्लादेश के राजनीतिक क्षेत्र में उनके कभी वापस न आने की संभावना के साथ, चीजें बदलने वाली हैं। भारत ने स्थानीय बांग्लादेशी राजनीति में अपने लिए द्विदलीय समर्थन नहीं बनाया है।

इसने शेख हसीना की सरकार के साथ सहज रहना चुना है और बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी दल के प्रस्तावों को बेपरवाही से निपटाया है। डर यह था कि बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी के प्रति किसी भी तरह का लगाव शेख हसीना को पसंद न आए। इसलिए एक सार्वजनिक कूटनीति कथा सामने आई, कि शेख हसीना को खुफिया एजेंसी से बाहरी समर्थन हासिल करने में कामयाबी हासिल की, दोनों की ही इस क्षेत्र के भू-राजनीतिक मामलों में भारत को लगातार तनाव में रखने में बहुत बड़ी दिलचस्पी है। बांग्लादेश में जमीनी हालात फिलहाल भारत के खिलाफ हैं।

मौजूदा अंतरिम सरकार के सहयोगी ऐसे हैं जिनमें चरमपंथी तत्व घुसे हुए हैं, जिनके साथ भारत को अतीत में कड़वे अनुभव रहे हैं। विरोध प्रदर्शनों की प्रकृति और उसके बाद शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने से यह सुनिश्चित हो गया कि भारत समर्थक होने सहित उनकी कोई भी नीति बांग्लादेशी नागरिकों को पसंद नहीं आएगी।

शेख हसीना विरोधी भावना को आसानी से भारत विरोधी भावना में बदला जा सकता है, जो लंबे समय से चले आ रहे गहरे द्विपक्षीय संबंधों के लिए हानिकारक होगा। बांग्लादेश में नए नेताओं को काम पर लगाना और पूर्वी पड़ोसी के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगी बने रहना भारत के लिए एक चुनौती होगी।

आप की बात

मोहम्मद यूनुस से उम्मीद

मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया का पद संभाल लिया। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन के बाद आशा है कि वहां पर शीघ्र ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। मोहम्मद यनुस ने अपने बयान में साफ किया है कि वह भारत से रिश्ते सामान्य बनाए रखने को प्राथमिकता देंगे। उनके इस बयान से दोनों देशों के बीच आशंकाएं खत्म होने की उम्मीद की जा सकती है। मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं की पूरी सुरक्षा के लिए भी शीघ्र कदम उठाने चाहिए। बांग्लादेश की स्थिति सामान्य होते ही चुनाव करवा कर चुनी हुई सरकार के हाथों में सत्ता सौंपी जानी चाहिए। 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस से सबको बहुत उम्मीदें हैं, लेकिन देखना होगा कि वे वास्तव में कितने प्रभावशाली हो पाएंगे। शेख हसीना की मुख्य विरोधी बेगम जिया की पार्टी बीएनपी ने भारत को धमकी दे डाली है कि वह शेख हसीना को संरक्षण न दे। देखना होगा कि अंतरिम सरकार पर सेना, बीएनपी, चीन-समर्थक तत्वों तथा पाकिस्तान-समर्थक तत्वों का कितना प्रभाव रहता है। ऐसे में यह आशंका है कि कहीं मोहम्मद यूनुस केवल मुखौटा तो नहीं हैं और देखना होगा कि राजनीतिक उथलपुथल में यह मुखौटा भी कब तक बना रहता है।
-सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

योगी आदित्यनाथ का आह्वान

योगी आदित्यनाथ ने हिन्दुओं से आह्वान किया कि वे आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट हो जाए। योगी आदित्यनाथ का यह आह्वान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे गोरखनाथ मठ के महंत होने के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी हैं। पिछले कुछ समय से भारत के पड़ोसी देशों में भारतीयों विशेषकर हिन्दुओं पर अत्याचार बढ़े हैं। पाकिस्तान में मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के अनुसार हर महीने 20-25 हिंदू लड़कियों का अपहरण कर उनका जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाता है। वहां 1947 से अब तक सैकड़ों हिन्दू मंदिर नष्ट किये जा चुके हैं। हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थलों में से एक हिंगलाज माता मंदिर भी चरमपंथियों के निशाने पर रहा है। जब 1947 में पाकिस्तान का निर्माण हुआ था तब वहाँ हिंदुओं की आबादी लगभग 15 प्रतिशत थी जो1998 तक 1.6 प्रतिशत रह गयी। यही हाल अफ़ग़ानिस्तान का भी है। तालिबानी शासन आने के बाद से वहाँ मुश्किल से 1000 हिंदू परिवार ही बचे हैं। बांग्लादेश में शेख़ हसीना के तख्तापलट के बाद हिन्दुओं को चुन-चुन कर मारा जा रहा है और मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। विडंबना है कि बांग्लादेश की हालिया घटनाओं से मोदी को डराने का प्रयास करने वाले विपक्षी हिंदुओं की हत्याओं पर मौन हैं।
- पुनीत कुमार, मेरठ

वक्फ कानून में संशोधन

सरकार द्वारा संसद में पेश वक्फ संशोधन विधेयक का समर्थन और विरोध हो रहा है। हालांकि, वक्फ का इतिहास बहुत पुराना है, पर देश की आजादी के बाद से यह कुछ अमीर व भूतपूर्व जमींदार मुसलमानों की जमीन-जायदाद बचाने का माध्यम बन गया है। जहां जमींदारी उन्मूलन कानून से हिंदुओं की जमींदारियां उनके आसामियों या छोटे किसानों में बांट दी गई थीं, वहीं मुस्लिम जमींदारों ने वक्फ का सहारा लेकर अपना वर्चस्व बनाए रखा। कांग्रेस सरकार ने 1995 व 2013 में वक्फ को असीमित अधिकार दे कर कई मामलों में उनको उच्च न्यायालयों और सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र से भी बाहर कर दिया। इसके कारण आज अनेक वक्फ संपत्तियों पर भू-माफिया का कब्जा है और उनको गरीब मुसलमानों के कल्याण के बजाय निहित स्वार्थों के चलते परोक्ष रूप से हस्तांतरित किया जा रहा है। अनेक इस्लामी देशों ने भी वक्फ संपत्तियों का राष्ट्रीयकरण किया है या वक्फ बोर्डों की शक्तियां बहुत सीमित की हैं। लेकिन विडंबना है कि भारत में इसे मुस्लिमों की धार्मिक भावनाओं से जोड़ कर कुछ राजनीतिक दल अपने मुस्लिम वोटबैंक को बचाने का माध्यम बना रहे हैं। इससे देश और मुसलमानों का भला नहीं होगा।
- महेश नेनावा, इंदौर

बांग्लादेश में हिंसा

हसीना सरकार के तख्तापलट और बांग्लादेश में भारी हिंसा के बाद भारत की सीमा पर सैकड़ों उत्पीड़ित बांग्लादेशी हिंदू भारत में शरण लेने के लिए एकत्र हो रहे हैं। हालांकि, अंतरिम सरकार के गठन से कुछ उम्मीदें जगी हैं, पर देखना होगा कि इस सरकार की बागडोर कौन संभाल रहा है और उसके पीछे किसका सपोर्ट है। आशंका है कि चीन-पाकिस्तान बांग्लादेश में आई इस आपदा में अपने लिए अवसर खोज रहे हैं। पाकिस्तान और चीन ऐसी मुखौटा सरकार का गठन बांग्लादेश में करना चाहते हैं जो उनके इशारे पर नाचे तथा बांग्लादेश की जनता को भारत के खिलाफ भड़काने का काम करे। ये देश भारत के खिलाफ बांग्लादेश की सत्ता, जनता और जमीन को खड़ा करना चाहते हैं। तख्तापलट के बाद भी वहां अनेक हिंदुओं के साथ ही अवामी लीग नेताओं और सांसदों की हत्या की गई है। हिंदू मंदिरों और हिंदू बस्तियों में जमकर विध्वंस किया जा रहा है। यह एक सोची समझी साजिश है। भारत सरकार को बॉर्डर पर सख्ती और निगरानी बढ़ाने के साथ ही वहां उत्पीड़ित हिंदुओं को राहत दिलाने के प्रयास करने चाहिए।
- विभूति बुपक्या, खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता। अमेठी

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का आज जनपद में भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्य कार्यक्रम जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर गौरीगंज में आयोजित किया गया। जिसमें राज्य मंत्री संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह , विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह व मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल ने दीप प्रज्वलित कर तथा महात्मा गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर लखनऊ के काकोरी में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया, जिसे उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा जन सामान्य ने देखा एवं सुना। इस अवसर पर पुलिस द्वारा देशभक्ति गीतों पर आधारित बैंड वादन किया गया। इस अवसर पर राज्य मंत्री ने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित अनेक ऐतिहासिक घटनाओं में काकोरी की घटना अत्यंत महत्वपूर्ण है आज ही के दिन 9 अगस्त 1925 को काकोरी में अंग्रेजों का खजाना क्रांतिकारियों ने लूट लिया था इस पूरे प्रकरण में चार लोगों क्रमश: पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह, अशफाक उल्ला खां और राजेंद्र नाथ लाहिड़ी को फांसी की सजा हुई करीब 16 अन्य लोगों को भी सजाएं हुई। इसके बाद पूरे देश में क्रांतिकारी गतिविधियां बढ़ने लगी। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में काकोरी कांड बहुत ही महत्वपूर्ण घटना थी।

राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत को मजबूती दिलाने में हम सब अपना अपना योगदान दें, प्रधानमंत्री का 2047 तक भारतवर्ष को एक मजबूत राष्ट्र बनाने का सपना है आज भारत एक विकसित राष्ट्र के रूप में उभर रहा है इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में विधायक गौरीगंज ने संबोधित करते हुए कहा कि आज शहीद हुए लोगों की आत्मा को शांति मिल रही होगी कि उनके द्वारा किए गए कार्यों का सम्मान उनकी पीढ़ी को मिल रहा है। इस अवसर पर उन्होंने 8 अगस्त को जिला अस्पताल में आयोजित हुए रक्तदान शिविर में जिन लोगों ने रक्तदान किया उनके प्रति आभार व्यक्त किया एवं कहा की रक्तदान महादान है इससे किसी का जीवन बचाया जा सकता है।

इसके उपरांत राज्य मंत्री व विधायक गौरीगंज ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालय की छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों, भाषण तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी दी गई।

दहावर कला बांध पर डीएम ने की पेट्रोलिंग

श्रावस्ती, इकौना। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने विकास खण्ड इकौना के अन्तर्गत दहावर कलां में बने बांध पर पहुंचकर पेट्रोलिंग कर जायजा लिया इस दौरान जिलाधिकारी ने देखा कि दहावर कला में अपरन बोल्डर स्लोप पिचिंग और ब्रिक रोरा कटर का कार्य प्रगति पर है। उन्होने सम्बन्धित अभियन्ता को निर्देश दिया कि बांध पर गुणवन्तापूर्ण ढंग से समयान्तर्गत युद्धस्तर पर कार्य कराकर पूर्ण किया जाए। जिससे जल स्तर बढने से होने वाली समस्याओं से निजात मिल सके। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से मिलकर उनका कुशलक्षेम भी जाना तथा सड़क आदि के सम्बन्ध में उनकी समस्याएं भी सुनी।

देश के अमर शहीदों का त्याग व बलिदान हमेशा रहेगा याद: प्रभारी मंत्री

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर के कुशल मार्गदर्शन में 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' के शुभारम्भ कार्यक्रम का भव्य आयोजन जनपद के विकास भवन परिसर स्थित डीपीआरसी हाल में किया गया। राज्यमंत्री ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम विकास, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग शासन एवं प्रभारी मंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी गौतम द्वारा 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' कार्यक्रम का दीप प्रज्जवलित कर एवं काकोरी काण्ड के वीर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भव्य शुभारम्भ किया गया।

शुभारम्भ अवसर पर विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, भाजपा अध्यक्ष जगदम्बा लाल श्रीवास्तव, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा काकोरी काण्ड के अमर क्रान्तिकारियों के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी मंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी गौतम ने भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं, सम्भ्रान्त व्यक्तियों, छात्र/छात्राओं व अधिकारी/कर्मचारी गणों को बधाई एवं धन्यवाद देते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रेरणा से 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' का आज शुभारम्भ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज के ही दिन 09 अगस्त 1925 को स्वतंत्रता संग्राम के दौरान धन का अभाव के कारण हमारे वीर क्रान्तिकारियों ने काकोरी के पास अंग्रेजो द्वारा ले जाया जा रहा खजाना लूट लिया गया था। जिससे नाराज होकर अंग्रेजी शासन ने हमारे वीर सपूतों को फाँसी की सजा दी थी। काकोरी काण्ड अंग्रेजों के अत्याचार से तबाही का मुहँ तोड़ जवाब था। उन्होंने समारोह में उपस्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार जनो से रूबरू होते हुए कहा कि हम सब सौभाग्यशाली है कि हमे आप सबको सम्मान देने का अवसर मिल रहा है।

सीएमओ ने की एनडीडी तथा एमडीए अभियान को सफल बनाने की अपील

संतकबीरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के अध्यक्षता में राष्ट्रीय फाइलेरिया अभियान एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस को लेकर मीडिया कार्यशाला का आयोजन लक्ष्मी होटल में किया गया। 10 अगस्त से 2 सितंबर तक चलने वाले राष्ट्रीय फाइलेरिया दिवस और 10 अगस्त को जनपद के समस्त सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में और आंगनबाड़ी केंद्रों पर पेट के कीड़ों को मारने की दवा अलेंडाजोल टैबलेट खिलाने का अभियान चलाया जायेगा। इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएमओ डॉ0 आर. पी. मौर्या ने फाइलेरिया से बचाव के लिए डीईसी दवाओं के सेवन करने के लाभ और फाइलेरिया के जर्म्स को फैलने से रोकने के लिए मच्छरों से बचाव, मच्छरदानी का प्रयोग और साफ-सफाई के बारे में जागरूक किया।

नोडल अधिकारी एनडीडी डॉ0 सोहन प्रसाद ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के संबंध में बताया कि 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोर किशोरियों को प्रति वर्ष दो बार पेट के कीड़े मारने की दवा अल्बेंडाजोल टैबलेट खिलाया जाता है, जिससे कृमि उनके पेट में रहकर उनके पोषण को खा कर कुपोषित ना कर सके. एनीमिया मुक्त भारत के तहत सरकार का कृमि मुक्ति अभियान पर विशेष तौर से बल दिया जाता है।

काकोरी ट्रेन एक्शन की वर्षगांठ पर शहीद क्रांतिकारियों को किया याद

संवाददाता। रायबरेली

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मरने वालों का यही बांकी निशां होगा... यह लाइने काकोरी कांड में शहीद हुए क्रांतिकारियों के ऊपर बिल्कुल सटीक बैठती है। देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण घटना काकोरी ट्रेन कांड (एक्शन) के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करने पर पूरा राष्ट्र उनको नम आंखों से याद कर रहा है। आजादी के मतवालों को याद करते हुए शुक्रवार को जिलेभर के परिषदीय विद्यालयों में प्रभातफेरी, पेंटिंग्स, निबंध व भाषण प्रतियोगिता सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। साथ ही एमडीएम में बच्चों को स्पेशल व्यंजन भी दिया गया।

शुक्रवार की सुबह रिमझिम बारिश के बीच में शहर के चक अहमदपुर से प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी को डीआईओएस संजीव सिंह और बीएसए शिवेंद्र प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी और शचींद्रनाथ के नारे लगाते हुए बच्चे अस्पताल चौराहा, हाथी पार्क, अंबेडकर प्रतिमा होते हुए वापस स्काउट भवन में आकर समाप्त हुई।

प्रभातफेरी में पूर्व माध्यमिक विद्यालय, किला बाजार बालिका व बालक, चक अहमदपुर, कम्पोजिट विद्यालय बेलीगंज व पुलिस लाइन्स, आचार्य द्विवेदी इंटर कालेज, राही ब्लॉक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय सरायमुग़ला के स्काउट बच्चों ने पूरे बैंड के साथ में प्रतिभाग किया। बीईओ राही बृजलाल वर्मा ने बच्चों को काकोरी काण्ड की पूरी घटना को पढ़कर सुनाया।

बीएसए शिवेंद्र प्रताप सिंह ने बच्चों को बताया कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारियों द्वारा काकोरी कांड की घटना 9 अगस्त 1925 को हुए ब्रिटिश राज के खिलाफ युद्ध में हथियार खरीदने के लिए एक ट्रेन से ब्रिटिश सरकार के खजाने को लूटने की थी। हिन्दुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के केवल दस सदस्यों ने घटना को अंजाम दिया था।

चेतना पार्क में अधिकारियों ने किया पौधरोपण

गोंडा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में संचालित वनावरण अभियान एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत गोंडा के पर्यावरण चेतना पार्क में ज्वाइंट कमिश्नर फूड देवीपाटन मंडल एसके सिंह, नगर मजिस्ट्रेट विजय शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी कृष्ण गोपाल पांडेय, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी रविंद्र कुमार सिंह व प्रोफेसर/पत्रकार डॉ. ओंकार पाठक ने अपने सहयोगियों के साथ पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए पौध रोपण किया। अधिकारियो ने इस दौरान सभी से अपने घरों के आस पास पौध रोपण करने की अपील भी किया। इस मौके पर एडवोकेट शत्रुघ्न मिश्रा, पीडब्ल्यूडी अभियंता अनिल कुमार यादव, व्यवसाई एसएन सिंह, राजस्व कर्मी व पूर्व सभासद प्रतिनिधि सुरेन्द्र, संतोष कुमार दुबे आदि ने पौध रोपण किया।

काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव पर खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

श्रावस्ती, भिनगा। जिला क्रीड़ा शिव कुमार यादव एवं जिला युवा कल्याण अधिकारी प्रदीप त्रिपाठी ने बताया कि खेल निदेशालय लखनऊ उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार जिला खेल कार्यालय श्रावस्ती एवं जिला युवा कल्याण विभाग श्रावस्ती के सामंजस से काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य पर ज़िला खेल कार्यालय स्पोर्ट्स स्टेडियम श्रावस्ती में ज़िला स्तरीय बालक बालिका का खो खो प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दीपक कुमार जिला पूर्ति अधिकारी एवं भूमि संरक्षण अधिकारी रचित चौहान ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि बालक वर्ग में 10 टीमों ने तथा बालिका वर्ग में 12 टीमों ने प्रतिभाग किया जिसके बालक वर्ग में मुख्यता स्पोर्ट्स स्टेडियम रेड श्रावस्ती बी एस एक्सिलेंट,म ए करियर यू पी एस पटना ए, यू पी एस पटना बी,यू पी एस गोठवा श्री अलखेंद्र इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स स्टेडियम ब्लू खेलों इंडिया कबड्डी श्रावस्ती इस्पाइकर ग्रुप आदि टीमों ने प्रतिभाग किया। वही बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हरिहरपुरानी,स्पोर्ट्स स्टेडियम श्रावस्ती पी एस पटना,यू पी एस गोठवा एम ए कैरियर ब एस ऐक्सिलेंट राजकीय आश्रम पद्धति भयापुरवा शूटर श्रावस्ती खेलो इंडिया कबड्डी आदि टीमों ने प्रतिभा किया। बालिका वर्ग में प्रथम मैच एम ए करियर एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के मध्य हुआ जिसमें कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ने एम ए करियर को 6 2 से पराजित किया ।

भारत से इंग्लैण्ड तक सुनी गई थी काकोरी ट्रेन एक्शन की गूंज

मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष का शुभारंभ

संवाददाता। उरई, जालौन

गुरुवार को राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार नगर विकास, शहरी समग्र विकास नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन राकेश राठौर गुरु ने जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरी शंकर वर्मा, विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, पूर्व विधायक कालपी नरेंद्र सिंह जादौन, जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान, भाजपा जिला अध्यक्षा उर्विजा दीक्षित, नगर पालिका उरई चेयरमैन प्रतिनिधि विजय चौधरी, शिक्षक एमएलसी के प्रतिनिधि, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉक्टर दुर्गेश कुमार के साथ राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में विधिवत कार्यक्रम शुभारम्भ के उपरान्त लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सजीव प्रसारण देखा व सुना गया। राज्यमंत्री नगर विकास, शहरी समग्र विकास नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन राकेश राठौर गुरु ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी वर्ष शुभारम्भ कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन ऐसी घटना थी, जिससे अंग्रेजी सरकार बुरी तरह हिल गयी थी और इसकी गूंज भारत से लेकर इंग्लैण्ड तक सुनी गयी। आज से हम काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं और वर्ष पर्यन्त 9 अगस्त 1925 तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर इस ट्रेन एक्शन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1925 को हुई ट्रेन लूट घटना को काकोरी काण्ड का नाम दिया गया, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा क्रांतिकारियों के सम्मान में काण्ड शब्द हटाकर ''काकोरी ट्रेन एक्शन'' का नाम दिया गया है।

उन्होंने कहा कि आज जो प्रगतिशील और उन्नति की ओर अग्रसर भारत है वह ऐसे ही नहीं बना है, न जाने कितने क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों से इसे सींचा गया है। उन्होंने अग्रेंजी शासन की क्रूरता के बारे में बताया कि काकोरी ट्रेन एक्शन में क्रांतिकारियों द्वारा सरकारी खजाने के रूप में 4684 रुपये की लूट की गयी और अंग्रेजी शासन द्वारा क्रांतिकारियों को पकड़ने एवं सजा दिलाने में ही 10 लाख रूपये से अधिक की धनराशि खर्च कर दी गयी, यह उनकी क्रूर मानसिकता का परिचायक है।

जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन में रामप्रसाद बिस्मिल, ठा. रोशन सिंह, राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, अशफाक उल्ला खाँ जैसे क्रांतिकारियों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। उन्होंने देश एवं राष्ट्र को प्रथम समझा। हमें भावी पीढ़ी को समझाना चाहिए कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके परिजनों का सम्मान करें।

सपा कार्यालय में छात्र नौजवान पीडीए जनजागरूकता अभियान की शुरुआत

रायबरेली। के युवा प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों द्वारा छात्र नौजवान पीडीए जनजागरूकता अभियान चलाने की शुरूआत समाजवादी पार्टी कार्यालय से कार्यक्रम प्रभारी विपिन मिश्रा प्रदेश उपाध्यक्ष यूथ ब्रिगेड की उपस्थिति में हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष इं0 वीरेन्द्र यादव ने कहा कि देश की आजादी में अगस्त क्रांति का महत्वपूर्ण योगदान है समाजवादी नेता अरूणा आसिफ अली, डा0 राम मनोहर लोहिया, जय प्रकाश नारायण, ऊषा मेहता आदि नेताओं ने महात्मा गांधी के करो या मरो के नारे पर संकलित होकर देश की आज़ादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी उन्हीं समाजवादी नेताओं की प्रेरणा से वर्तमान भाजपा सरकार की छात्र विरोधी, युवा विरोधी नीतियों को उजागर करने हेतु जनजागरण किया जा रहा है। उ0प्र0 की भाजपा सकरार में प्रतियोगी परीक्षाओं सहित नीट की भी परीक्षा के पर्चे लीक हो रहे है, महाविद्यालयों में छात्रों की फीस वृद्धि एवं शिक्षा के नाम पर आर्थिक शोषण, छात्र संघ चुनाव बहाली, आदि अनेकों मुद्दों को लेकर युवा संगठन जनपद की सभी विधान सभाओं के प्रत्येक गावों में जाकर जनजागरण का कार्य 10 सितम्बर तक एक महीना किया जायेगा।

एनटीपीसी ऊंचाहार को एक्सीड अवार्ड से किया गया सम्मानित

ऊंचाहार, रायबरेली। एनटीपीसी को महिला एवं बालिका सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए नैगम सामाजिक दायित्व के एक्सीड अवार्ड 2024 से नवाजा गया है। यह प्रतिष्ठित अवार्ड तेलंगाना सरकार के कृषि एवं सहकारिता मंत्री श्री टी. नागेश्वर राव द्वारा हैदराबाद में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया गया। एनटीपीसी ऊंचाहार की प्रबंधक (सीएसआर) स्नेहा त्रिपाठी ने कार्यक्रम में पहुंचकर इस अवार्ड को हासिल किया। इस अवसर पर श्री टी. नागेश्वर राव ने एनटीपीसी ऊंचाहार के सीएसआर विभाग द्वारा महिलाओं के कौशल विकास, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुदृढ़ता की दिशा में किए गए प्रयासों की भूरि-भूरि सराहना की। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी ऊंचाहार ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है। इस अवार्ड ने यह प्रमाणित कर दिया है कि विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी होने के साथ-साथ एनटीपीसी ऊंचाहार अपने सामाजिक सरोकारों के प्रति भी अत्यंत संवेदनशील है। अवार्ड मिलने के उपलक्ष्य में एनटीपीसी ऊंचाहार परियोजना में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख मनदीप सिंह छाबड़ा और अन्य विभागाध्यक्षों ने अवार्ड प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

प्राइवेट स्कूल की गाड़ी 25 फिट गहरी खाई में गिरी, 26 बच्चे घायल

- घटना की जानकारी मिलते ही सीएचसी में लगी अभिभावकों की भीड़
- अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज होने पर चर्चाओं का बाजार गर्म

संवाददाता। कदौरा, जालौन

कदौरा के नगर क्षेत्र में चल रहे डेफोडिल किड्स अकेडमी की क्लूजर गाड़ी सुबह भेंडी और बड़ागांव के बच्चों को लेकर कदौरा आ रही थी जैसे ही गाड़ी बड़ागांव से निकल कर थोड़ी दूर पहुची तो ड्राइवर ने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से नीचे 25 फिट गहरी खाई में पलटी खाकर पलट गई जिससे वहां पर चीख पुकार मच गई।

इस मामले में थाना पुलिस द्वारा अज्ञात स्कूल बस के चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के पीछे क्या मंशा रही होगी यह तो वहीं बता सकेंगे। लेकिन अभिभावकों का कहना था कि जब चालक का नाम व पता स्कूल प्रबंधक जानते थे फिर भी थाना पुलिस ने उसका नाम एफआईआर में नहीं लिखा गया इसके मायने क्या हो सकते हैं यह चर्चा का विषय बना हुआ है।

बच्चों की चीख पुकार सुनकर खेतों पर काम कर रहे कुछ मजदूर व ग्रामीण मौके पर पहुचे उन्होंने बच्चों को बाहर निकाला और पुलिस तथा एम्बुलेंस को फोन किया मौके पर पहुची पुलिस ने भी बच्चों को बाहर निकाला और सभी को सीएचसी पहुचाया सीएचसी में कुल 26 घायल बच्चों को भर्ती करवाया गया तथा गंभीर घायल 8 बच्चों को तुंरन्त मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया जैसे ही घटना की जानकारी उच्च अधिकारियों को हुई तो सभी मेडिकल पहुचे और बच्चों के बेहतर इलाज को सुनिश्चित करते हुए बच्चों के हालचाल भी पूंछा इसके बाद जिस किसी अभिभावक को इस घटना की जानकारी हुई वह घटना स्थल की ओर दौड़ पड़ा तथा बगैर किसी भेद भाव के बच्चों गोद में उठाकर सीएचसी की तरफ दौड़ पड़ा।

बदहवास परिजनो ने अपने अपने बच्चों की जानकारी ली घटना की जानकारी के लिए अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार, सीओ डॉ. देवेन्द्र पचौरी, एआरटीओ राजेश कुमार भी मौके पर पहुंचे राजेश कुमार ने बताया कि गाड़ी डेफोडिल किड्स अकेडमी के नाम से रजिस्टर है तथा फिटनेश 2025 तक है गाड़ी का बीमा नहीं था तथा प्रदूषण भी खत्म हो चुका है।

गाड़ी के पलटते ही ड्राइवर मौके से भाग गया थानाध्यक्ष विजय कुमार पांडेय ने बताया कि लापरवाही से गाड़ी चलाने को लेकर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

मोक्षधाम का निर्माण अधूरा, ठेकेदार ने लगा दिया लोकार्पण का पत्थर

जालौन, उरई। विकास खंड के ग्राम अकोढ़ी दुबे में श्मशानघाट का निर्माण कराया जा रहा है। पांच माह बाद भी श्मशानघाट का निर्माण पूरा न होने के बाद भी ठेकेदार ने लोकार्पण का पत्थर लगवा दिया है। अधूरा निर्माण होने के बाद भी लोकार्पण का पत्थर लगाए जाने को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी पनप रही है। क्षेत्रीय विधायक गौरीशंकर वर्मा द्वारा ग्राम पंचायत अकोढ़ी दुबे में श्मशानघाट को स्वीकृत कराया गया था। लगभग नौ लाख की लागत से बनने वाले श्मशानघाट का पंचायत भवन के पास ठेकेदार ने लगभग पांच माह पूर्व काम शुरू कराया था। लेकिन पांच माह बाद भी श्मशानघाट के निर्माण का काम अधूरा पड़ा है। दीवारों के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है अभी छत बननी और टिन शैड का काम शेष है। इसके साथ ही छपाई का काम भी अधूरा पड़ा है। ग्रामीण रामकुमार बाथम, राजा भईया, पवन कुशवाहा, सुरेंद्र पाल, चंद्रपाल, नितिन बाथम, सुनील कुमार चौधरी, महावीर, जगराम चौधरी आदि ने आरोप लगाते हुए कहा कि काम पूरा न होने के बाद भी ठेकेदार की ओर से कार्यदायी संस्था ने काम पूरा होना दिखाते हुए लोकार्पण का पत्थर लगा दिया गया है। श्मशानघाट का काम अधूरा होने के कारण ग्रामीणों को बारिश में अंतिम संस्कार के समय परेशान होने का डर सता रहा है। ग्रामीणों को आशंका यह भी है कि लोकार्पण में काम पूरा दिखाकर कहीं काम बंद न कर दिया जाए। ऐसे में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग करते हुए कहा कि श्मशानघाट के खड़े हो चुके पिलर पर छत व टिन शैड डलवाई जाए और श्मशानघाट के काम को जनहित में प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूर्ण कराया जाए।

नियमों को धता बता धड़ल्ले से चल रहे सवारी वाहन, बैठाते हैं क्षमता से अधिक सवारियां

संवाददाता। कालपी, जालौन

हाईवे तथा विभिन्न रूटों पर चल रहे सवारी वाहनों के प्रति प्रशासन गम्भीर नही है जबकि उनमें मानकों को दरकिनार कर सवारियां ढोई जा रही है जिससे कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है पर जिम्मेदारों को इसी का इंतजार है।

मालूम हो कि नगर से उरई, कदौरा, भोगनीपुर, न्यामतपुर के साथ अन्य ग्रामीण इलाकों के लिए बड़ी संख्या में तिपहिया, चार पहिया एवं आटो एवं अन्य प्रकार के छोटे बड़े वाहन संचालित होते हैं जिसमें दो सवारियों की अनुमति वाले आटो में 15 तो तिपहिया वाहन में भी 6 की जगह 16 तो अन्य वाहनों में भी संचालक नियम और मानकों को दरकिनार कर सवारियां ढोते है। इतना ही नही है बल्कि कुछ किलोमीटर परमिट वाले यह वाहन निर्धारित से कई गुना दूरी तय करते हैं और गैर जनपदों तक चले जाते हैं और ऐसा नही है कि यह सब कुछ छिप कर हो रहा हो बल्कि सब कुछ खुलेआम हो रहा है जिसकी हकीकत हाईवे के साथ अन्य रूटों पर देखी जा सकती है लेकिन परिवहन और पुलिस विभाग के जिम्मेदार यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनो के प्रति गम्भीर नही है जिससे ऐसे वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। नगर निवासी संदीप, विशाल पोरवाल, राजू पाठक, हरिश्चन्द्र दीक्षित हरमोहन सिंह, आदि समाजसेवियों के मुताबिक यातायात नियमों की अनदेखी कर चल रहे यह वाहन कभी भी हादसे का कारण बन सकते हैं। इस संबंध में जब एआरटीओ विनय पाण्डेय से बात करने का प्रयास किया गया तो उनका फोन नही उठा है।

कदौरा हादसे के बाद सक्रिय हुआ परिवहन विभाग

कालपी। शुक्रवार को कदौरा स्थित एक निजी विद्यालय का वाहन क्षेत्र में बड़ागांव के पास पलट गया था जिसमे कई छात्र घायल हो गए थे। इस हादसे के बाद परिवहन विभाग सक्रिय हो गया था और नगर क्षेत्र में संचालित हो रहे कई विद्यालयों के वाहनों की जांच की थी इस दौरान विभाग ने अवैध रूप से छात्रों को लेकर जा रही एक मारूती ईको गाड़ी के खिलाफ कार्रवाई की है।

सहकारिता मंत्री ने किया काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह का शुभारंभ

- जिलेभर में हुआ काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रित सम्मानित
- जिलेभर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की हुई लाइव स्ट्रीमिंग
- स्कूली बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति कार्यक्रम, काकोरी ट्रेन एक्शन का हुआ मंचन

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

जिलेभर में काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह व वीरों को नमन कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। जिला स्तर पर कुंवर खुशवंतराय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम का सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने विधायक विनोद शंकर अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार ने दीप जलाकर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने जनप्रतिनिधियों, अफसरों संग क्रांतिकारियों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के पारिवारीजन को सम्मानित कर स्नेहपूर्ण मुलाकात की। इससे पूर्व राजधानी में सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में काकोरी ट्रेन एक्शन कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना गया।

स्कूली बच्चों ने प्रस्तुत किए देशभक्ति कार्यक्रमए काकोरी ट्रेन एक्शन का हुआ मंचन'

कार्यक्रम स्थल के सांस्कृतिक मंच पर सहकारिता मंत्रीए जनप्रतिनिधियों एवं अफसरो के समक्ष विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों की छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम प्रस्तुत किये और काकोरी ट्रेन एक्शन पर मंचन भी किया। संस्कृति विभाग उप्र की ओर से आए सांस्कृतिक दल ने भी वाद्य यंत्रों और अपनी टीम के साथ देशभक्ति का माहौल बना दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव क्रांतिकारियोंए स्वतंत्रता सेनानियोंए ज्ञात.अज्ञात बलिदानियों व शहीदों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का अवसर है। हमें आजादी अचानक नहीं मिली। इसके लिए अलग.अलग कालखंडों में संघर्ष किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन का केंद्र बिंदु वैसे तो पूरा भारत थाए लेकिन देश की आध्यात्मिक.सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक उत्तर प्रदेश प्रथम स्वतंत्रता समर को लीड कर रहा था। मंगल पांडेय ने बैरकपुर से इसकी अगुवाई की। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा कि जो संकल्प लेकर क्रांतिवीर आजादी के लिए लड़े थेए उन्हीं के कर्तव्यों का पालन करते हुए देश को सशक्त बनाया जा सकता है। जाति.मजहब या व्यक्तिगत हित राष्ट्र से बढ़कर नहीं हो सकता। सभी नागरिक कर्तव्य का पालन करें। मुख्यमंत्री योगी जी ने भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास के एक अहम् अध्याय काकोरी कांड का नाम बदलकर काकोरी ट्रेन एक्शन कर दिया है। इसका नाम इसलिये बदल दिया गया क्योंकि कांड शब्द भारत के स्वतंत्रता संग्राम के तहत इस घटना के अपमान की भावना को दर्शाता है। अब भारत का समय आ गया है, दुनिया की कोई शक्ति हमें महाशक्ति बनने से रोक नहीं सकती।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि श्काकोरी ट्रेन एक्शनश् देश के स्वाधीनता समर की अमर कहानी है। यह राष्ट्र के प्रति दायित्व बोध कराने वाला पर्व है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में श्काकोरी ट्रेन एक्शनश् की तिथि 09 अगस्त 1925 विशेष महत्व रखती है। उन्होंने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी/डीआईओएस डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताते हुए सभी अतिथियोंए उपस्थित स्कूली बच्चोंए एनसीसी कैडेट्सए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले कलाकारों सहित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी भूमिका निभाने वालों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम में जिपं अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह, डीसीबी अध्यक्ष विनीत मनार, पुष्पा सिंह, जिला स्तरीय अधिकारीए विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकए स्कूली बच्चे एनसीसी कैडेट्स सहित बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

आजादी के लिए क्रांतिकारियों ने 9 अगस्त को अंग्रेजों की नींव हिला दी थीः उपाध्याय

संवाददाता। फर्रुखाबाद

प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने काकोरी ट्रेन कांड पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश को आजाद करने के लिए आज 9 अगस्त के दिन हमारे क्रांति कारियों ने अंग्रेजों की नीव हिलाकर रख दी थी। उपाध्याय ने कमालगंज के रामकृष्ण महाविद्यालय रानू खेड़ा में आज शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन एवं क्रांतिकारी अमर शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उपस्थित जन समूह को काकोरी में हो रहे कार्यक्रम का मुख्यमंत्री द्वारा संम्बोधन एल ई डी पर लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में फर्रुखाबाद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारीजनों को मालाये एवं शोल उड़कर, मिष्ठान उपलब्ध कराकर सम्मानित किया गया।

यहां काकोरी ट्रेन कांड पर प्रकाश डालते हुए उच्च शिक्षा मंत्री उपाध्याय ने कहा कि देश को आजाद करने के लिए जिन शहीदों ने शहादत दी, देश आज उनको याद कर रहा है और हम सब ऐसे शहीदों को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे हैं। पूरे प्रदेश के हर जिले में आज शहीदों के लिए मेले लग रहे हैं। आज 9 अगस्त का वह दिन है, जिस दिन देश की आजादी के लिए हमारे क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों की नींव हिला कर रख दी थी। इस कार्यक्रम के पश्चात श्री उपाध्याय ने ग्राम रानू खेड़ा पंचायत के अमृत सरोवर पर वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर भाजपा अमृतपुर विधायक सुशील शाक्य, भोजपुर विधायक नागेंद्र राठौर, जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता, जिलाधिकारी डॉ बी के सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

भीषण सड़क हादसे में हुई पॉच लोगों की मौत

- हाईवे पर खड़े कंटेनर से टकराई डीसीएम घटना से मचा कोहराम
- मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने उच्चाधिकारियों के निर्देश पर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम से शवों को निकालती पुलिस।

गुरसहायगंज (कन्नौज)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़े कंटेनर से डीसीएम के टकरा जाने से चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी इलाज दौरान मौत हो गई। घटना की खबर पर लोगों की भीड एकत्र हो गई। पुलिस ने घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को देकर शवों को पोस्टमार्टम हाउस भेजा है।

शुक्रवार की सुबह जुनैदपुर कट पर दिल्ली से तीव्र गति से कानपुर की ओर जा रही डीसीएम हाईवे के किनारे खड़े कंटेनर में जा घुसी जिससे डीसीएम में सवाल मछली शहर जौनपुर निवासी विपिन पुत्र बृजलाल, रमई अमेठी निवासी 23 वर्षीय सोनू शर्मा पुत्र ओमप्रकाश बरियार, शाहगढ़ अमेठी निवासी 22 वर्षीय प्रशांत सिंह पुत्र पवन सिंह एवं सरेसर जगदीशपुर अमेठी निवासी संतोष की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि घटना में गंभीर रूप से घायल जौनपुर निवासी पवन कुमार पुत्र लाल जी की इलाज दौरान मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक ने दूरभाष पर पुलिस अधीक्षक सहित उच्चाधिकारियों को अवगत कराकर सभी मृतकों के पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा है जबकि घायल पवन कुमार को अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां इलाज दौरान मौत हो गई। कंटेनर चालक जगदीश सिंह पुत्र बूटा सिंह निवासी सराबा फरीदपुर पंजाब ने बताया कि वह पंजाब से लेदर लाकर कोलकाता जा रहा था डीजल खत्म होने के कारण गाड़ी बंद हो गई थी। वह राहगीरों से पूछ ही रहा था कि तभी अनियंत्रित गति से आ रही डीसीएम पीछे से टकरा गई। समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज नहीं हो सका था।

सामुदायिक भवन ईको पार्क से शहीद स्मारक तक निकाली गयी शहीद स्मृति रैली

- सीएम के संबोधन व काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के शुभारंभ के प्रसारण को देखा एवं सुना

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के नेतृत्व में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ के शुभारंभ के अवसर पर सामुदायिक भवन ईको पार्कए शहीद स्मारक ईको पार्क में देश भक्ति पर आधारित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महिला कल्याण एवं बाल विकास पुष्टाहार राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधान परिषद सदस्य अविनाश सिंह चौहानए रसूलाबाद विधायक पूनम संखवार उपस्थित रही। कार्यक्रम अन्तर्गत बेसिक शिक्षा विभागए माध्यमिक शिक्षा विभाग के छात्र.छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति कर वीरसपूतों को नमन किया गया।

सामुदायिक भवन ईको पार्क से शहीद स्मारक तक शहीद स्मृति रैली निकाली, राज्यमंत्री, विधायकगण, डीएम, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी अन्य अधिकारीगण, छात्र.छात्रायें सम्मलित रहें। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलिए माल्यार्पण कर शहीदों के नाम वृक्षारोपण किया गया। तिरंगें गुब्बारों को भी छोड़ा गया। शहीद स्मारक पर एनसीसी कैडेट्स, माध्यमिक विद्यालय के छात्र.छात्राओं द्वारा बैण्डवादन भी किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला अपने संबोधन में वीर सपूतों को नमन करते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई में अनेकों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दे दीए आज हमें उन्हें याद करने का अवसर है, हमें उनके द्वारा बताए गए मार्गोंए उनके द्वारा देखें गये सपनोंए उनके आदर्शो को साकारित करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने वतन से बढ़कर कुछ भी नही होता।

क्विक न्यूज

घर में सो रहे युवक की गला दबाकर हत्या

फतेहपुर। चांदपुर थाना क्षेत्र के गोहरारी गांव में शुक्रवार की सुबह एक युवक की घर पर ही गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी गई। चर्चाओं में पत्नी का पड़ोसी से प्रेम प्रसंग था। जिसके चलते आए दिन दोनों के बीच कहासुनी होती थी। जिसके चलते इस हत्याकांड को अंजाम दिया जाना सामने आ रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। गोहरारी गांव निवासी कल्लू पुत्र आरिफ 35 वर्ष का आए दिन पत्नी मेहनाज के बीच अक्सर कहासुनी हुआ करती थी। गुरुवार को भी रात्रि में कहासुनी के बाद झगड़ा हुआ था। इसके बाद दोनों घर में सो गए। सुबह जब हुई तो कल्लू मृत अवस्था में मिला। मृतक की पत्नी और घर पर रह रही मेहनाज की दो बहनें चिल्ला कर रोने लगी तो आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। मौके में पहुंची चांदपुर पुलिस फोर्स सहित मृतक के शव को कब्जे में लेकर फॉरेंसिक टीम को बुलाया। टीम घंटो जाँच करती रही जाँच के बाद शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घटनास्थल पर गांव के लोगों का हुजूम लग गया। स्थानीय लोगों में तरह तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। लोगों ने बताया कि मृतक और उसकी पत्नी के बीच रोज कहासुनी होती थी। मृतक की पत्नी का पड़ोस के एक व्यक्ति से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पत्नी के ऊपर प्रेमी संग मिलकर मारने के आरोप लग रहे थे, मौत का कारण अभी स्पष्ट नही हो पाया है। फॉरेंसिक टीम और पुलिस जाँच कर रही है। चांदपुर थाना प्रभारी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पायेगा।

महाकाल मन्दिर में तक्षक नाग चंद्र मौलेश्वर की पूजा की गई

फर्रुखाबाद। श्री महाकाल मंदिर सावन शुक्ल पक्ष नाग पंचमी पर महाकाल मंदिर में वर्ष में एक बार आम दर्शन के लिए प्रति वर्ष नाग पूजा की जाती है यहां पर तक्षक नाग मौलेश्वर की प्रतिमा 9 फन्नो पर शिव पार्वती गणेश की प्रतिमाएं अद्वितीय है, उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर पहला तक्षक नाग मौलेश्वर मन्दिर है एवं द्वितीय मन्दिर फर्रुखाबाद स्थित तक्षक नाग मौलेश्वर महाकाल मंदिर में अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु यहां कालसर्प दोष की पूजा करने आते हैं। यहा पर भक्त चांदी के नाग नागिन का जोड़ा कालसर्प दोष एवं अन्य किसी पर ही प्रकार के दोष के निवारण हेतु वर्ष में एक बार नाग प्रतिमा को स्पर्श करने के लिए आते हैं भक्त दूध, दही, शहद, बेलपत्र, धतूरा, मंदार के पुष्पों के साथ दूध जलेबी सूतफहनी चढ़कर महाकाल को प्रसन्न कर मनोवाछित

इच्छाओं की पूर्ति करने के लिए महाकाल मंदिर स्थित नाग पूजा के लिए आते हैं। आज प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में वैदिक रीति एवं महामृत्युंजय महामंत्र के उद्घोष के साथ मंदिर की प्रमुख साध्वी अर्चना दीक्षित ने दीप प्रज्वलित कर तक्षक नागचंद्र मौलेश्वर का पूजन भक्तों के कल्याण हेतु किया।

बंधक बनाकर पीटने से युवक ने आत्महत्या का किया प्रयास

राठ (हमीरपुर)। मझगवां थाने के नौरंगा गांव में बंधक बनाकर मारपीट करने से आहत युवक ने जहर खा लिया। पत्नी इलाज के लिए सीएचसी ले गई।जहां चिकित्सक ने मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। कोतवाली के सैदपुर गांव निवासी प्रदीप पुत्र इंदल ने बताया कि उसकी ससुराल मझगवां थाने के नौरंगा गांव में है। उसकी पत्नी श्रीदेवी अपने मायके में थी। कुछ दिन पहले पत्नी को लेने ससुराल गया था। आरोप लगाया कि ससुरालियों ने उसे बंधक बनाकर मारपीट की। ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर उसने जहर खा लिया है। उसे सीएचसी ले गए। जहां डॉ नरेंद्र ने मेडिकल कॉलेज उरई रेफर कर दिया। पत्नी श्रीदेवी ने बताया की सौतेली मां के कहने पर पिता और भाईयों ने मारपीट की है। मझगवां थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि युवक नशे का आदी है। गुरुवार को उनका राजीनामा कराया था। मामले की जांच कराई जा रही है।

सर्पदंश से युवक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के कमालपुर गांव निवासी शिवशंकर का पुत्र रमेश खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान उसे जहरीले सर्प ने डस लिया। इसकी जानकारी जब परिजनों को हुई तो थाने के ही उदय सरोज ओझा के पास ले गए। काफी प्रयासों के बाद जब उसकी हालत ठीक न हुई तो उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय ला रहे थे। तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

नहर में गिरकर वृद्ध की मौत

फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के मेघनपुर मजरे दूबेपुर गांव निवासी स्व. रामरतन का पुत्र कैलाश नारायण साइकिल से घर जा रहा था तभी गांव के समीप ही स्थित नहर बंबी के पास अचानक साइकिल सहित गिर पड़ा, जिससे उसकी डूबकर मौत हो गई। शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

नाग पंचमी पर रिंद नदी नहाने गया बालक डूबा

रसूलाबाद कानपुर देहात। कोतवाली क्षेत्र के चंदानिवादा गांव में नागपंचमी के अवसर पर नदी किनारे परम्परागत त्यौहार मनाने गए एक बालक की रिंद नदी में डूबने से मौत हो गई। बालक नहाते समय नदी में डूब गया था, ग्रामीणों ने नदी में खोजबीन कीए लेकिन बालक का पता नहीं चल सका। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाने का प्रयास किया, लेकिन नदी का तेज बहाव होने के कारण बालक का पता नहीं लग सका। परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है। रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र के चंदानिवादा गांव में उसे वक्त धड़कन में मच गया जब नाग पंचमी के अवसर पर गुड़िया कूटने गए कार्तिक 6 पुत्र मनोज कुमार रिन्द नदी में नहाते समय डूब गया और उसका कोई पता नहीं चल सका। परिवार में चीख पुकार मच गई और बड़ी संख्या में गांव के लोग रिंद नदी के निकट एकत्र हो गए। नवयुवकों ने नदी में कूदकर उसे खोज पुलिस द्वारा गोताखोर बुलाने के बाद में उसे खोजबीन की समाचार लिखे जाने तक बालक का कोई पता नहीं चला।

नाग पंचमी पर कुश्ती प्रतियोगिता का हुआ आयोजन पहलवानों ने दिखाया अपना दमखम

- विजेता को दिया गया 250 ग्राम चांदी का गदा

असोथर (फतेहपुर)। नाग पंचमी के अवसर पर नगर पंचायत असोथर के किलापर वार्ड में श्रीराम जानकी दंगल कमेटी द्वारा आयोजित कुश्ती खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, हर वर्ष की भांति नाग पंचमी के अवसर पर कुश्ती खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसके संस्थापक राजेश कुमार, संरक्षक रमेश चंद्र पासवान पूर्व प्रधान, अध्यक्ष अजय कुमार मास्टर साहब के द्वारा करवाया जाता है। दंगल की शुरुआत मुख्य अतिथि नगर अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर व विशिष्ट अतिथि पूर्व प्रधान रमेश चंद्र पासवान द्वारा फीता काट और पहलवानों को माला पहनाकर स्वागत कर किया गया। बारिश के दौरान दंगल में पहलवानों ने अपने बाहुबल और दमखम का जौहर दिखाया। प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कारों से नवाजा गया। इस कुश्ती प्रतियोगिता में आधा सैकड़ा पहलवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कुश्ती खेल प्रतियोगिता को देखने के लिए कुस्ती मैदान में बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे और कुश्ती कलाकारों के कर्तव्य कला को देखकर दर्शकों ने ताली बजाकर कुश्ती कलाकारों की हौंसला अफजाई की। विजेता कुस्ती राहुल हरिद्वार और गोल्टा राजस्थान के बीच हुई जिसमें राहुल विजई हुए। सेमी फाइनल मुकाबले में अंकित शाखा व नारायण महोबा के बीच कुश्ती हुई, जिसमे अंकित विजई हुआ। फाइनल विजेता राहुल हरिद्वार को 250 ग्राम चांदी का गदा दिया गया, उपविजेता अंकित को रेंजर साइकिल पुरुस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को नगर अध्यक्ष नीरज सिंह सेंगर, पूर्व प्रधान रमेश चंद्र पासवान और डॉक्टर मनोज कुमार द्वारा पुरस्कारों का वितरण किया गया। विजेता, उपविजेता, प्रतियोगिताओं को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला है।

मासूम बालिका की हत्या के मामले में तीन को उम्र कैद व दस दस हजार रुपये जुर्माना

संवाददाता। हमीरपुर

पंद्रह साल पहले जरिया क्षेत्र में सात साल की बालिका की हत्या कर शव कुएं में फेकने के मामले में शुक्रवार को अदालत ने तीन आरोपियों को उम्र कैद की सजा व दस दस हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार जरिया थाना क्षेत्र के पतखुरी गांव में रंजिशन सात साल के मासूम की हत्या कर शव कुएं में फेंकने के मामले में शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश ;डकैती अनिल कुमार खरवार ने तीन दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। तीनों पर 10.10 हजार का जुर्माना भी किया। मामले में मासूम के पिता ने एक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थीए जांच में दो नाम रिपोर्ट में और शामिल किए गए थे।

सहायक शासकीय अधिवक्ता चंद्रप्रकाश गोस्वामी ने बताया कि गांव के प्रकाशचंद्र सोनी ने 6 जून 2008 को जरिया थाने में तहरीर दी थी कि उसकी सात साल की पुत्री पूजा 2 जून 2008 को दोपहर शौच के लिए गांव के बाहर शिवकुमार सेठ के बाड़े में गई थी। तब से पुत्री लापता है। उसने गांव के देवेंद्र लोधी पर पुत्री को ले जाने का शक जताया था। 18 जून 2008 को गांव के नृपत के सर के कुएं से बच्ची का सड़ा गला शव बरामद हुआ। कपड़ों से पुत्री की शिनाख्त की थी।। पुलिस ने देवेंद्र लोधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की तो हरसहाय दर्जी और प्रमोद कुमार के नाम सामने आए। इसके बाद पुलिस ने तीनों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया। शुक्रवार को विशेष न्यायाधीश ;डकैतीद अनिल कुमार खरवार ने मासूम पूजा की हत्या में देवेंद्र लोधी प्रमोद कुमार व हरसहाय दर्जी को आजीवन कारावास व 10.10 हजार जुमाने की सजा सुनाई।

काकोरी एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर ईको पार्क में राज्यमंत्री एवं विधायकगणों ने किया पौधरोपण

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के मार्गदर्शन में काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ शुभारंभ के अवसर पर ईको पार्क माती में शहीदों के परिजनों द्वारा शहीद स्मृति वाटिका में पौधरोपण किया गया। राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला, सदस्य विधान परिषद अविनाश सिंह चौहान, विधायक रसूलाबाद पूनम संखवार, अध्यक्ष नगर पंचायत राजपुर अंशू त्रिपाठी, प्रतिनिधि अध्यक्ष नगर पंचायत अकबरपुर जितेन्द्र सिंह गुड्डन व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ.साथ जिलाधिकारी आलोक सिंह, पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति, मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन. व अन्य जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा अमर शहीदों की स्मृति में शहीद स्मृति वाटिका में पौधरोपण किया गया। राज्यमंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधिगणों द्वारा ईको पार्क माती में स्थापित शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित करते हुये, स्मृति स्वरूप पौधरोपण किया। वाटिका में परिजात,

कदम्ब, बॉटलब्रश एवं अर्जुन प्रजातियों के विशिष्ट 100 पौधों का रोपण किया गया है। नागरिकों, स्कूली छात्र छात्राओं एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगणों द्वारा अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग किया गया।

शासन के निर्देशों व डीएम आलोक सिह के मार्गदर्शन में काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी पर विभिन्न स्मारकोंए अमृत सरावरों पर वन विभाग द्वारा आज ही के दिन शहीदों के स्मृति स्वरूप वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया। प्रभागीय वनाधिकारी, द्वारा अवगत कराया गया कि वन विभाग द्वारा विशिष्ट अवसरों पर स्थापित किये जा रहे वनों के लिये विभिन्न प्रकार के वृक्षारोपण आयोजन का कार्यए आज से प्रारम्भ किया गया है। आगामी तिथियों में वेटलैण्ड संरक्षण वन की स्थापना 12.08.2024 को, स्वतंत्रता दिवस पर वृक्षारोपण 15.08.2024 को, पवित्र धारा वृक्षारोपण: यमुना एवं उसकी सहायक नदियों के जल संग्रहण क्षेत्र में 17.08.2024 को एवं भाई बहन वृक्षारोपण (रक्षाबंधन वाटिका) 19.08.2024 को विभिन्न स्थलों पर वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किये जायेगे। एडीएम (प्रशासन), एडीएम (न्यायिक), जिला विकास अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी, नगर पंचायत अकबरपुर के साथ संचालन कराने में क्षेत्रीय वन अधिकारी, अकबरपुर व उनकी टीम के साथ क्षेत्रीय वन अधिकारी भोगनीपुर, जिला परियोजना अधिकारी, जिला गंगा समिति, कानपुर देहात व अन्य वन विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

औचक निरीक्षण में खुली पोलः जिला अस्पताल की दुर्व्यवस्था पर भड़की डीएम

लखीमपुर खीरी। शुक्रवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने जिला चिकित्सालय ओयल का औचक निरीक्षण किया, संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण में जिला अस्पताल की तमाम खामियां खुलकर सामने आईं। गंदे शौचालय से लेकर गंदे चादर तक को डीएम ने स्वयं देखा।करीब एक घंटे तक अस्पताल का निरीक्षण करने के दौरान डीएम कई बार नाराज हुई। उन्होंने अस्पताल के जिम्मेदारों को कड़ी चेतावनी देते हुए तीन दिन में व्यवस्थाएं सुधारने की बात कही।

जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण पर शुक्रवार को सुबह करीब 8ण्50 बजे पहुंची डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने दुर्व्यवस्था देख नाराजगी जाहिर की। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में गंदगी का अंबार लगा था। कई ओपीडी कक्ष में डॉक्टर.कर्मचारी भी नहीं थे। अस्पताल के वार्डों में दुर्व्यवस्था की भरमार मिली। डीएम ने सीएमएस डॉ राज कुमार कोली को कड़ी फटकार लगाई। डीएम ने उपस्थित पंजिकाएं

अपने कब्जे में ली। अनुपस्थित डॉक्टरए पैरामेडिकल स्टाफ का वेतन रोकने के निर्देश दिए।

डीएम के पूछने पर वार्ड में भर्ती मरीजों ने बताया कि सुबह 09 बजे तक कोई भी डॉक्टर भ्रमण पर नहीं आया है। मरीजों के फाइल पर भी इसका कोई उल्लेख नहीं था। डीएम ने सीएमएस को संबंधित डॉक्टरों से स्पष्टीकरण लेकर अवगत कराने और फाइल पर भ्रमण का नियमित ब्योरा दर्ज करने का निर्देश दिया।

डीएम ने सीएमएस डॉण् आरके कोली से पूछा कि इतनी गंदगी क्यों है। इस तरह के गंदे शौचालय का वह लोग प्रयोग कर सकते हैं। निर्देश दिए कि जबतक शौचालय साफ न हो, तबतक वह चिकित्सको, पैरामेडिकल के लिए बने शौचालयों का प्रयोग करेंगे। सीढ़ियों पर पान की पीक पड़े होने पर नाराजगी जताई। निर्देश दिए कि ऐसा करने वाले से 200 की जगह 2000 का जुर्माना वसूला जाए, ताकि इसकी पुनरावृत्ति ना हो।

निरीक्षण के दौरान अपनी 08 वर्षीय पुत्री रेशमा को रेबीज का दूसरा इंजेक्शन लगवाने अस्पताल पहुंचे ओमप्रकाश से डीएम ने जाना कि इंजेक्शन लगवाने के लिए किसी ने पैसे तो नहीं लिए। जवाब आया नही साहब! पर्चा काउंटर पर कार्मिक राजेंद्र मिश्रा अनुपस्थित मिले। चिकित्सालय में 100 कैपेसिटी की सीटिंग व्यवस्था करने को कहा। चिकित्सालय में रिफ्लेक्टर लाइट वाली साइन एज लगवाने के निर्देश दिए। चिकित्सालय भवन के बाहर तत्काल सीवर टैंक को ढकवाने के निर्देश दिए। एंट्री.एग्जिट प्वाइंट्स पर फ्लोर मैट डलवाए। सीएमएस को निर्देश दिए कि सुबह एक घंटे राउंड लेकर एक.एक मरीज से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करें। रिसेप्शन के पास स्वास्थ्य संबंधी स्वास्थ्य संबंधी आईईसी सामग्री को प्रदर्शित किया जाए। वेटिंग एरिया में सीटिंग अरेंजमेंट को प्रॉपर करवाए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने पर्ची काउंटर, पुरुष सर्जिकल वार्ड, पुरुष ऑर्थो वार्ड, डेंगू वार्ड, इमरजेंसी, ड्रेसिंग रूम, सर्जन कक्षए दवा वितरणकक्ष, इंजेक्शन कक्ष, पैथोलोजी कक्षए ओपीडी कक्ष, जनरल महिला व पुरुष वार्ड, टायलेट मेल व फीमेल, आपातकालीन कक्ष का निरीक्षण किया। डीएम ने निर्देश दिए कि आमजन की सुविधा के लिए प्रवेश द्वार पर नागरिक चार्टर प्रदर्शित किया जाए। सीसीटीवी के साथ पहुंच मार्गों की रोशनी, बड़े पैमाने पर अस्पताल का नाम प्रदर्शित किया जाए। प्रतीक्षालय में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था/स्वास्थ्य संबंधी आईईसी और सुविधा संबंधी जानकारी प्रदर्शित करने के लिए एलसीडी का प्रयोग किया जाये। सभी खिड़कियों में तार की जाली लगायी जाये।

तीन वृद्ध निराश्रित मरीजों की जानी कुशलता, स्वस्थ होने पर भेजे वृद्धाश्रम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने वार्ड के निरीक्षण के दौरान तीन वृद्ध निराश्रित मरीजों से मुलाकात कर कुशलता जानी। संवाद में पाया कि उनका हाल खबर लेने वाला घर परिवार में कोई नहीं है। इस पर डीएम ने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता को निर्देश दिए की स्वस्थ होने के उपरांत जिला समाज कल्याण अधिकारी से समन्वय कर तीनों वृद्धजन को वृद्धश्रम भिजवाए।

रिश्वत मामले में ईडी के सहायक निदेशक को 14 तक सीबीआई की हिरासत में भेजा

भाषा। मुंबई

यहां की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक सहायक निदेशक को 14 अगस्त तक सीबीआई की हिरासत में भेज दिया। एक दिन पहले उसे मुंबई के एक जौहरी से 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। विशेष सीबीआई न्यायाधीश एस.पी. नाइक ने ईडी के सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव को 14 अगस्त तक जांच एजेंसी की हिरासत में भेज दिया। सीबीआई ने बृहस्पतिवार को यादव को मुंबई के एक सर्राफा कारोबारी से उसके बेटे को धनशोधन मामले में गिरफ्तार करने की धमकी देकर 20 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया। अदालत ने प्राथमिकी और केस डायरी के अवलोकन के बाद कहा कि इस समय यह मानने के उचित आधार हैं कि आरोप पुख्ता हैं।

सीबीआई के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीन और चार अगस्त को जौहरी विपुल हरीश ठक्कर के परिसरों पर छापेमारी की थी, जिसके बाद सहायक निदेशक संदीप सिंह यादव ने उन्हें 25 लाख रुपए न देने पर जौहरी के बेटे को गिरफ्तार करने की कथित तौर पर धमकी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि बातचीत के दौरान 20 लाख रुपए की रिश्वत देने पर बात तय हुई। बाद में, ठक्कर ने सीबीआई का रुख किया था। सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है, स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में शिकायत के सत्यापन से प्रथम दृष्टया पता चला कि प्रवर्तन निदेशालय मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक संदीप सिंह ने अज्ञात अन्य लोगों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता विपुल ठक्कर के बेटे निहार ठक्कर को गिरफ्तार न करने के लिए स्वयं तथा एक अन्य व्यक्ति के माध्यम से 20 लाख रुपए की रिश्वत प्राप्त करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचा था। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अधिकारी यादव को एजेंसी की मुंबई इकाई ने राष्ट्रीय राजधानी में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

हरियाणा : नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 वर्ष कारावास की सजा

जींद। उत्तर प्रदेश के आगरा में एक अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष कारावास और 22 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना नहीं भरने पर दोषी को दो वर्ष का अतिरिक्त कारावास में बिताने होंगे। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. चंद्रहास की अदालत ने 21 जून 2023 को 14 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में दोषी को यह सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष के अनुसार, शहर थाना इलाके में रहने वाली पीड़िता का पड़ोसी साहिल 20 जून 2023 की रात को उसे बुलाकर अपने घर ले गया, जहां आरोपी ने रातभर उससे दुष्कर्म किया। शहर थाना पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपी साहिल के खिलाफ दुष्कर्म, अपहरण करने, बंधक बनाने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था।

मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण पर रोक नवंबर तक बढ़ाई

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर अपनी रोक नवंबर तक बढ़ा दी, जिसमें मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर शीर्ष अदालत द्वारा 16 जनवरी को लगाई गई रोक को जारी रखने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दे दी थी तथा इसकी निगरानी के लिए न्यायालय आयुक्त की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की थी।

हिंदू पक्ष का दावा है कि परिसर में ऐसे चिह्न मौजूद हैं जिनसे पता चलता है कि वहां कभी मंदिर था। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षकारों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि उच्च न्यायालय के पिछले साल 14 दिसंबर के आदेश और मामले में संबंधित आदेशों के खिलाफ शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन ट्रस्ट समिति की अपील निष्फल हो गई है।

उन्होंने कहा, ए सभी याचिकाएं निरर्थक हो गई हैं, क्योंकि उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को अपना आदेश सुना दिया है। जैन ने उच्च न्यायालय के एक अगस्त के आदेश का हवाला दिया, जिसमें उसने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्षकारों की याचिका को खारिज कर दिया था और फैसला सुनाया था कि मस्जिद के धार्मिक चरित्र को निर्धारित करने की आवश्यकता है।

लापता लेडीज की स्क्रीनिंग से पहले आमिर खान सुप्रीम कोर्ट पहुंचे प्रधान न्यायाधीश ने किया स्वागत

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान फिल्म लापता लेडीज की न्यायाधीशों के लिए स्क्रीनिंग से पहले शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय पहुंचे और प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने उनका स्वागत किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, मैं अदालत में भगदड़ नहीं चाहता, लेकिन हम आमिर खान का स्वागत करते हैं, जो फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए यहां आए हैं। निर्देशक किरण राव भी जल्द ही हमारे साथ शामिल होंगी। यह फिल्म ग्रामीण भारत की दो दुल्हनों की हृदयस्पर्शी कहानी है, जिनकी ट्रेन में यात्रा के दौरान गलती से अदला-बदली हो जाती है। इसका निर्माण राव के बैनर किंडलिंग प्रोडक्शंस और खान के बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है। उच्चतम न्यायालय में शुक्रवार को न्यायाधीशों, उनके परिवारों और रजिस्ट्री के अधिकारियों के लिए यह फिल्म प्रदर्शित की जाएगी। न्यायालय के प्रशासनिक अनुभाग द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया, भारत के उच्चतम न्यायालय की स्थापना के 75वें वर्ष के दौरान आयोजित गतिविधियों के तहत लैंगिक समानता के विषय पर आधारित फिल्म लापता लेडीज शुक्रवार, नौ अगस्त, 2024 को प्रशासनिक भवन परिसर के सी-ब्लॉक स्थित ऑडिटोरियम में प्रदर्शित की जाएगी। राव ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों के समक्ष फिल्म का प्रदर्शन देखना एक सम्मान की बात है।

अवमानना मामले में याचिका पर बार नेता से जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली जिला अदालत की पूर्व न्यायाधीश सुजाता कोहली की उस याचिका पर बार नेता राजीव खोसला से जवाब मांगा जिसमें न्याय प्रशासन में कथित हस्तक्षेप संबंधी अवमानना मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें आरोपमुक्त किए जाने को चुनौती दी गई है। उच्च न्यायालय ने फरवरी में दिल्ली उच्च न्यायालय बार एसो. (डीएचसीबीए) के पूर्व अध्यक्ष खोसला को अवमानना मामले में आरोपमुक्त कर दिया था, जो कथित तौर पर अदालती कार्यवाही में बाधा डालने को लेकर उनके खिलाफ शुरू किया गया था।

दिल्ली की तीस हजारी अदालत में एक अदालत कक्ष में 30 नवंबर, 2021 को तब अराजकता फैल गई थी जब वकील नारेबाजी करते हुए और टेबल और कुर्सियों के ऊपर खड़े होकर कोहली द्वारा दर्ज कराए गए हमले के मामले में खोसला के खिलाफ सजा पर आदेश की घोषणा का इंतजार कर रहे थे। अगस्त 1994 में खोसला ने उन्हें बाल पकड़कर घसीटा था। घटना के समय वह तीस हजारी कोर्ट में वकील थीं और बाद में दिल्ली न्यायपालिका में न्यायाधीश बन गईं। वह 2020 में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुईं। बार नेता के खिलाफ अवमानना का मामला उनका समर्थन करने वाले वकीलों द्वारा की गई कथित अराजकता और बाधा के कारण उत्पन्न हुआ था जब निचली अदालत उनके खिलाफ सजा सुनाने वाली थी। वकीलों की नारेबाजी के बीच निचली अदालत ने खोसला को दोषी ठहराया था और उन्हें निर्देश दिया था कि वह कुल 40,000 रुपए का मुआवजा दें। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कोहली की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह की दलीलों पर ध्यान दिया।

उच्चतम न्यायालय ने नीट-पीजी को स्थगित करने संबंधी याचिका खारिज की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 11 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह याचिका दायर करने वाले पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकता। शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातकोत्तर) (नीट-पीजी) को टालने का आग्रह करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसमें दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि न्यायाधीश कोई अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं।

पीठ ने कहा, हम ऐसी परीक्षा को कैसे स्थगित कर सकते हैं। श्री संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं। यह संपूर्ण दुनिया नहीं है। हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं। इसने कहा, सैद्धांतिक रूप से, हम परीक्षा को पुनर्निर्धारित नहीं करेंगे। दो लाख छात्र और चार लाख माता-पिता हैं जो इसे स्थगित करने पर सप्ताहांत में रोएंगे। हम पांच याचिकाकर्ताओं के लिए दो लाख अभ्यर्थियों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते। हम ऐसा नहीं कर सकते। मेडिकल छात्रों के लिए निश्चितता होनी चाहिए। हम नहीं जानते कि इन याचिकाओं के पीछे कौन है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि नीट-पीजी को पुनर्निर्धारित करने की आवश्यकता है क्योंकि परीक्षा केंद्रों की कमी के कारण अभ्यर्थियों का एक समूह सुबह और दूसरा समूह दोपहर बाद परीक्षा देगा।

उन्होंने पीठ से सभी अभ्यर्थियों के लिए एक समान और निष्पक्ष परीक्षा माहौल सुनिश्चित करने के लिए एक ही बैच में परीक्षा आयोजित करने का निर्देश जारी करने का आग्रह किया। विशाल सोरेन और अन्य द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि अनेक अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं जहां तक पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है। परीक्षा संबंधी शहर 31 जुलाई को आवंटित किए गए थे और विशिष्ट केंद्र आठ अगस्त को घोषित किए जाएंगे। याचिका में कहा गया कि केंद्रों का आवंटन कदाचार पर अंकुश लगाने के लिए किया गया, लेकिन समय की कमी के कारण अभ्यर्थियों के लिए विशिष्ट शहरों की यात्रा की व्यवस्था करना मुश्किल है। नीट-पीजी परीक्षा पहले 23 जून को आयोजित होने वाली थी, लेकिन कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसे एहतियाती उपाय के रूप में स्थगित कर दिया था।

न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरीः अटार्नी जनरल बोले, प्रक्रिया जारी है

नई दिल्ली। केंद्र ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि प्रक्रिया जारी है और शीर्ष अदालत के कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों की नियुक्ति को अधिसूचित करने के लिए निर्णय लिए जा रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ एक नई याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कॉलेजियम की इस आशय की सिफारिश के बाद केंद्र को उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति समयबद्ध तरीके से करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने पीठ से कहा, कार्य हो रहा है। प्रक्रिया अच्छी स्थिति में जारी है। मुझे नहीं लगता कि वकीलों को याचिका दायर कर इस अदालत से और अधिक सहयोग की मांग करनी चाहिए। शीर्ष विधि अधिकारी ने इस मुद्दे पर अनेक याचिकाएं दायर किए जाने को लेकर चिंता व्यक्त की। पीठ ने 2023 में हर्ष विभोर सिंघल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। सिंघल ने अपनी याचिका में उच्च न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण पर कॉलेजियम की सिफारिशों पर कार्यवाही करने के लिए केंद्र के लिए एक निश्चित समय सीमा तय करने का अनुरोध किया है। अटॉर्नी जनरल ने कहा कि इसी तरह की याचिका पर पहले न्यायमूर्ति एस. के. कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की थी।

कॉलेज में हिजाब, बुर्का और नकाब पहनने पर पाबंदी लगाने वाले परिपत्र पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हिजाब, बुर्का, टोपी और नकाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने संबंधी मुंबई के एक कॉलेज के परिपत्र पर शुक्रवार को रोक लगा दी और कहा कि छात्राओं को यह चयन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए कि वे क्या पहनें। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस तरह का परिपत्र जारी करने के लिए एन जी आचार्य और डी के मराठे कॉलेज चलाने वाली चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी को कड़ी फटकार लगाई और पूछा कि क्या वह बिंदी और तिलक पर भी प्रतिबंध लगाएगी। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति कुमार ने सोसाइटी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता माधवी दीवान से पूछा कि इस तरह का परिपत्र जारी करके कॉलेज छात्राओं को कैसे सशक्त बना रहा है। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, महिलाओं को क्या पहनना है, यह बताकर आप उन्हें कैसे सशक्त बना रहे हैं? मुझे लगता है कि जितना कम कहा जाए, उतना अच्छा है। महिलाओं की चयन की स्वतंत्रता कहां है? छात्राओं की यह चयन करने की स्वतंत्रता कहां है कि उन्हें क्या पहनना है? शैक्षणिक संस्थानों को छात्राओं पर यह निर्णय नहीं थोपना चाहिए कि उन्हें क्या पहनना है। दीवान ने दलील दी कि कॉलेज एक सह-शिक्षा संस्थान है और इस निर्देश के पीछे की मंशा यह सुनिश्चित करना है कि छात्रों की धार्मिक आस्था उजागर न हो। वकील ने कहा कि यह परिपत्र हिजाब, बुर्का या नकाब तक सीमित नहीं है, बल्कि फटी जींस और ऐसे अन्य परिधानों तक भी लागू है। इस दलील से पीठ प्रभावित नहीं हुई और न्यायमूर्ति खन्ना कहा, क्या छात्रों के नाम से उनकी धार्मिक पहचान उजागर नहीं होगी?... धर्म उनके नाम में भी है। ऐसे नियम न थोपें। न्यायमूर्ति कुमार ने कहा, आपको अचानक यह तथ्य ज्ञात हुआ है कि वे इसे पहन रहे हैं और आप अचानक निर्देश दे रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। आजादी के इतने साल बाद आपको पता चला है कि इस देश में इतने सारे धर्म हैं। पीठ ने सोसाइटी को नोटिस जारी किया और 18 नवंबर तक उससे जवाब देने को कहा। उसने आदेश दिया, हम विवादित परिपत्र के खंड दो पर आंशिक रूप से रोक लगाते हैं, जिसमें कहा गया है कि परिसर में हिजाब, टोपी या बैज पहनने की अनुमति नहीं होगी। हमें उम्मीद और भरोसा है कि इस अंतरिम आदेश का कोई दुरुपयोग नहीं करेगा। पीठ ने आदेश के किसी भी दुरुपयोग की स्थिति में एजुकेशनल सोसाइटी और कॉलेज को अदालत का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंसाल्वेस और अधिवक्ता अबीहा जैदी ने दलील दी कि परिपत्र के कारण छात्राएं कक्षाओं में उपस्थित नहीं हो पा रहीं। गोंसाल्वेस ने कहा कि छात्राएं पिछले चार साल से हिजाब पहन रही हैं और अब उन्हें कक्षाओं में आने से रोका जा रहा है। दीवान ने कहा कि मुस्लिम समुदाय की 441 छात्राएं हैं जो खुशी-खुशी कॉलेज में पढ़ रही हैं और उन्हें अपना बुर्का या हिजाब रखने के लिए लॉकर दिए गए हैं। उन्होंने कहा, इन 441 लड़कियों में से किसी को भी कोई समस्या नहीं थी, सिवाय उन तीन लड़कियों के, जिन्होंने परिपत्र के खिलाफ उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। अदालत ने वकील से कहा, आप सही हो सकती हैं, क्योंकि उनमें से कई अलग-अलग पृष्ठभूमि से संबंध रखती हैं। हो सकता है कि कुछ के परिवार के सदस्य उन्हें इसे पहनने के लिए कहें या वे इसे (अपनी इच्छा से) पहनें लेकिन सभी को एक साथ पढ़ने दें। इन नियमों को लागू न करें। न्यायमूर्ति खन्ना ने उनसे कहा, आप इसे ऐसे नहीं बना सकते। इसका समाधान उचित, अच्छी शिक्षा है। हां, आप सही कह सकते हैं कि लड़कियों को कक्षा के अंदर बुर्का पहनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। दीवान ने अदालत से कहा कि कॉलेज 2008 से अस्तित्व में है और बिना किसी सरकारी सहायता के संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर संस्थान कुछ खास छात्राओं को हिजाब और नकाब पहनने की अनुमति देता है, तो वह दूसरों को भगवा शॉल और अपनी धार्मिक पहचान की प्रतीक अन्य पोशाक पहनकर आने से कैसे रोकेगा। हम एक गैर-राजनीतिक, धार्मिक रूप से तटस्थ संस्थान हैं। हम केवल यह चाहते थे कि हिजाब या नकाब पहनना छात्राओं के लिए बातचीत में बाधा न बने। अदालत से उसकी स्वायत्तता न छीनने का आग्रह किया। न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब की अनुमति देने का बड़ा मुद्दा एक बड़ी पीठ के समक्ष विचाराधीन है।

भाजपा नेता ने चंडीगढ़ से मनीष तिवारी के लोकसभा चुनाव को उच्च न्यायालय में चुनौती दी

चंडीगढ़। भाजपा नेता संजय टंडन ने चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी के निर्वाचन को भ्रष्ट प्रकृति के वादे सहित कई आधारों पर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। भाजपा उम्मीदवार टंडन को 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के मनीष तिवारी ने 2,504 मतों से हराया। कांग्रेस और आप ने गठबंधन में चुनाव लड़ा था। सांसद के रूप में तिवारी के निर्वाचन को रद्द करने की मांग करते हुए टंडन ने जनप्रतिनिधित्व (आरपी) अधिनियम, 1951 के तहत वकील चेतन मित्तल, आशु एम. पंछी और सत्यम टंडन के माध्यम से उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। याचिका के अनुसार, तिवारी और पार्टी कार्यकर्ता विभिन्न प्रकार की चूक और अनियमितता में लिप्त रहे, क्योंकि निर्दोष और गरीब मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए भ्रष्ट प्रकृति के अनेक वादे किए गए थे। याचिका में इन वादों में से कुछ का हवाला देते हुए कहा गया है।

आप सांसद संजय सिंह से जुड़े मामले में अगली सुनवाई 12 अगस्त को

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में स्थानीय सांसद-विधायक अदालत में आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) के पूर्व विधायक अनूप संडा आदि आरोपियों से जुड़े मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त को होगी। विशेष न्यायाधीश के अवकाश पर होने और संसद सत्र की कार्यवाही संचालित होने से मामले की सुनवाई स्थगित कर दी गई। सांसद संजय सिंह के अधिवक्ता मदन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को उपरोक्त मामले में पेशी थी और संजय सिंह को इस मामले में अदालत में आना था लेकिन संसद सत्र चलने के कारण संजय सिंह की व्यस्तता के कारण मैंने अदालत में प्रार्थना पत्र देकर समय मांग लिया।

विशेष लोक अभियोजक वैभव पांडेय ने बताया कि मामले की सुनवाई के लिए 12 अगस्त की तारीख तय की गई है। पांडेय के अनुसार, सुलतानपुर की सांसद-विधायक अदालत ने जनसमस्या और बिजली संकट को लेकर सड़क जाम और धरना-प्रदर्शन करने के मामले में दोषी ठहराए जा चुके आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह और समाजवादी पार्टी (सपा) नेता अनूप संडा समेत छह दोषियों की अपील निरस्त करते हुए उनकी डेढ़ माह कैद की सजा को कायम रखा है।

वैभव पांडेय ने बताया कि दोषियों की अपील पर सुनवाई करते हुए विशेष सत्र न्यायाधीश (सांसदाविधायक) एकता वर्मा ने मंगलवार को यह आदेश दिया था। 19 जून 2001 को बिजली बदहाली के विरोध में तत्कालीन लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेता (पूर्व विधायक) अनूप संडा के नेतृत्व में शहर की सब्जी मंडी के निकट ऊपरगामी पुल के पास धरना प्रदर्शन दिया गया था जिसमें संजय सिंह, पूर्व सभासद कमल श्रीवास्तव, पूर्व सभासद विजय, अन्य संतोष, सुभाष चौधरी आदि शामिल हुए थे।

घाटकोपर होर्डिंग हादसे में अदालत ने विज्ञापन कंपनी के निदेशक की याचिका खारिज की

भाषा। मुंबई

बंबई उच्च न्यायालय ने घाटकोपर में होर्डिंग गिरने संबंधी मामले में विज्ञापन कंपनी के गिरफ्तार निदेशक भावेश भिंडे की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दी, जिसमें उसने दावा किया था कि वह एक दैवीय घटना थी और उसकी गिरफ्तारी अवैध है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने कहा कि उन्हें इस मामले में किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए निर्धारित प्रक्रिया में कोई कानूनी खामी नहीं मिली है। अदालत ने कहा, हमें कानूनी रूप से कोई खामी नहीं मिली है। गिरफ्तारी और हिरासत को अवैध बताने के लिए याचिकाकर्ता ने जो आधार पेश किया है उसमें कोई दम नहीं है और झूठा है। प्रक्रिया में कोई खामी नहीं है। याचिका खारिज की जाती है।

पीठ ने कहा कि प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय अपरिहार्य व संविधान के माध्यम से मान्यता प्राप्त है और इनमें किसी भी सूरत में कोई दोष नहीं हो सकता। भिंडे ने उसके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने का अनुरोध करते हुए दावा किया था कि 13 मई को हुई घटना एक दैवीय घटना थी और उसके इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाए। भिंडे पर गैर इरादतन हत्या का आरोप है और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है। उसने अपनी याचिका पर सुनवाई पूरी होने तक अंतरिम जमानत पर रिहा किए जाने का अनुरोध किया था।

घाटकोपर इलाके में 13 मई को ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड का विशालकाय होर्डिंग गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई थी और 70 से अधिक लोग घायल हो गए थे। आरोपी भिंडे इस कंपनी का निदेशक है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की ओर से 12 मई को जारी बुलेटिन का हवाला देते हुए भिंडे ने दावा किया था कि होर्डिंग गिरना एक दैवीय घटना थी।

याचिका में कहा गया है, आईएमडी के बुलेटिन में उस दिन मुंबई में आई तेज हवाएं चलने और धूलभरी तेज आंधी आने का पूर्वानुमान नहीं जताया गया था। होर्डिंग अनुचित और दोषपूर्ण तरीके से लगाए जाने के कारण नहीं बल्कि तेज हवाओं और धूलभरी आंधी के कारण ढही। याचिका में दावा किया गया है कि 96 किलोमीटर तक की रफ्तार की अनापेक्षित व अभूतपूर्व हवा की वजह से होर्डिंग गिरी और यह एक ऐसी घटना थी जिसके लिए न तो ईगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड और न ही उसे जवाबदेह ठहराया जा सकता है। याचिका में कहा गया है कि होर्डिंग सबी आवश्यक अनुमति हासिल करने के बाद लगाई गई थी।

पेज 1 का शेष

सिसोदिया को ...

में जहां वह लगातार तीसरी बार कार्यकाल की तलाश में है और 2015 और 2020 के समान प्रदर्शन का लक्ष्य रख रही है जब उसने क्रमशः 67 और 62 सीटें जीती थीं। न्यायमूर्ति गवई ने निचली अदालतों से सवाल पूछते हुए कहा, 18 महीने की कैद... सुनवाई भी शुरू नहीं हुई है और अपीलकर्ता को त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित कर दिया गया है। अपीलकर्ता को असीमित समय तक सलाखों के पीछे रखना मौलिक अधिकार से वंचित कर देगा। अपीलकर्ता की समाज में गहरी जड़ें हैं... भागने की कोई आशंका नहीं है। वैसे भी... शर्तें लगाई जा सकती हैं। ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट को इस पर उचित महत्व देना चाहिए था। अदालतें भूल गई हैं कि सजा के रूप में जमानत को नहीं रोका जाना चाहिए। सैद्धांतिक जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है...। अदालत ने लंबी अवधि की बात स्वीकार करते हुए कहा कारावास की स्थिति अस्थिर थी।

अमन ने...

भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने रजत पदक हासिल किया। कुश्ती में अंतिम पंघाल (53 किलो), अंशु मलिक (57 किलो) और निशा दहिया (68 किलो) अपने वर्ग के पदक दौड़ में नहीं पहुंच सके। वहीं विनेश फोगाट (50 किलो) फाइनल में पहुंची लेकिन वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दी गई। इस फैसले को उन्होंने खेल पंचाट में चुनौती दी है जिस पर फैसला रविवार की शाम तक आएगा। भारत की रीतिका हुड्डा (76 किलो) शनिवार को अपनी चुनौती पेश करेंगी।

दुनिया की ....

प्रयुक्त करने की मंशा से जो कार्य पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह जैसे वीर सपूतों ने किया था उसने न केवल देश बल्कि पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरीं थी। प्रदेश भर में आयोजित कार्यक्रमों के जरिए यह मां भारती के वीर सपूतों, उन महान क्रांतिकारियों को जिन्होंने सर्वस्व बलिदान किया था, उन सभी ज्ञात-अज्ञात सेनानियों व शहीदों को नमन करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि आजादी एक दिन में प्राप्त नहीं हुई। अलग-अलग कालखंड में हुए संघर्षों से इसकी नींव पड़ी। अब आजादी के अमृत काल के शुभारंभ के अवसर पर ही काकोरी एक्शन के शहीदों के प्रति कृतज्ञता प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है। सीएम योगी ने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन के दौरान क्रांतिकारियों ने रणनीति बनाकर भारत का पैसा जो ब्रिटेन ले जाया जा रहा था उसे रोककर भारत की क्रांति में धन का उपयोग किया था। तब जो रकम प्राप्त हुई थी वह मात्र 4,679 रुपए थी, जबकि अंग्रेजी हुकूमत ने 10 लाख रुपए केवल केस पर खर्च कर दिए। घटना में बिना सुनवाई के ही वीरों को फांसी की सजा सुना दी गई थी और नियत दिन से एक दिन पहले ही फांसी दे कर उस समय की हुकूमत ने कायरता दिखाई थी। सीएम योगी ने कहा कि एक्शन में शामिल कुछ वीर सपूतों को फांसी हुई, जबकि कुछ को कालापानी की सजा हुई। इन सभी को अंग्रेजों ने तमाम प्रलोभन दिए मगर इनका एक ही जवाब था, 'जीवन पुष्प चढा चरणों पर, मांगे मातृभूमि से यह वर। तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें न रहें।' इसी संकल्प के साथ खुद को बलिदान करना स्वीकार किया मगर हार नहीं मानी। आज आजादी इन्हीं शहीदों के बलिदान का परिणाम है। योगी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने अपनी शानदार यात्रा को आगे बढ़ाया है। भारत अगले 2 वर्षों में देश की तीसरी सबसे बड़ी महाशक्ति बनने जा रहा है। सबके चेहरों पर खुशहाली होगी, मगर ये तभी हो सकता है जब हमारी प्राथमिकता हमारी जाति, मत, मजहब नहीं बल्कि राष्ट्र होगा। समतामूलक समाज की स्थापना के लिए वोकल फॉर लोकल जैसे मूल्यों पर आगे बढ़ना होगा। दुनिया की कोई ताकत भारत का रास्ता नहीं रोक सकती। यही समय है, सही समय है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव पर पंच प्रण की शपथ दिलाई थी, ये हमारा सूत्र होना चाहिए। हम भारत को दुनिया में किस रूप से शक्तिशाली राष्ट के रूप में स्थापित कर सकते हैं इसका चिंतन करना होगा। आज हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं तो कोई कारण नहीं कि भारत की उन्नति न हो। सीएम योगी ने कहा कि 1942 में 9 अगस्त यानी आज ही के दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का आगाज किया था। आज हर शहीद स्माकर पर राष्ट्र धुन के साथ विभिन्न बैंड की धुन बजेगी। हर घर तिरंगा अभियान चलेगा जिसमें हर घर तिरंगा फहराया जाएगा। उत्तर प्रदेश में साढ़े चार करोड़ तिरंगा हर घर फहराया जाएगा। एक वर्ष तक चलने वाले राष्ट्रभक्ति के विभिन्न कार्यक्रमों में हम सबकी सहभागिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज नाग पंचमी भी है। नाग कुंडलिनी शक्ति का द्योतक है। उन्होंने कहा कि कल भारत को हॉकी और जैवलिन थ्रो में भी नीरज चोपड़ा को मेडल प्राप्त हुआ है, इन सभी खिलाड़ियों का अभिनंदन है, देश इनसे प्रेरणा ले रहा है।

कार्यक्रम में लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, सदस्य विधान परिषद लालजी प्रसाद निर्मल, अंबरीश कुमार, भाजपा जिला अध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, लखनऊ पूर्व के विधायक ओपी श्रीवास्तव, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम, लखनऊ के जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार समेत विभिन्न अधिकारी, नेता, अधिकारी व शहीदों के परिजन रहे।

मां के ...

उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। नीरज भारत के सबसे प्रतिष्ठित एथलीटों में से एक हैं, जिन्होंने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, डायमंड लीग, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित हर टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता है। कमलेश ने कहा, तोक्यो के बाद रजत के अलावा कोई पदक नहीं बचा था, उसकी भी जरूरत थी इसलिए उसे मिल गया। उन्होंने कहा कि नदीम के बड़े प्रयास (92.97 मीटर) के बाद परिवार को अंदाजा था कि नीरज के स्वर्ण जीतने की संभावना कम हो गई है। उन्होंने कहा, नदीम के थ्रो के बाद हमें लग रहा था (कि वह स्वर्ण जीतेगा) लेकिन वह भी हमारा बेटा है, हम उसके लिए खुश हैं। वह एशिया का बेटा है। हम नदीम और नीरज के बीच अंतर नहीं करते। दोनों ने स्वर्ण और रजत हासिल किया है।

केंद्र ने सीएए के नियमों के दायरे का किया विस्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने नागरिकता कानून नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के तहत जारी नियमों के दायरे का विस्तार किया है, जिसके माध्यम से अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से आने वाले प्रताड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय राष्ट्रीयता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की कि भारत में केंद्र या राज्य सरकारों या अर्ध-न्यायिक निकाय द्वारा जारी किया गया कोई भी दस्तावेज़ यह साबित करता है कि माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-दादी में से कोई भी तीन देशों में से किसी एक का नागरिक है या रहा है, स्वीकार्य होगा। गृह मंत्रालय का स्पष्टीकरण तब आया जब नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत भारतीय राष्ट्रीयता चाहने वाले कई आवेदकों को नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के एक विशेष खंड के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नागरिकता (संशोधन) नियमों 2024 के पहले खंड में कहा गया है, कोई भी दस्तावेज़ जो दर्शाता है कि आवेदक के माता-पिता या दादा-दादी या परदादा में से कोई भी तीन देशों यानी अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान में से किसी एक का नागरिक है या रहा है।अपने नवीनतम स्पष्टीकरण में, गृह मंत्रालय ने कहा, यह स्पष्ट किया जा सकता है कि अनुसूची -1 ए की क्रम संख्या 8 के तहत दस्तावेजों में केंद्र सरकार / राज्य सरकार / भारत में किसी भी न्यायिक या अर्ध न्यायिक निकाय द्वारा जारी किया गया कोई भी दस्तावेज शामिल हो सकता है। भूमि रिकॉर्ड, न्यायिक आदेश आदि के रूप में, यह पहचानना या प्रतिनिधित्व करना कि आवेदक या माता-पिता या दादा-दादी या परदादा अफगानिस्तान या बांग्लादेश या पाकिस्तान के नागरिक थे। इसमें कहा गया है, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 (सीएए) के तहत किसी भी नागरिकता आवेदन पर निर्णय लेते समय उपरोक्त स्पष्टीकरण पर ध्यान दिया जा सकता है।

रास में जया बच्चन ने सभापति धनखड़ के लहजे पर जताई आपत्ति

● सदन में हुआ हंगामा

भाषा। नई दिल्ली

राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताई जिसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। सभापति ने विपक्ष को मर्यादित आचरण करने के लिए कहा वहीं विपक्षी सदस्यों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया।
उच्च सदन में शून्यकाल समाप्त होने और प्रश्नकाल शुरू होने से पहले कांग्रेस के सदस्यों ने कहा कि कुछ दिन पहले भाजपा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बारे में सदन में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और इस बारे में सभापति ने कहा था कि वह अपनी व्यवस्था देंगे। क ां ग्रे स सदस्यों ने दावा किया कि तिवाड़ी का लहजा और उनके शब्द संसद की गरिमा के अनुरूप नहीं थे। इसी मुद्दे पर आसन की अनुमति से द्रमुक सदस्य तिरुचि शिवा ने अपनी बात रखी और फिर सभापति ने सपा सदस्य जया बच्चन के अनुमति मांगने पर उनसे बोलने को कहा। मैं जया अमिताभ बच्चन यह बोलना चाहती हूं। मैं कलाकार हूं, बॉडी लैंग्वेज समझती हूं, एक्सप्रेशन (भाव भंगिमा) समझती हूं। और महोदय, मुझे माफ कीजिएगा। मगर आपका टोन जो है, यह स्वीकार्य नहीं.... ।

विपक्षी दलों के सदस्य आत्मनिरीक्षण करें

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को विपक्षी सदस्यों के सदन से बहिर्गमन करने पर अफसोस जताते हुए कहा कि उन्हें गहराई से आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। इससे पहले विपक्षी सदस्यों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दिए जाने का आसन पर आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन किया था। सभापति ने कहा कि सदन में आज जो दृश्य बना, उसका पूरा सदन गवाह बना और पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा सहित वरिष्ठतम सदस्यों ने इस संबंध में अपनी पीड़ा व्यक्त की। धनखड़ ने कहा, मैंने सदन की कार्यवाही इस बात को ध्यान में रखते हुए स्थगित की ताकि सदन सभी सदस्यों के उपस्थित होने पर ही बेहतर ढंग से कार्य किया जा सके। सदन के प्रत्येक सदस्य ने संविधान के तहत शपथ ली है।

आसन के अधिकार को चुनौती नहीं दी जानी चाहिए: रीजीजू

नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि प्रत्येक सांसद को संसदीय नियमों और परंपराओं का पालन करना चाहिए तथा सभापति के अधिकार को चुनौती नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने यह टिप्पणी विपक्ष द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगाए जाने के बाद की। रीजीजू ने कहा कि वह आसन से जुड़े मामले पर टिप्पणी नहीं कर सकते, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि कुछ भी ऐसा नहीं होना चाहिए जो आसन के अधिकार को चुनौती देने जैसा हो। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम नियमों और स्थापित परंपराओं से बंधे हैं। प्रत्येक सदस्य को उनका पालन करना चाहिए। मुझे लगता है कि अगर अनुचित चीजें हुई हैं तो हम सभी आत्मनिरीक्षण करेंगे।

माकपा के दिग्गज नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

भाषा। कोलकाता

कोलकाता में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के प्रदेश मुख्यालय में शुक्रवार को हजारों लोगों ने लंबी कतार में खड़े होकर पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को अंतिम श्रद्धांजलि दी। शोक व्यक्त करने वालों में से कई पार्टी समर्थक थे, वहीं कुछ ऐसे भी थे जो मार्क्सवादी विचारधारा को नहीं मानते, लेकिन ऐसे व्यक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करने आए थे जिसे उनकी सादगी और साफगोई के लिए जाना जाता था। मार्क्सवादी नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य का बृहस्पतिवार को यहां उनके निवास पर 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। भट्टाचार्य को साम्यवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और राज्य के औद्योगीकरण के लिए उनके व्यावहारिक दृष्टिकोण के लिए याद किया जाएगा। शोक संतप्त लोगों में से कुछ ने नम आंखों से जबकि कइयों ने मुट्ठी बांधकर लाल सलाम के जरिए भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी। इनमें कई लोग भट्टाचार्य की तस्वीरें भी लिए हुए थे। भट्टाचार्य के पार्थिव शरीर को पार्टी के लाल झंडे में लपेटकर माकपा के प्रदेश मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था। भट्टाचार्य के पार्थिव शरीर को कांच के एक ताबूत में रखा गया था जिसके चारों ओर फूल रखे हुए थे। माकपा के वरिष्ठ सदस्यों के साथ-साथ अनुभवी नेताओं से लेकर युवा नेताओं ने भट्टाचार्य को श्रद्धांजलि दी।

हिमाचल के शिमला में स्क्रब टाइफस से पहली मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला शहर में स्क्रब टाइफस से पहली मौत होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पंथाघाटी इलाके के 91 वर्षीय एक व्यक्ति की यहां इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) में स्क्रब टाइफस के इलाज के दौरान मौत हो गई। स्क्रब टाइफस एक संक्रामक बीमारी है जो ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक जीवाणु के कारण होती है। इससे चकत्ते, बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द और अन्य समस्याएं होती हैं। अधिकारियों ने बताया कि व्यक्ति दो अगस्त को स्क्रब टाइफस से संक्रमित पाया गया था और उसका उपचार किया जा रहा था। बुधवार को उसकी मौत हो गई। शिमला के आईजीएमसी में अब तक स्क्रब टाइफस के 44 मामले सामने आ चुके हैं।

अवीवा बीमा उद्योग में नया बदलाव लाने के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारत की सबसे भरोसेमंद निजी जीवन बीमा कंपनी अवीवा लाईफइंश्योरेन्स ने आज दो इन्श्योरेन्स प्लान्स. अवीवा सिग्नेचर इन्वेस्टमेन्ट प्लान. प्लेटिनम और एन्हान्स्ड अवीवा सिग्नेचर 3डी टर्म प्लान विद प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज. के साथ अपनी प्रमुख सिग्नेचर सीरीज़ का विस्तार किया है। इस पेशकश के साथ अवीवा अपने प्रोडक्ट्स में प्रीवेन्टिव वैलनैस को शामिल करने वाला पहला ब्राण्ड बन गया है। इस आधुनिक प्रोडक्ट एवं प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज का लॉन्च असित रथ सीईओ एवं एमडीए अवीवा इंडिया द्वारा गुरूग्राम स्थित द लीला एम्बिएन्स में किया गया। इस अवसर पर नोइस के सह.संस्थापक अमित खत्री फिटरोफ्य के सीईओ पुनीत मनचंदा, डीआरस्टोर के मैनेजिंग डायरेक्टर नीरज कटारे भी मौजूद रहे, जिनके सहयोग से प्रीवेन्टिव वैलनैस पैकेज तैयार किया गया है। इस अवसर विनीत कपाही हैड ऑफ मार्केटिंग मौजूद रहे।

हैण्डलूम दिवस का जश्न मना

मुंबई। परम्परा और आधुनिक स्टाइल का तालमेल बनाते हुए टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा ने नेशनल हैण्डलूम दिवस के उपलक्ष्य में अपने खादी कलेक्शन को गर्व के साथ प्रस्तुत किया। भारत के प्राचीन अतीत से प्रेरित खादी सदियों और पीढ़ियों के दौरान लगातार विकसित हुई है। प्राचीन सिंधु सभ्यता से लेकर जहां इसे कुशल हाथों से बुना जाता था, खादी ने लम्बा इतिहास देखा है। आजादी की लड़ाई के दौरान यह आत्मनिर्भरता और प्रत्यास्थता का प्रतीक बन गई। इनोवेशन को बनाए रखते हुए तनाएरा ने अपने खादी कलेक्शन में 'इम्प्रेशन प्रिंटिंग' तकनीक को शामिल किया है, जो प्रकृति की कलाकारी और आधुनिक सौंदर्य का आकर्षक संयोजन है। प्रकृति एवं रेट्रो-इम्प्रेशन से प्रेरित इस कलेक्शन को पत्तियों के प्रिंट, ब्लॉक प्रिंट, हैण्ड पेंट और बुनाई से सजाया गया है। तनाएरा के सीईओ अम्बुज नारायण ने कहा, ''हमारा मानना है कि खादी सिर्फ एक फैब्रिक नहीं बल्कि हमारे देश की भावना का प्रतीक भी है। सभी सभ्यताओं में खादी का विशेष महत्व रहा है, जो सांस्कृतिक धरोहर के समृद्ध ताने-बाने को दर्शाती है।

फोनपे ने लाइफ इंश्योरेंस को बनाया आसान

मुंबई। फोनपे ने आज अपने प्लेटफॉर्म पर प्री-अप्रूव्ड टर्म लाइफ इंश्योरेंस फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। इस फीचर का उद्देश्य पॉलिसी खरीद के समय इनकम प्रूफ की जरुरत को खत्म करके लाखों भारतीयों के लिए इंश्योरेंस कवरेज को अधिक आसान और किफायती बनाना है। इस लॉन्च के साथ, फोनपे इंश्योरेंस प्रोडक्ट लेने में उसे आसान बनाकर भारत में वित्तीय रूप से कमजोर वर्ग के लिए एक नया अध्याय शुरू कर रहा है, जिससे लोगों को परेशानी मुक्त आय को वेरिफिकेशन किए बिना जल्द और आसानी से लाइफ इंश्योरेंस लेने की सुविधा मिलेगी। कंपनी ने अपने प्लेटफॉर्म पर इस सुविधा को शुरू करने के लिए प्रमुख इंश्योरेंस कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की है। लॉन्च पर बात करते हुए, फोनपे इंश्योरेंस ब्रोकिंग सर्विसेज के सीईओ विशाल गुप्ता का कहना है कि,हम अपने प्लेटफॉर्म पर 'प्री-अप्रूव्ड सम एश्योर्ड फीचर के लॉन्च की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं।

सिद्धार्थनगर में बस ने मारी मोटरसाइकिल को टक्कर, महिला एवं बच्ची की मौत

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर जिले के डुमरियागंज क्षेत्र में खीरा मंडी के पास शुक्रवार को एक तेज रफ्तार बस ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी जिससे दोपहिया वाहन पर सवार एक महिला और बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। शोहरतगढ़ के सीओ सर्वेश सिंह ने बताया कि त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में तरहर ग्राम सभा निवासी प्रतीक गिरि अपनी बहन किरन गिरि (31) और तीन वर्षीय भांजी सिद्धि को लेकर मोटरसाइकिल से अपने गांव जा रहा था, तभी डुमरियागंज के खीरा मंडी के पास तेज रफ्तार एक बस ने उसके दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी।

भाजपा-जदएस नेताओं को मेरा इस्तीफा मांगने का कोई नैतिक अधिकार नही है : सिद्धरमैया

भाषा। मैसुरू (कर्नाटक)

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कथित भूमि घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) द्वारा निकाले गए मैसुरू चलो मार्च की शुक्रवार को आलोचना की और कहा कि विपक्षी दलों के किसी भी नेता को उनसे सवाल करने का नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने लोगों से मनुवादियों को बाहर निकालने का आह्वान किया। कर्नाटक में भाजपा-जद (एस) ने कथित मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण स्थल (एमयूडीए) आवंटन घोटाले के खिलाफ मैसुरू चलो पदयात्रा शुरू की है जो शनिवार को समाप्त होगी। बेंगलुरु से मैसुरू तक की यह यात्रा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के इस्तीफे की मांग को लेकर की जा रही है। विपक्षी दलों का आरोप है कि एमयूडीए ने उन लोगों को मुआवजे के तौर पर भूखंड वितरित करने में अनियमितता बरती, जिनकी जमीन का अधिग्रहण किया गया है। मुआवजे के तौर पर भूखंड प्राप्त करने वालों में सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती भी शामिल हैं। ऐसा आरोप है कि पार्वती को मैसुरु के एक पॉश इलाके में मुआवजे के तौर पर ऐसा भूखंड आवंटित किया गया, जिसका मूल्य उनकी उस जमीन की तुलना में अधिक था, जिसका एमयूडीए ने अधिग्रहण किया था। सिद्धरमैया ने विपक्ष के आरोपों और उसकी पदयात्रा का जवाब देने के लिए आयोजित विशाल जन आंदोलन सम्मेलन में कहा, नौ अगस्त अंग्रेजों को भारत से बाहर निकालने के लिए किए गए ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ है। आज हमें सांप्रदायिक, जातिवादी और सामंती लोगों को बाहर निकालना है। हमें उन मनुवादियों, जातिवादियों और सामंतों का विरोध और निंदा करनी है जो पिछड़े और शोषित लोगों को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ : तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

भाषा। बीजापुर,

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में तीन नक्सलियों ने शुक्रवार को सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इन तीन में से दो नक्सलियों के सिर पर इनाम था।अधिकारियों ने बताया कि तीन नक्सलियों रमेश फरसा (24), महिला नक्सली मनकी माड़वी (22) और लक्ष्मण पोटाम (22) ने आत्मसमर्पण किया।उन्होंने बताया कि नक्सली रमेश फरसा और मनकी माड़वी के सिर पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम था।अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की विकास विरोधी भेदभाव पूर्ण नीति, उपेक्षा और जीवन शैली क्षुब्ध होकर आत्मसमर्पण किया।

सीबीआई ने अबूधाबी से वांछित आतंकवादी को लाने के लिए एनआईए और इंटरपोल के बीच समन्वय किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी तरसेम सिंह को अबूधाबी से यहां लाने के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) तथा इंटरपोल के बीच समन्वय किया और उसके यहां पहुंचने पर उसे गिरफ्तार किर लिया गया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। तरसेम सिंह मोहाली में स्थित पंजाब पुलिस के इंटेलिजेंस मुख्यालय पर आरपीजी हमले और अन्य आतंकी मामलों में वांछित है।

क्विक न्यूज

कोलकाता के अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक का शव पाया गया, परिवार ने दुष्कर्म का आरोप लगाया

कोलकाता। कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल के सेमिनार हॉल में शुक्रवार को एक परास्नातक प्रशिक्षु (पीजीटी) महिला चिकित्सक का अर्ध निर्वस्त्र शव पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृत पाई गई प्रशिक्षु चिकित्सक छाती रोग चिकित्सा विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी, और बृहस्पतिवार की रात ड्यूटी पर तैनात थी। प्रशिक्षु चिकित्सक के शव पर चोट के निशान मिले है। प्रशिक्षु चिकित्सक के पिता ने आरोप लगाया कि आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के अंदर उसके साथ बलात्कार किया गया और इसके बाद उसकी हत्या कर दी गई तथा अब सच्चाई को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, प्रशिक्षु चिकित्सक का शव उसके साथियो ने इमरजेंसी भवन के सेमिनार हॉल से बरामद किया। हम चिकित्सकों, नर्सों और अन्य लोगों से बात कर रहे हैं जो कल रात उसके साथ ड्यूटी पर थे। मामले की जांच की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने महिला के माता-पिता को फोन किया और उन्हें दोषियों के खिलाफ उचित कार्वाई का आश्वासन दिया। पीड़िता के पिता ने कहा, मैं इस बात से बिल्कुल आश्वस्त हूं कि मेरी बेटी की हत्या करने से पहले उसके साथ बलात्कार किया गया है। उसके शरीर पर चोट का निशान इसका साक्ष्य है। वह अर्ध निर्वस्त्र अवस्था में मिली है।

श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के 35 मछुआरों को गिरफ्तार किया, चार नौकाएं जब्त

रामनाथपुरम (तमिलनाडु)। तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के पंबन के लगभग 35 मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने कथित तौर पर अपने जलक्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया है। मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पंबन के मछुआरों द्वारा मछली पकड़ने के लिए इस्तेमाल की गई चार देशी नौकाओं को बृहस्पतिवार को जब्त कर लिया गया। उन्होंने बताया कि इन्हें कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) का उल्लंघन करने के आरोप में जब्त किया गया है। मछुआरों को श्रीलंका के उत्तर-पश्चिमी समुद्र में मन्नार के दक्षिण में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा पकड़ा गया। इस दौरान वे कथित तौर पर श्रीलंकाई जलक्षेत्र में मछली पकड़ रहे थे। बाद में उन्हें कल्पितिया मत्स्य अधिकारियों को सौंप दिया गया। यह गिरफ्तारी श्रीलंका की एक अदालत द्वारा पूर्व में हिरासत में लिए गए 13 मछुआरों को रिहा करने के आदेश के बाद हुई है। गिरफ्तारी की निंदा करते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने दावा किया कि केंद्र सरकार मछुआरों की लगातार हो रही गिरफ्तारी के स्थाई समाधान को सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम नही उठा रही है।

एलएंडटी ने शुरू की डिजिटल सखी परियोजना

कुशीनगर। देश की लीडिंग नॉन.बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों एनबीएफसी में शामिल एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने अपने प्रमुख कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी प्रोजेक्ट डिजिटल सखी को उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कार्यक्रम एलटीएफके डिजिटल और वित्तीय समावेशन वर्टिकल के अंतर्गत है। यह कार्यक्रम महिलाओं को डिजिटल फाइनेंशियल लिटरेसी यानी डिजिटल वित्तीय साक्षरता डीएफएल के माध्यम से अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने और महिलाओं के लिए स्थायी आजीविका बनाने में मदद करने के लिए सशक्त बनाता है। इन उद्देश्यों को हासिल करकेए कंपनी का इरादा ग्रामीण महिलाओं और उनके परिवारों के जीवन पर महत्वपूर्ण और पॉजिटिव असर डालनाए क्षेत्र में वित्तीय उत्पादों तक सभी की पहुंचए उद्यमिता और लगातार होने वाले विकास को बढ़ावा देना है। डिजिटल सखी कार्यक्रम की प्रगति के बारे में एलटीएफमें कंपनी सेक्रेटरी एंड चीफसस्टेनेबल ऑफिसर अपूर्वा राठौड़ ने कहा कि हमारा डिजिटल सखी प्रोजेक्ट ग्रामीण समुदायों में महिलाओं के बीच डिजिटल गैप को भरने और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। पिछले साल गोरखपुर में कार्यक्रम शुरू करने के बादए हम इस साल इसका कुशीनगर तक विस्तार कर रहे हैं। ये डिजिटल सखियां 400 से अधिक गांवों को शिक्षित करेंगी और 2028 के अंत तक 5,00,000 से अधिक लोगों तक पहुंचेंगी। वे लगभग 1,000 ग्रामीण महिला उद्यमियों की पहचान करेंगी और उनको सपोर्ट करेंगी।

नए युग से प्रेरित होंगे वैश्विक परिधान

बैंगलोर। 500 से अधिक स्टोर्स और उत्पाद के साथ भारत भर में मजबूत उपस्थिति के साथ दुबई का अग्रणी अंतरराष्ट्रीय फैशन हाउस, मैक्स फैशन ने अपने नए कलेक्शन को लॉन्च करने के लिए बॉलीवुड सनसनी अलाया एफके साथ साझेदारी की घोषणा की है, जिसे युवाओं की बढ़ती मांग और ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह सहयोग एक इलेक्ट्रीफाईंग डिजिटल अभियान के साथ शुरू होता है जो फैशन, संगीत और आत्म.अभिव्यक्ति के संलयन का जश्न मनाता ह, जो ब्रांड के लक्षित ग्राहकों के सार को पूरी तरह से पकड़ लेता है। उभरते सितारे के साथ अलायंस रणनीतिक रूप से फैशन फॉरवर्ड ग्राहकों को लक्षित करता है और क्यूरेटेड स्टाईल के साथ मैक्स फैशन के पोर्टफोलियो के एक महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतिनिधित्व भी करता है जो पूरे भारत में युवा फैशन के उत्साही लोगों के साथ जुड़ता है। साझेदारी चार अलग-अलग कहानियों वाला एक विविध संग्रह पेश करती है। मैक्स फैशन इंडिया की मार्केटिंग प्रमुख पल्लवी पांडे कहती हैं हमें अलाया एफएक्स मैक्स अर्बन पार्टनरशिप पर बेहद गर्व है और यह विश्वास है कि अलाया का कलेक्शन ब्रांड की चर्चा को आगे बढ़ाएगाए युवाओं को अपनी शर्तों पर फैशन को फिर से परिभाषित करने के लिए यह सशक्त बनाएगा।

डायसन का डेमो स्टोर बनेगा आकर्षण

नोएडा। डायसन इंडिया ने अपना पहला डायसन डेमो स्टोर लुलु मॉल में लॉन्च किया है। शहर के सबसे बड़े मॉल्स में से एक स्थित इस डायसन डेमो स्टोर में डायसन के सभी उत्पाद मिलेंगे। इस स्टोर में ग्राहकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि डायसन टेक्नोलॉजी कैसे काम करती है।यहाँ पर ग्राहकों को देखने को मिलेगा कि डायसन वैक्यूम कितना प्रभावशाली काम करता हैं, और अलग-अलग तरह के फर्श से किस प्रकार अदृश्य अनाज और कागज के टुकड़े विभिन्न तरह की धूल आदि को साफ कर देता है। हवा की गुणवत्ता के प्रदर्शन के साथ उन्हें हाथों-हाथ इनडोर एयर क्वालिटी में सुधार होते देखने को भी मिलेगा। इस स्टोर में दो डायसन स्टाईलिंग स्टेशन भी हैं, जहाँ ग्राहक लेटेस्ट डायसन ब्यूटी टेक्नोलॉजी की मदद से अपने बालों को स्टाईल करा सकेंगे। डायसन इंडिया के एमडी, अंकित जैन ने कहा, ''डायसन में हमारा मानना है कि डायसन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके देखना इसका अनुभव पाने का सबसे अच्छा तरीका है।

ऑर्गेनिक लिविंग का मिलेगा आनंद

कानपुर। उत्तर भारत के मैनचेस्टर, कानपुर में लंबे इंतजार के बाद रोमियो लेन शुरू हो गया है, जहाँ ऑर्गेनिक लिविंग के साथ प्राकृतिक सौंदर्य और मीठी धुनों के बीच खाने-पीने के शौकीनों को एक मधुर अनुभव प्राप्त होगा। अपनी खूबसूरत सनसेट रूफटॉप, स्वादिष्ट खाने, खुशनुमा वातावरण, और बेहतरीन बेवरेजेस के साथ यह कानपुर में नाईटलाईफ और लजीज स्वाद की दुनिया का एक नया युग शुरू कर रहा है। रोमियो लेन अपने खास अनुभव के लिए मशहूर है, जो कानपुर एवं आस-पास के लोगों को डाईनिंग और मनोरंजन का बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार है। यह महत्वपूर्ण अवसर समग्र जीवन की ब्रांड की प्रतिबद्धता की ओर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह रेस्टोरेंट 'रोमियो लेन, बर्च बाय रोमियो लेन एंड मामा? बोय' का विचार देने वाले सौरभ लूथरा की कल्पना है। यहाँ सस्टेनेबिलिटी से स्वाद का सहज संगम होता है। सौरभ लूथरा, चेयरमैन- रोमियो लेन, बर्च बाय रोमियो लेन एंड मामा? बोय ने कहा, ''जैसे-जैसे समाज विकास की ओर बढ़ रहा है, रोमियो लेन न केवल कानपुर, बल्कि पूरे उत्तर भारत में खाने-पीने की संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा बनता जा रहा है और इस पूरे क्षेत्र में इसका निरंतर विस्तार हो रहा है।

बिरला कॉर्पोरेशन ने कॉन्ट्रैक्टिंग मार्केट में सफलता पाई

कोलकाता। असामान्य रूप से कमजोर सीमेंट की कीमतों और मांग में सुस्ती के साथ.साथ जूट इंडस्ट्री में अभूतपूर्व मंदी ने बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड की जून तिमाही की लाभप्रदता को प्रभावित किया है। मॉनसून और अन्य कारकों के चलते सीमेंट की मांग में कमी मुकुटबन यूनिट में क्षमता उपयोग में सुधार के कारणए मात्रा के हिसाब से कंपनी की बिक्री में सिर्फ1 प्रतिशत से भी कम की कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही इसके जूट डिवीजन को जून तिमाही में झटका लगा क्योंकि सरकार ने जूट बैग के ऑर्डर कम कर दिए और शॉपिंग बैग का निर्यात लॉजिस्टिक बाधाओं के कारण बाधित हो गया। जून तिमाही के लिए कंपनी का कंसोलिडेटेड राजस्व 9 प्रतिशत की कमी के साथ 2,207 करोड़ रुपये रहाए जबकि 275 करोड़ रुपये का एबिटिडा पिछले वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत कम था। तिमाही के दौरान मात्रा के हिसाब से सीमेंट की बिक्री 4.38 मिलियन टन रही। जो पिछले साल की समान अवधि में 4.41 मिलियन टन थी। इसका मतलब है कि क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत है, जो रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की अनुमानित पूरे साल की औसत क्षमता उपयोग 71 प्रतिशत से काफी आगे है।जून तिमाही के लिए प्रति टन 4,820 रुपये की प्राप्ति पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत कम थी। प्रतिकूल बाजार स्थितियों के बीचए बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड को बिजली और ईंधन की लागत में और गिरावट से लाभ हुआए जो साल.दर.साल 20ः और क्रमिक रूप से 8ः गिर गई। फ्यूल मिक्स से अधिक से अधिक लाभ उठाने के साथ.साथए कंपनी ने कुल बिजली खपत में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी बढ़ाकर 27प्रतिशत कर दी जो पिछले साल की समान अवधि में 23प्रतिशत और मार्च तिमाही में 25प्रतिश थी। कंपनी ने सीमेंट डिवीजन के लिए अपने कच्चे माल की लागत में भी पिछले वर्ष की तुलना में 4प्रतिशत की कमी की है।

भारत और जर्मनी के बीच हरित एवं सतत विकास भागीदारी दीर्घकालिक साझेदारी है: जर्मन राजदूत

भाषा। नई दिल्ली

भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा है कि जर्मनी-भारत हरित एवं सतत विकास साझेदारी एक दीर्घकालिक भागीदारी है और चांसलर ओलाफ शॉल्ज जब अक्टूबर में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे तो इसके "बहुत अच्छे परिणाम" सामने आएंगे। एकरमैन ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में जर्मन दूतावास में पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में यह भी कहा कि यह साझेदारी भारत और जर्मनी के बीच मित्रता में "प्रगाढ़ता व निकटता" को दर्शाती है। शॉल्ज और मोदी ने मई 2022 में जर्मन-भारतीय हरित एवं सतत विकास साझेदारी (जीएसडीपी) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका उद्देश्य सतत विकास के 2030 के एजेंडे और पेरिस समझौते के उद्देश्यों को हासिल करने की दिशा में विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है। एकरमैन ने कहा, भारत और जर्मनी ने हरित और सतत विकास के लिए एक साझेदारी विकसित की है और यह साझेदारी जलवायु परिवर्तन, स्मार्ट सिटी, जैव विविधता समेत कई मामलों से जुड़ी है। आज हम जो जलवायु वार्ताएं कर रहे हैं वे इसी साझेदारी के तहत की जा रही हैं।

जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध: निर्वाचन आयुक्त

भाषा। जम्मू

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।आयोग के प्रतिनिधिमंडल की दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर यात्रा खत्म होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों ने जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने का पुरजोर समर्थन किया है।पांच अगस्त, 2019 को संविधान का अनुच्छेद 370 निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद यहां पहली बार विधानसभा चुनाव कराने के लिहाज से यह एक बड़ी कवायद है। उच्चतम न्यायालय ने 30 सितंबर से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया है, जिसके मद्देजनर कुमार के नेतृत्व में आयोग के तीन सदस्ईय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्र शासित प्रदेश का दौरा किया है। कुमार ने कहा, हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि लोग विघटनकारी ताकतों को मजबूती से जवाब देंगे। जब भी चुनाव होंगे हम मतदाताओं की भागीदारी में वृद्धि देखेंगे। चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार एवं एसएस संधू की मौजूदगी में सीईसी ने कहा कि आयोग ने अपनी राज्य स्तरीय समीक्षा पूरी कर ली है और इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र में विधानसभा चुनाव कराने का यह सही समय है। विधानसभा चुनाव की तिथि के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, हम पिछले संसदीय चुनावों की सफलताओं को बरकरार रखने के लिए तैयार हैं। हम सबसे पहले नई दिल्ली में सुरक्षा बलों की उपलब्धता की समीक्षा करेंगे। उच्चतम न्यायालय की ओर से तय की गई 30 सितंबर की समयसीमा को ध्यान में रखा जाएगा। इसके बाद हम आपको सूचित करेंगे। कुमार ने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव का समय विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, इस साल चार - पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, प्रत्एक की अलग-अलग समय सीमा है और हम उसके लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा समाप्त होने के साथ ही दिल्ली में सुरक्षा स्थिति और बल की जरूरतों का आकलन किया जाएगा। सीईसी के नेतृत्व वाली टीम ने अपनी यात्रा के दौरान श्रीनगर में नौ राजनीतिक दलों - भाजपा, कांग्रेस, आप, बसपा, माकपा, नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम), और जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी (इंडिया) के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके विचार जाने। कुमार ने कहा, ए राज्य में मान्यता प्राप्त दल हैं. सभी दलों ने एक सुर में जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण व ऐतिहासिक संसदीय चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की सराहना की। उन्होंने कहा, उन्होंने स्वीकार किया कि बड़े मत प्रतिशत के साथ मतदान होना ऐतिहासिक उपलब्धि थी, जिसमें कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ा है। जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे। हालांकि, अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विभाजित करके दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद विभिन्न कारणों से विधानसभा चुनाव नहीं हो पाए, जिनमें से एक कारण परिसीमन था, जो 2022 में पूरा हुआ।

मुफ्ती की नियंत्रण रेखा पार व्यापार और बस सेवा फिर से शुरू करने की मांग

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार व्यापार और जम्मू-कश्मीर में बस सेवा फिर से शुरू करने की शुक्रवार को मांग की। मुफ्ती ने कहा कि यह लोगों के लिए विश्वास बहाली के एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में काम करेगा और क्षेत्र मे सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा मे एक कदम होगा। मुफ्ती ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर कहा कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार और यात्रा भारत तथा पाकिस्तान के बीच अब तक का सबसे बड़ा विश्वास-निर्माण उपाय (सीबीएम) रहा है और इसने जम्मू-कश्मीर और (भारतीय) उपमहाद्वीप मे शांति स्थापना के नए रास्ते खोले है, जिनमें आगे बढ़ने पर क्षेत्र मे स्थाई शांति लाने की क्षमता है। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले मे उरी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर मे मुजफ्फराबाद के बीच नियंत्रण रेखा पार बस सेवा 2005 मे शुरू की गई थी और इसके बाद 2008 मे उरी और पुंछ के माध्यम से नियंत्रण रेखा पार व्यापार खोला गया। हालांकि, केंद्र ने 2019 मे बस सेवा और व्यापार को रोकदिया था और आरोप लगाया था कि कुछ राष्ट्र-विरोधी तत्व व्यापार की आड़ मे इस मार्ग का इस्तेमाल हवाला धन, मादक पदार्थ और हथियारो की तस्करी के लिए कर रहे हैं। पीडीपी अध्यक्ष मुफ्ती ने इस मुद्दे पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार से जुड़े व्यापारी संकट मे है और उन्हे कठिनाइयो का सामना करना पड़ रहा है।

बीएसएफ ने जम्मू में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि के आलोक में दोनों राज्यों की सीमा पर सुरक्षा बढ़ाई

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पंजाब फ्रंटियर प्रमुख अतुल फुलजेले ने शुक्रवार को कहा कि जम्मू में भारत-पाकिस्तान सीमा पर आतंकवादी घटनाओ मे वृद्धि के मद्देनजर बल ने सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए पंजाब-जम्मू अंतरराज्ईय सीमा पर जवानों की संख्या में भारी वृद्धि की है और सीसीटीवी लगाए है। फुलजेले ने यहां फ्रंटियर मुख्यालय मे संवाददाता सम्मेलन मे बताया कि पठानकोट जिले मे अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है, जो जम्मू से सटा हुआ है। उन्होंने कहा, हमने अब यहां पर अतिरिक्त तैनाती बिंदुओ के साथ नाके (पोस्ट) स्थापित किए है और बड़ी संख्या मे सीसीटीवी लगाए है। हम इस क्षेत्र मे पूरी तरह सतर्क है। सुरक्षा उपायों मे यह वृद्धि जम्मू क्षेत्र मे आतंकवादी गतिविधियो मे वृद्धि के मद्देनजर की गई है, जिसके कारण पिछले कुछ महीनों मे 20 से अधिक सुरक्षा कर्मियों और नागरिकों ने जान गंवाई है। उन्होंने कहा कि हम रावी और सतलुज नदी क्षेत्रों पर भी "बड़ी संख्या मै क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन (सीसीटीवी) कैमरे लगाकर अपना दबदबा बना रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही मे ओडिशा से बीएसएफ की दो बटालियन को जम्मू और पंजाब-जम्मू सीमा पर तैनात करने का आदेश दिया है। पंजाब मे मादक पदार्थ की सीमापार से तस्करी के खतरे के बारे मे आईजी ने कहा कि तस्करी अब जमीन के रास्ते नही बल्कि ड्रोन के जरिए हवाई मार्ग से हो रही है। उन्होंने कहा कि इस सीमा पर ड्रोन के खतरे के बारे मे उनके विश्लेषण से पता चलता है कि ड्रोन उड़ाना राज्य प्रायोजित तत्वों और अधिकारियों की मौन सहमति और अनुमति के बिनै संभव नही, जो इन नशीले पदार्थों, हथियारो और गोला-बारूद से लदे मानव रहित हवाई वाहनो (यूएवी) को भारत और पंजाब मे भेज रहे है। आईजी ने कहा, "पंजाब मे सीमा पार से आने वाले सभी मादक पदार्थ अब ड्रोन के जरिए आ रहे है। फुलजेल ने कहा कि उन्होंने यह भी देखा है कि पिछले साल अक्टूबर से बड़े ड्रोन आने बंद हो गए है और अब छोटे ड्रोन, जो बहुत कम आवाज करते है और दिखाई नही देते है, पाकिस्तान से भारत भेजे जा रहे है। आईजी ने कहा कि बीएसएफ ने विश्लेषण किया और ड्रोन का गहराई सै पता लगानै के लिए एक नई रणनीति अपनाई और उन्हे उनके द्वारा गिराए जाने वाले सामान हेरोइन, पिस्तौल और गोलियो के साथ बरामद किया।

रूस ने कुर्स्क में आपातकाल की घोषणा की

● यूक्रेन में मॉल पर रूसी हमले में 10 लोगों की मौत

भाषा। कीव

रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति को संघीय स्तर का आपातकाल घोषित कर दिया और शुक्रवार को वहां अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा। चार दिन पहले सैकड़ों यूक्रेनी सैनिकों के सीमा पार कर आने के बाद यह कार्वाई की गई। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि एक रूसी विमान द्वारा दागी गई मिसाइल दिन में एक यूक्रेन के शॉपिंग मॉल में जा गिरी, जिसमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 35 अन्य घायल हो गए। पूर्वी दोनेत्स्क क्षेत्र के कोस्टियनटिनिव्का में स्थित यह मॉल शहर के आवासीय क्षेत्र में स्थित है। हमले के बाद इसके ऊपर घना काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। डोनेट्स्क क्षेत्रीय प्रमुख वादिम फिलाशकिन ने एक टेलीग्राम पोस्ट में कहा, यह भीड़भाड़ वाली जगह पर एक और लक्षित हमला है और रूस द्वारा आतंकवादी कार्वाई का यह एक और कृत्य है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन के सैनिकों द्वारा सीमा पार घुसपैठ का मुकाबला करने के लिए कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त बल भेजे जा रहे हैं। समाचार एजेंसी आरआईए-नोवोस्ती ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से अपनी खबर में बताया कि रूस कई रॉकेट लांचर, तोप और टैंक तैनात कर रहा है। कुर्स्क के कार्यवाहक गवर्नर एलेक्सी स्मिरनोव ने टेलीग्राम पर कहा, कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति मुश्किल बनी हुई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को इस घुसपैठ को बड़े पैमाने पर उकसावे वाली कार्वाई बताया था। पुतिन ने असैन्य भवनों, आवासीय इमारतों, एंबुलेंसों पर विभिन्न प्रकार के हथियारों से अंधाधुंध गोलाबारी किए जाने का दावा करते हुए इस पर चर्चा करने के लिए अपने शीर्ष रक्षा एवं सुरक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

ब्राजील ने निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने को कहा

साओ पाउलो। ब्राजील की सरकार ने बृहस्पतिवार को मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ के राजदूत को देश छोड़ने का आदेश दिया इससे पहले निकारागुआ के राष्ट्रपति डैनियल आर्टेगा ने ब्राजील के राजदूत को देश से जाने का आदेश सुनाया था। ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने निकारागुआ के राजदूत फुल्विया पेट्रीसिया कास्त्रो माटू को निष्कासित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय मानागुआ से ब्राजील के राजदूत को हटाने के निकारागुआ सरकार के कदम के बदले में लिया गया। बयान में कहा गया कि राजदूत ब्रेनो दा कोस्टा मध्य अमेरिकी देश छोड़ चुके हैं। निकारागुआ की सरकार ने कहा कि निकारागुआ और ब्राजील के राजदूतों ने अपने पद छोड़ दिए है, लेकिन उसने इस कदम के पीछे के कारणों के बारे में कोई जानकारी नही दी। कहा जा रहा है कि निकारागुआ की सैंडिनिस्टा क्रांति की 45वी वर्षगांठ के समारोह मे शामिल न होने के कारण दा कोस्टा को देश छोड़ने के लिए कहा गया। पिछले कुछ वर्षों में ओर्टेगा और ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला डी सिल्वा के बीच मतभेद बढ़ गए है।

हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं: संयुक्त राष्ट्र

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमलों की घटनाओं के बीच, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्ली आधार पर होने वाले किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को यहां कहा, यह स्पष्ट है कि हम सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हाल के सप्ताह में बांग्लादेश में जो हिंसा हो रही है उस पर नियंत्रण पाया जाए। निश्चित रूप से हम नस्ल आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं। वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों के संबंध में महासचिव की प्रतिक्रिया से जुड़े सवालों के जवाब दे रहे थे। सोमवार को प्रधानमंत्री शेख हसीना के पद से इस्तीफा देने और देश छोड़कर भारत आ जाने के बाद से जारी हिंसा में कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ की गई है और अवामी लीग से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने पर हक ने संयुक्त राष्ट्र की सरकार बनाने की एक समावेशी प्रक्रिया की आशाओं का उल्लेख किया और कहा, हम उम्मीद बरकरार रखे हुए हैं। शांति बहाली का कोई भी संकेत एक अच्छी चीज है। जब उनसे पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या फोन पर बात की है? तो हक ने कहा कि गुतारेस ने उनसे बात नहीं की है, लेकिन बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हई थीं। हक ने कहा, निश्चित रूप से, वह और देश की टीम सक्रिय तौर पर यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीनी स्तर पर परिवर्तन शांतिपूर्ण हो।

तुर्किए में बस दुर्घटना में नौ लोगों की मौत, 26 घायल

अंकारा। तुर्किए मे शुक्रवार को एक बस के सड़क किनारे एक खंभे से टकराने से उसमें सवार नौ लोगो की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।गवर्नर वासिप शाहिन ने हैबरटर्क टेलीविजन स्टेशन को बताया कि यह दुर्घटना राजधानी अंकारा से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) दूर पोलाटली शहर के निकट हुई।उन्होंने बताया कि बस पश्चिमी तुर्किए के इजमिर शहर से देश के पूर्व में एग्री शहर की ओर जा रही थी।उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद सड़क को बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि घायलो को पोलाटली और अंकारा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

चीन में एक बंदरगाह पर मालवाहक पोत में विस्फोट के बाद आग लगी

बीजिंग। चीन मे प्रशांत महासागर के तट पर स्थित एक प्रमुख बंदरगाह पर खतरनाक सामान से लदे एक मालवाहक पोत में जोरदार विस्फोट के बाद आग लग गई। सरकारी मीडिया और अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।सरकारी प्रसारणकर्ता सीसीटीवी चेनल की ओर से निगरानी कैमरे के वीडियो को ऑनलाइन माध्यम से प्रसारित किया गया है। वीडियो में सफेद धुंए का एक बड़ा गुबार दिखाई दे रहा है जिसके बाद नारंगी और पीले रंग का आग का गोला दिखा। सीसीटीवी चैनल के अनुसार शंघाई के दक्षिण में स्थित निंगबो-झोउशान बंदरगाह पर हुए विस्फोट और उसके बाद लगी आग से किसी के हताहत होने की खबर नही है। यह बंदरगाह दुनिया के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। माना जा रहा है कि पोत पर रखे गए एक कंटेनर में विस्फोट हुआ। प्रसारणकर्ता द्वारा पोस्ट की गई हवाई तस्वीर मे पोत के एक छोर पर रखे कंटेनरों के ढेर से और बंदरगाह के एक हिस्से से काला धुआं उठता हुआ दिखाई दिया। पोत और उसके कंटेनरों का बाकी हिस्सा सुरक्षित दिखाई दिया। झेजियांग प्रांत आपातकालीन प्रबंधन प्रशासन ने कहा कि पोत पर श्रेणी-पांच की खतरनाक सामग्री लदी हुई थी, हालांकि यह सामग्री क्या थी इसके सबंध मे जानकारी नही दी गई।

इमरान और बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिन तक बढ़ाई गई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक जवाबेदही अदालत ने तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले मे जेल मे बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की रिमांड 11 दिनो के लिए बढ़ा दी है। मीडिया मे शुक्रवार को जारी की गई खबरो मे यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान के अंग्रेजी अखबार द एक्सप्रेस ट्रब्यिून अखबार में प्रकाशित खबर मे कहा गया है कि जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नासिर जावेद राणा की अध्यक्षता मे रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल मे स्थापित अस्थाई अदालत कक्ष मे बृहस्पतिवार को मामले की सुनवाई की गई। न्यायाधीश राणा ने तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले मे खान और बीबी की 10 दिन की रिमांड समाप्त होने के बाद इसे 11 और दिनो के लिए बढ़ा दिया। पाकिस्तान-तहरीक-ए इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख नेता इमरान खान (71) कई मामलो मे दोषी ठहराए जाने के बाद पिछले एक साल से अधिक समय से अदियाला जेल में बंद है। उनकी पत्नी 49 वर्षीय बीबी भी उनके साथ जेल में बंद है। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने अदालत को बताया कि खान ने पिछले 10 दिनों की रिमांड के दौरान केवल दो बार जांच टीम के साथ सहयोग किया था। भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था ने अदालत से मामले की जांच के लिए अतिरिक्त 14 दिन की रिमांड सौंपने का अनुरोध किया था। खबर मे बताया गया कि हालांकि, अदालत ने दलीलें सुनने के बाद खान की प्रत्यक्ष रिमांड 11 दिन के लिए बढ़ाई और मामले की सुनवाई 19 अगस्त तक स्थगित कर दी। खान और बीबी पहले ही तोशाखाना के नए भ्रष्टाचार मामले के संबंध में 24 दिन की रिमांड अवधि को पूरा कर चुके है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर यूनुस ने संभाला कामकाज

● शांति बहाली मुख्य जिम्मेदारी

भाषा। ढाका

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के तौर पर बृहस्पतिवार को शपथ ली। देश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण प्रणाली के खिलाफ और फिर सरकार विरोधी व्यापक प्रदर्शनों के बीच शेख हसीना ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर चली गई थीं। बांग्लादेश में अफरा-तफरी के माहौल के बीच यूनुस ने देश की बागडोर संभाली है और उनके सामने फिलहाल देश में शांति बहाल करने और चुनाव कराने का जिम्मा है। यूनुस (84) को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने राष्ट्रपति भवन बंगभवन में आयोजित एक समारोह में मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ दिलाई जो प्रधानमंत्री के समकक्ष पद है। समारोह में राजनीतिक दलों के नेता, न्यायाधीश, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि, तीनों सेनाओं के प्रमुख, पुलिस महानिरीक्षक, वरिष्ठ सैन्य एवं असैन्य अधिकारी, राजनयिक, स्वतंत्रता सेनानी, वरिष्ठ पत्रकार एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस दौरान हसीना की पार्टी का कोई प्रतिनिधि मौजूद नहीं था। अंतरिम मंत्रिमंडल के 16 अन्य सदस्य मुख्य रूप से नागरिक समाज से जुड़े लोग हैं और इसमें छात्र आंदोलन के दो नेता भी शामिल हैं। मंत्रिमंडल के सदस्यों का चयन छात्र नेताओं, नागरिक समाज के प्रतिनिधियों और सेना के बीच हुई चर्चा के बाद किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूनुस को शुभकामनाएं दीं और देश में जल्द ही स्थिति सामान्य होने तथा हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस को नई जिम्मेदारी संभालने के लिए मेरी ओर से शुभकामनाएं। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी और हिंदुओं व अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा, भारत शांति, सुरक्षा व विकास के लिए दोनों देशों के लोगों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बांग्लादेश के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यूनुस ओलंपिक खेलों के लिए पेरिस गए थे। अपने आगमन के बाद ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संवाददाता सम्मेलन में यूनुस ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन को दूसरी आजादी बताया। पेशे से अर्थशास्त्री और बैंकर यूनुस को गरीब लोगों, विशेष रूप से महिलाओं की मदद के लिए माइक्रोक्रेडिट के उपयोग में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए 2006 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यूनुस को सबसे गरीब लोगों का बैंकर भी कहा जाता है। इसे लेकर उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ा था और एक बार हसीना ने यूनुस को खून चूसने वाला कहा था। यूनुस ने 1983 में ग्रामीण बैंक की स्थापना की ताकि उन उद्यमियों को छोटे ऋण उपलब्ध कराए जा सकें जो सामान्यत: उन्हें प्राप्त करने के योग्य नहीं होते। लोगों को गरीबी से बाहर निकालने में बैंक की सफलता ने अन्य देशों में भी इसी तरह के लघु वित्त पोषण के प्रयासों को बढ़ावा दिया।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बड़े देशों के साथ संबंधों में संतुलन चाहती है: हुसैन

ढाका। बांग्लादेश की नवगठित अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को बड़े देशो के साथ ढाका के संबंधो मे संतुलन बनाए रखने की आवश्यक्ता पर जोर दिया।विदेश मामलो के सलाहकार एवं पूर्व विदेश सचिव मोहम्मद तौहीद हुसैन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि कानून एवं व्यवस्था बहाल करना इस समय अंतरिम सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है तथा पहला लक्ष्य हासिल हो जाने के बाद अन्य कार्य भी हो जाएंगे। यूएनबी समाचार एजेसी की खबर के अनुसार उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश को सभी देशो के साथ अच्छे संबंध रखने की जरूरत है।हुसैन ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, हम सभी के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते है। हमें बड़े देशो के साथ संबंधो मे संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप मे शपथ ली थी। यूनुस को मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन द्वारा संसद भंग किए जाने के बाद अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया था। इससे पहले, नौकरियो मे आरक्षण प्रणाली के खिलाफ व्यापक प्रदर्शनो के बीच शेख हसीना सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर चली गई थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश मे अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप मे शपथ लेने वाले मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दी और देश मे जल्द ही स्थिति सामान्य होने तथा हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायो की सुरक्षा सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई थी।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सलाहकार परिषद के सदस्यों के विभागों की घोषणा की

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने शुक्रवार को नवनियुक्त सलाहकार परिषद के विभागो की घोषणा की और रक्षा सहित 27 मंत्रालयों का प्रभार अपने पास रखा तथा अनुभवी राजनयिक मोहम्मद तौहीद हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया। नोबेल पुरस्कार से सम्मानित 84 वर्षीय यूनुस ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। उन्होंने शेख हसीना की जगह ली है। हसीना ने नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए जबर्दस्त विरोध प्रदर्शनो के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर भारत चली गई थीं। यूनुस ने मुख्य सलाहकार के रूप मे शपथ ली - जो प्रधानमंत्री के समकक्ष पद है। अन्य सलाहकारों का चयन छात्र नेताओं, सेना और नागरिक संस्थाओ के प्रतिनिधियो के परामर्श से किया गया। एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, यूनुस ने रक्षा, लोक प्रशासन, शिक्षा, ऊर्जा, खाद्य, जल संसाधन और सूचना मंत्रालय सहित 27 विभागो का प्रभार अपने पास रखा है। पूर्व विदेश सचिव हुसैन को विदेश मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है, जबकि सेना के सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर जनरल एम सखावत हुसैन को गृह मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है।हुसैन 2001 से 2005 तक कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायुक्त थे और 2006 से 2009 तक बांग्लादेश के विदेश सचिव रहे।बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर सलाहुद्दीन अहमद वित्त और योजना मंत्रालयो की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि पूर्व अटॉर्नी जनरल ए एफ हसन आरिफ स्थानीय सरकार मंत्रालय का प्रभार संभालेंगे।अंतरिम मंत्रिमंडल मे शामिल किए गए स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन के दो समन्वयको एम नाहिद इस्लाम और आसिफ महमूद को क्रमशः दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा युवा एवं खेल मंत्रालयों का प्रभार दिया गया। समूह ने पिछले महीने सरकारी नौकरियों के लिए आरक्षण प्रणाली में सुधार के लिए सबसे पहले सड़क पर आंदोलन चलाया, जो बाद में एक सार्वजनिक विद्रोह में तब्दील हो गया और हसीना के 15 साल के शासन का अंत कर अंतरिम सरकार स्थापित की, जिसे सेना का स्पष्ट समर्थन प्राप्त था। सलाहकार परिषद के तीन सदस्य बृहस्पतिवार रात राष्ट्रपति भवन बंगभवन मे शपथ नही ले सके, क्योंकि वे राजधानी से बाहर थे और अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि यूनुस उन्हें 27 विभागो में से कुछ दे सकते है। इन तीनो मे ज्यादातर नागरिक संस्थाओ के लोग है।

क्विक न्यूज

बांग्लादेश में सेना की सहायता से थाने फिर से खुले

ढाका। बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चरम पर रहने के दौरान वीरान हो गए पुलिस थानो मे सेना की सहायता से धीरे-धीरे सामान्य गतिविधियां फिर से शुरू हो रही है। शुक्रवार को मीडिया की खबरों से यह जानकारी मिली। छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनो के कारण शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर जाना पड़ा। उसके बाद, सभी पुलिस थानो की गतिविधियां ठप्प हो गई। कई पुलिस थानो पर हमला किया गया, लूटपाट की गई और आग लगा दी गई, जिसके कारण कई अधिकारी अपने थानो को खाली करके छिप गए क्योंकि उन्हें और हमले होने का खतरा था। छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिसा मे पुलिस कर्मियों सहित 400 से अधिक लोग मारे गए। ढाका ट्रिब्यून समाचारपत्र ने सैन्य और पुलिस अधिकारियो के हवाले से बताया कि लगभग चार दिनो के बाद सेना की सहायता से लगभग 29 पुलिस थानों में गतिविधियां फिर से शुरू हो गई है। बृहस्पतिवार को नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप मे शपथ ली। उन्होने देश मे कानून और व्यवस्था को बहाल करने की प्रतिबद्धता जताई है। पच्चीस ईस्ट बंगाल रेजिमेंट के कंपनी कमांडर शखावत खांडाकर ने कहा,"यह देखते हुए कि अपराधी किस तरह से लोगों की हत्या कर रहे थे, जिसमें पुलिस भी शामिल थी, हमने फैसला किया कि पुलिस कर्मियो को बचाना बहुत जरूरी है। वे लोगों की सेवा करते है, हमें उन्हें सुधार का एक मौका देने की जरूरत थी। खांडाकर ने कहा,"तेजगांव पुलिस थाने मे कई हथियार है। यदि ए अपराधियो के हाथ लग गए, तो देश गंभीर खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए हमने थाने की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कदम उठाए। तेजगांव के पुलिस उपायुक्त अजीमुल हक ने कहा,"हम सेना के कर्मियो के आभारी है जो हमारे पुलिसकर्मियो को बचाने के लिए आगे आए और लोगो की जान और संपत्ति की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज, हमने सेना की मदद से सभी पुलिस गतिविधियां शुरू कर दी है। मै सभी नागरिको से पुलिस थाने आने का अनुरोध करता हूं। हम आपकी सेवा के लिए तैयार है।

बांग्लादेश में लोगों ने सामान्य स्थिति की उम्मीद के साथ नई अंतरिम सरकार का स्वागत किया

ढाका। बांग्लादेश में लोगो ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली नई अंतरिम सरकार का स्वागत किया है। लोगो ने उम्मीद जताई है कि यह सरकार व्यवस्था बहाल करेगी, दमन को समाप्त करेगी और सत्ता के लोकतांत्रिक हस्तांतरण के लिए निष्पक्ष चुनाव कराएगी। यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने शेख हसीना का स्थान लिया है। शेख हसीना ने विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद अचानक इस्तीफा दे दिया था और भारत चली गई थी। यूनुस ने प्रधानमंत्री के समकक्ष पद मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। महिला अधिकार कार्यकर्ता फरीदा अख्तर, दक्षिणपंथी पार्टी हिफाजत-ए-इस्लाम के उप प्रमुख ए.एफ.एम. खालिद हुसैन, ग्रामीण दूरसंचार ट्रस्टी नूरजहां बेगम, स्वतंत्रता सेनानी शर्मीन मुर्शिद, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स डेवलपमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुप्रदीप चकमा, प्रोफेसर बिधान रंजन रॉय और पूर्व विदेश सचिव तौहीद हुसैन सलाहकार परिषद के सदस्यों में शामिल है। ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सेराजुल इस्लाम चौधरी ने कहा कि अंतरिम सरकार का एक कर्तव्य व्यवस्था बहाल करना होगा, जो हसीना के पतन के बाद पिछले कुछ दिनों से चरमरा गई है।

विंडर्जी इंडिया-2024 अक्टूबर में भारत में होगा

चेन्नई। विंडर्जी इंडिया 2024, पवन ऊर्जा क्षेत्र का प्रमुख उद्योग मंच, 23-25 अक्टूबर 2024 तक चेन्नई ट्रेड सेंटर, तमिलनाडु में छठी बार अपनी विशाल क्षमता और आकर्षक अवसरों का प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित है। विंडर्जी इंडिया को हाल ही में प्रदर्शनी उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 में भारत के तेजी से बढ़ते शो के रूप में मान्यता मिली है और यह ऐसा मंच है जो, पवन ऊर्जा उद्योग नवप्रवर्तकों, नीति निर्माताओं, नियामकों और इसके प्रमुख खिलाड़ियों को एक साथ लाता है। इंडियन विंड टर्बाइन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईडब्ल्यूटीएमए), बेंगलुरु स्थित व्यापार मेला आयोजक पीडीए वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर इस कार्यक्रम की मेजबानी करेगा। अपने छठे संस्करण में, विंडर्जी इंडिया 2024 को बिजली मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा समर्थन प्राप्त है। मेक इन इंडिया की देखरेख में इस तीन दिवसीय व्यापार मेले और एक्सपो में कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलांगना, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान जैसे पवन-समृद्ध राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। विंडर्जी इंडिया, पवन ऊर्जा क्षेत्र को आगे बढ़ाने में भारत का सहयोग करने के प्रति अपने समर्पण को प्रदर्शित करने वाले डेनमार्क और स्पेन के खेमों की भी मेजबानी करेगा। पाइपलाइन में शामिल अन्य देशों के साथ यूनाइटेड किंगडम भागीदार देशों में से एक के रूप में एक्सपो में शामिल होगा। व्यापार मेले में जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, स्वीडन, नॉर्वे, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, ब्राजील और जापान सहित विभिन्न देशों के प्रदर्शक शामिल होंगे, जो विंडर्जी इंडिया को वास्तव में एक वैश्विक स्तर का कार्यक्रम बनाएंगे। विंडर्जी इंडिया का लक्ष्य संपूर्ण पवन ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र को एक साथ लाना है। एनविज़न-एनर्जी जैसे उद्योग हितधारक विंडर्जी इंडिया 2024 के साथ हमारे प्लैटिनम पार्टनर के रूप में जुड़ेंगे, जबकि सुजलॉन एनर्जी और एवर रिन्यू एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड सिल्वर पार्टनर होंगे। अन्य साझेदारों में वाइनर्जी, एलएम विंड पावर, एनईएक्सएचएस, एक्सॉन मोबिल, लीप ग्रीन एनर्जी और यूएल सॉल्यूशंस शामिल हैं।

वियना:गायिका टेलर स्विफ्ट के संगीत कार्यक्रमों में हमले की साजिश पर एक और व्यक्ति गिरफ्तार

वियना। अमेरिकी गायिका टेलर स्विफ्ट के अब रद्द किए जा चुके तीन संगीत कार्यक्रम के दौरान हमला करने की नाकाम साजिश रचने के सिलसिले में शुक्रवार को एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। ऑस्ट्रिया के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टेलर स्विफ्ट के इस सप्ताह होने वाले तीन संगीत कार्यक्रम को हमले की साजिश का पता चलने के बाद रद्द कर दिया गया था। इससे पहले दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था।अधिकारियों ने बताया कि इस मामले मे मुख्य संदिग्ध ने अर्न्स्ट हैप्पल स्टेडियम के बाहर एकत्र होने वाले दर्शकों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। उन्होने बताया कि ऑस्ट्रिया मे 19 वर्षीय मुख्य संदिग्ध और 17 वर्षीय एक किशोर को मंगलवार को हिरासत मे ले लिया गया था। गृह मंत्री ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 18 वर्षीय तीसरे संदिग्ध को बृहस्पतिवार की शाम को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि 15 वर्षीय एक किशोर से भी पूछताछ की गई, लेकिन उसे गिरफ्तार नही किया गया। ऑस्ट्रियाई गोपनीयता नियमों के अनुसार, उनमें से किसी का भी नाम जारी नही किया गया। स्विफ्ट के तीन कार्यक्रमों के वैश्विक तौर पर टिकट बिक चुके थे तथा कार्यक्रम के रद्द होने से उनके दुनियाभर में फैले प्रशंसकों को झटका लगा, क्योंकि कई तो हजारो यूरो खर्च करके ऑस्ट्रिया पहुंचे थे। एराज टूर के कार्यक्रम बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को अर्न्स्ट हैप्पल स्टेडियम मे होने थे।

ऑक्लैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा भारत: मुर्मू

ऑक्लैंड। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि भारत न्यूजीलैंड के साथ संबंधो को प्रगाढ़ बनाने और प्रवासी भारतीयों की सुविधा के लिए जल्द ही ऑक्लैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा। ऑक्लैंड मे भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि उन्हें न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय की उपलब्धियां देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा, भारत के न्यूजीलैंड से संबंध बहुत गहरे और बहुआयामी हैं। भारतीय समुदाय ने न्यूजीलैंड के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुझे यह बताते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है कि भारत समुदाय की काफी समय से लंबित मांग को पूरा करते हुए जल्द ही ऑक्लैंड में वाणिज्य दूतावास खोलेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस निर्णय से राजनयिक संबंध और मजबूत होंगे।

ट्रंप और हैरिस 10 सितंबर को राष्ट्रपति पद की चुनावी बहस में भाग लेने पर सहमत

भाषा। पाम बीच (अमेरिका)

अमेरिका में इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने 10 सितंबर को चुनावी बहस के लिए सहमति व्यक्त की है, जिसमें दोनों उम्मीदवारों का आमना-सामना होगा। अमेरिकी व्यापारिक टेलीविजन प्रसारण नेटवर्क अमेरिकन ब्रॉडकास्टिंग कंपनी (एबीसी) ने यह जानकारी दी। इस घोषणा से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्होंने तीन टेलीविजन नेटवर्क के समक्ष राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत तीन बहसों का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि वे सितंबर में कुछ निश्चित तारीखों पर सहमत हैं। इस साल होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत प्रथम बहस ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी के पूर्व उम्मीदवार जो बाइडन के बीच हुई थी। इस बहस में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर उम्मीदवारी छोड़ने के लिए चौतरफा दबाव था। बाद में बाइडन ने अपनी उम्मीदवारी छोड़ते हुए हैरिस का नाम इसके लिए प्रस्तावित किया था।

अपने बच्चों को छुट्टियों के बाद बिना तनाव के वापस स्कूल जाने के लिए कैसे तैयार करें

भाषा। इंडियाना

गर्मी की छुट्टियों से स्कूल वापस जाना बच्चों और उनके परिवारों के लिए कठिन हो सकता है। नई दिनचर्या में समायोजन के अलावा, परिवर्तन के कारण होने वाले भावनाओं के मिश्रण को संभालने की आवश्यकता होती है। जबकि कुछ बच्चे नए शिक्षकों और सहपाठियों को लेकर उत्साहित महसूस कर सकते हैं, वहीं अन्य को आगामी स्कूल वर्ष के बारे में चिंता, उदासी या अनिश्चितता का अनुभव हो सकता है।स्कूली उम्र के बच्चों की 15 वर्षों की काउंसलिंग के बाद, मैंने देखा है कि ए तनाव कितने आम हो सकते हैं। मेरे अपने तीन स्कूल जाने वाले बच्चे भी हैं। परिवर्तन को आसान बनाने के लिए यहां पांच रणनीतियां दी गई हैं जिन्हें मैं न केवल उन परिवारों के साथ साझा करता हूं जिनको मैं सलाह देता हूं, बल्कि अपने घर में भी लागू करता हूं।1. अपने बच्चे की बात सुनें- इस परिवर्तन के बारे में अपने बच्चे की चिंताओं को सुनें और उनकी भावनाओं की पुष्टि करें। कुछ बच्चे अपनी भावनाओं को संप्रेषित करने और उनके बारे में बात करने में बहुत अच्छे होते हैं, लेकिन दूसरों से विशेष रूप से यह पूछने की आवश्यकता हो सकती है कि वे दोबारा स्कूल जाने के बारे में कैसा महसूस करते हैं।

जयशंकर द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए मालदीव पहुंचे

भाषा। माले

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत की पड़ोस प्रथम नीति में मालदीव एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है और वह द्वीपसमूह राष्ट्र के नेतृत्व के साथ सार्थक वार्ता को लेकर आशान्वित हैं। जयशंकर मालदीव के साथ द्विपक्षीय संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे। द्वीपसमूह देश में पिछले साल चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के पदभार संभालने के बाद भारत की ओर से यह पहली उच्चस्तरीय यात्रा है। उनकी मालदीव यात्रा जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू की भारत यात्रा के कुछ हफ्तों बाद हो रही है। चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू के नवंबर 2023 में शीर्ष कार्यालय का पदभार संभालने के बाद भारत और मालदीव के बीच संबंधों में काफी तल्खी आ गई थी। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मालदीव पहुंचकर खुशी हुई। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री मूसा जमीर को धन्यवाद। हमारी पड़ोस प्रथम नीति और सागर दृष्टिकोण में मालदीव एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्होंने कहा, नेतृत्व के साथ सार्थक वार्ता को लेकर आशान्वित हूं। जमीर ने कहा कि उन्हें मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जयशंकर का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, मालदीव तथा भारत के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए सार्थक चर्चा की उम्मीद है। जून 2024 में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार संभालने के बाद से जयशंकर की मालदीव की यह पहली आधिकारिक यात्रा है। उनकी पिछली यात्रा जनवरी 2023 में हुई थी। जयशंकर की 11 अगस्त तक की तीन दिवसीय यात्रा मालदीव के उनके समकक्ष मूसा जमीर के निमंत्रण पर हो रही है। उम्मीद है कि जयशंकर राष्ट्रपति मुइज्जू से शिष्टाचार मुलाकात करेंगे और मौजूदा द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा के लिए जमीर के साथ आधिकारिक बातचीत भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने जयशंकर की यात्रा से पहले एक बयान में कहा, मालदीव भारत का प्रमुख समुद्री पड़ोसी है और भारत की पड़ोस प्रथम नीति तथा हमारे सागर दृष्टिकोण यानी पूरे क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। मंत्रालय ने कहा, इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करना तथा द्विपक्षीय संबंधों को और आगे बढ़ाने के तरीके तलाशना है। मालदीव के विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, दोनों मंत्री उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं और भारतीय एक्जिम बैंक की क्रेडिट सुविधा के तहत पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे तथा क्षमता निर्माण, वाणिज्य और व्यापार क्षेत्रों पर समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान करेंगे।

आप खुद में सोना है : पीएम ने नीरज से कहा

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा को चोट से जूझने के बावजूद अपना दूसरा ओलंपिक पदक जीतने करने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने नीरज के साथ फोन पर बातचीत के दौरान पाकिस्तान के अरशद नदीम के बारे में टिप्पणियों के लिए, उनकी मां सरोज देवी की भी सराहना की। सरोज ने ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले नदीम के लिए खुशी व्यक्त करते हुए उसे अपने बेटे जैसा बताया था। मोदी ने कहा, आपकी माँ द्वारा दिया गया साक्षात्कार खेल परिवार की भावना को दर्शाता है। उन्होंने बहुत अच्छे अंदाज में कहा, वह (नदीम) भी मेरा बेटा है। मोदी ने उनसे स्वर्ण पदक चूकने पर ध्यान नहीं देने की सलाह देते हुए कहा कि बहुत कम खिलाड़ियों को दो ओलंपिक पदक जीतने का गौरव प्राप्त होता है और आप तो खुद में ही सोना है। नीरज ने प्रधानमंत्री से कहा, चोट के कारण मैं स्वर्ण पदक के लिए जोर नहीं लगा सका लेकिन चोट और कड़ी

प्रतिस्पर्धा के बावजूद रजत पदक जीतकर खुश हूं। मोदी ने कहा, आपने चोट के बावजूद यह उपलब्धि हासिल की है, जो अविश्वसनीय है। यह हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरित करेगा। देश के लिए, कुछ करने का यही जज्बा हमें प्रेरित करता है। मोदी ने नदीम के बारे में कहा, मुझे याद है पिछली बार आपने अपने प्रतिद्वंदी के प्रदर्शन की प्रशंसा की थी। आपने बताया था कि वह कड़ी प्रतिस्पर्धा देते हैं। उन्होंने कहा कि वह नीरज की चोट पर विस्तार से चर्चा करना चाहेंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि आगे चलकर इसे कैसे बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है।नीरज ने कहा कि वह कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगे और आगामी खेल आयोजनों में बेहतर प्रदर्शन करेंगे। तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता नीरज ने 89.45 मीटर के थ्रो से पेरिस में रजत पदक हासिल किया। नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। नदीम ने 92.97 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक रिकॉर्ड कायम करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रधानमंत्री ने इससे पहले एक्स पर लिखा था कि नीरज उत्कृष्टता के साकार रूप हैं। मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए लिखा , नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का साकार रूप हैं। बार बार उन्होंने अपनी श्रेष्ठता की बानगी दी है। भारत हर्षित है कि उन्होंने एक बार फिर ओलंपिक में सफलता पाई है। रजत जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले असंख्य एथलीटों को अपने सपने पूरे करने और देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करते रहेंगे। अपने बेटे के रजत पदक से खुश नीरज की मां सरोज देवी ने स्वर्ण पदक विजेता नदीम के लिए भी खुशी व्यक्त की और कहा कि वह भी उनके बच्चा जैसा है।

ओलंपिक के कारण सर्जरी टाल रहा था लेकिन अब फैसला लेना होगा: नीरज चोपड़ा

पेरिस। भारत के भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद अपनी चोट का खुलासा करते हुए कहा कि उन्हें यहां प्रतिस्पर्धा करने के लिए कड़ी मेहनत करने के बाद जल्द ही सर्जरी करानी पड़ सकती है। नीरज पेरिस खेलों से पहले जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी मे (एडक्टर) परेशानी से जूझते आए है। उन्होने हालांकि गुरुवार को सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास 89.45 मीटर के साथ रजत पदक हासिल किया। वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाले भारत के पहले ट्रैक एवं फील्ड एथलीट बन गए। उन्होने तोक्यो ओलंपिक मे स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा, मेरे दिमाग मे काफी कुछ चल रहा था। जब मै थ्रो कर रहा होता हूं तो मेरा 60-70 प्रतिशत ध्यान चोट पर होता है। मै चोटिल नही होना चाहता था। जब भी मै थ्रो करने जा रहा था तो आपने देखा होगा कि मेरी गति कम थी। अपनी सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नही होने के बाद भी नीरज लगातार दो ओलंपिक मे पदक जीतने वाले तीसरे भारतीय बने। उनसे पहले सुशील कुमार (कुश्ती) और पीवी सिंधू (बैडमिंटन) ने यह कारनामा किया है। नीरज ने निराशा भरे लहजे में कहा, मैंने अब भी इसे जारी रखा है। उन्होंने कहा, खेल मे यह अच्छी स्थिति नही होती है। आप अगर लंबा करियर चाहते है तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। इस स्तर की प्रतियोगिताओं के कारण कई बार आप निर्णय नही ले सकते। अब हम इस पर काम करेंगे और तकनीक मे भी सुधार करेंगे। उन्होने कहा कि वह इस मसले पर अपनी टीम से चर्चा कर कोई फैसला करेंगे।

नीरज और नदीम ने दिखाया कि खेल सीमाओं से परे है: हरभजन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि देश के सुपरस्टार नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के बीच भाईचारा स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि खेल सीमाओं से परे है और लोगों को एकजुट करता है। नदीम ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के शानदार ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि गत चैंपियन चोपड़ा ने सत्र के सर्वश्रेष्ठ 89.45 मीटर के साथ रजत पदक जीता। हरभजन ने कहा, हमने कुछ अच्छी फोटो देखी जिसमें प्रतियोगिता खत्म होने के बाद हमने समारोह के बाद नीरज और नदीम एक दूसरे से बात कर रहे थे। दोनों ने अपने अपने देश का ध्वज पकड़ा हुआ था और खिलाड़ी के तौर पर दोनों एक दूसरे का सम्मान कर रहे थे। इससे पता चलता है कि खेल किसी भी सीमा से परे है और खेल सभी को एकजुट करता है। इन दोनों ने बहुत अच्छा संदेश दिया है। उन्होंने कहा, यह भारत-पाकिस्तान जैसा है। यह हम क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ खेलते थे तो हम मैदान पर बहुत प्रतिस्पर्धी होते थे लेकिन जब मैदान के बाहर की बात आती तो हमारे बीच अच्छा रिश्ता है।

ओलंपिक पदक तालिका

देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	31	25	20	76
अमेरिका	30	38	35	103
ऑस्ट्रेलिया	18	15	14	47
फ्रांस	14	19	22	55
ब्रिटेन	14	17	21	52
जापान	13	08	13	34
कोरिया	13	08	07	28
नीदरलैंड	11	06	08	25
इटली	10	11	09	30
जर्मनी	10	09	06	25
भारत	00	01	04	06

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक

चोपड़ाः महान खिलाड़ी और बिना किसी दिखावे वाला सुपरस्टार

भाषा। पेरिस

खेल के मैदान पर अपनी कड़ी प्रतिद्वंद्विता के लिए जाने जाने वाले नीरज चोपड़ा ऐसे सुपरस्टार है जो दिखावा करना पसंद नहीं करते। भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीतने वाले इस खिलाड़ी ने गुरुवार को यहां रजत पदक जीतने के बाद संवाददाता सम्मेलन में अपने हाजिर जवाब और वाकपटुता से सबका दिल जीत लिया। मीडिया से 17 मिनट का उनका सत्र सवाल-जवाब से कही अधिक था। लगभग 50 पत्रकारों से भरे कमरे में जब किसी ने नीरज से पूछा कि आपका पहला थ्रो फाउल हो गया और दूसरा.... नीरज ने पत्रकार को यही रोकते हुए कहा, सारी थ्रो फाउल थी सर सिर्फ दूसरी ही ठीक थी। उनके इस जवाब से सब के चेहरे पर मुस्कान आ गई। भारत और पाकिस्तान के पत्रकारों की ज्यादा संख्या के कारण यहां सवाल जवाब हिंदी में चल रहा था लेकिन जब एक वालंटियर ने उनसे अन्य देशों के पत्रकारों की समझ के लिए अंग्रेजी में जवाब देने की गुजारिश की तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, अब मुझे खुद को अंग्रेजी में बोलने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है, जैसे मैं खुद को प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करता हूं। एक विदेशी पत्रकार ने उनसे अंग्रेजी में जवाब देने के अनुरोध से साथ पूछा, क्या आप अपने और नदीम को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच प्रतिस्पर्धा का वर्णन कर सकते हैं। यह वास्तव में एक शानदार प्रतियोगिता थी। शायद इतिहास की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में से एक। अरशद ने वास्तव में अच्छा थ्रो किया। मैं भी अच्छी स्थिति में था। लेकिन पता नहीं क्यों मैं आज अच्छे से रनअप नहीं ले पा रहा था। पेरिस ओलंपिक से पहले नीरज ने खुद को फिट रखने के लिए कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया था और इस बारे में पूछे जाने पर बेशक मुझे और अधिक खेलने की जरूरत है लेकिन मैं सावधानी बरतते (चोट से बचते हुए) हुए प्रतियोगिताओं में भाग ले रहा था।

चूरमा से होगा नीरज का स्वागत

नीरज का देशी खाने के प्रति लगाव जगजाहिर है और उनका परिवार दो बार के ओलंपिक पदक विजेता का उनके पसंदीदा व्यंजन चूरमा के साथ स्वागत करने की योजना बना रहा है। सरोज ने कहा, उसने वास्तव मे अच्छा प्रदर्शन किया। हम उसका स्वागत चूरमा से करेंगे जो उसका पसंदीदा है। मुझे खुशी है, लोग पटाखे जला रहे हैं, हम लड्डू बना रहे है। नीरज का यह प्रदर्शन काफी सराहनीय है क्योंकि सात खिलाड़ियों ने 86 मीटर से अधिक दूरी हासिल की थी।नीरज की चाची कमलेश ने कहा, हम बहुत खुश है। उसने इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। सभी 88-89 मीटर के करीब थे इसलिए प्रतिस्पर्धा बहुत कठिन थी। यह स्वर्ण या रजत जीतने के बारे मे नही है, बल्कि पदक जीतने के बारे में है और उसने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

नीरज और हॉकी टीम के कांस्य मैच ने ओलंपिक वेबसाइट और ऐप दिया बढ़ावा

पेरिस। भारत के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और हॉकी टीम की कांस्य पदक मैच के कारण पेरिस ओलंपिक वेबसाइट और खेलो के लिए समर्पित ऐप पर उपयोगकर्ताओ की संख्या मे गुरुवार को भारी वृद्धि हुई है। नीरज ने गुरुवार को यहां भाला फेंक मे रजत पदक जीता जबकि भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरी बार कांस्य पदक अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कॉर्पोरेट संचार और सार्वजनिक मामलो के निदेशक क्रिश्चियन क्लाउ ने शुक्रवार को कहा कि 273 मिलियन (27.3 करोड़) उपयोगकर्ताओं ने ओलंपिक वेबसाइट और ऐप को देखा है, जिनमें से सबसे अधिक संख्या नीरज और भारतीय हॉकी टीम की सफलता के कारण भारत से आई है। क्लॉउ ने लिखा, पेरिस 2024 के लिए ओलंपिक वेब और ऐप 273 मिलियन उपयोगकर्ताओं तक पहुंच गया है, जिसमें कल (गुरुवार) इन खेलों के दौरान भारत के उपयोगकर्ताओं की संख्या सबसे अधिक रही।

मिस्र के पहलवान को यौन उत्पीड़न में गिरफ्तार किया गया

पेरिस। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने आए मिस्र के एक पहलवान को यौन उत्पीड़न के आरोप में यहां गिरफ्तार किया गया। फ्रांस के अभियोजकों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पेरिस अभियोजक के कार्यालय के एक बयान के अनुसार एक 26 वर्षीय एथलीट को पेरिस कैफे के बाहर एक महिला के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ करने के कारण शुक्रवार सुबह हिरासत में लिया गया था। कार्यालय ने पहलवान का नाम नही बताया लेकिन कहा कि वह मिस्र में पैदा हुआ था और ओलंपिक मे भाग लेने के लिए पेरिस में था। मिस्र कुश्ती महासंघ ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नही दिया।

अजीत परिचालन प्रमुख बनने के लिए तैयार

चेन्नई। दिल्ली शतरंज संघ के मौजूदा सचिव अजीत कुमार वर्मा अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के नए परिचालन प्रमुख बनने को तैयार है। इस हफ्ते एआईसीएफ ने शार्टलिस्ट हुए दो उम्मीदवारों की घोषणा की जिसमें इस भूमिका के लिए वर्मा (52 वर्ष) और अरबिंद कुमार सिंह शामिल थे। एआईसीएफ के उपाध्यक्ष अनिल कुमार रायजादा ने शुक्रवार को पीटीआई को बताया कि दोनों उम्मीदवारों के साक्षात्कार हो चुके है और एक या दो दिन के अंदर आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। स

भारतीय जूनियर टीम के कोच बनेंगे श्रीजेश

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी की दीवार पी आर श्रीजेश खेल से संन्यास के बाद जल्दी ही नई भूमिका में दिखेंगे और हॉकी इंडिया उन्हे जूनियर टीम का कोच बनाने जा रहा है। 36 वर्ष के श्रीजेश ने स्पेन को हराकर पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी को अलविदा कह दिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने पेरिस से पीटीआई से कहा , हम श्रीजेश को कुछ दिन के भीतर पुरूष जूनियर टीम (अंडर 21) का कोच बनाएंगे। हमने उनसे बात कर ली है और युवाओ को उनसे बेहतर कोई मार्गदर्शन नही दे सकता।

ओलंपिक स्वर्ण के बाद नदीम पर पैसों की बारिश

लाहौर। पाकिस्तान के लिए पिछले 40 वर्षो में पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के लिए पंजाब और अन्य प्रांतीय सरकारों और संगठनो ने नकद पुरस्कारों की घोषणा की है। नदीम को हालांकि कुछ महीने पहले ओलंपिक के लिए नया भाला खरीदने के लिए क्राउड फंडिंग (बड़ी संख्या मे लोगों से धन जुटाना) की मदद लेनी पड़ी थी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पेरिस मे ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी अरशद नदीम के लिए 10 करोड़ (पाकिस्तानी) रुपए की नकद पुरस्कार की घोषणा की है। इस तरह पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की सिंध सरकार ने इस खिलाड़ी के लिए पांच करोड़ रुपए की घोषणा की, जबकि सुक्कुर शहर के मेयर ने भी उन्हे सोने का ताज पहनाने की घोषणा की।

राउंडग्लास पंजाब और ओडिशा नवल टाटा जीते

नई दिल्ली। राउंडग्लास पंजाब हॉकी क्लब अकादमी और ओडिशा नवल टाटा हॉकी हाई परफॉरमेंस सेंटर ने इंडिया जूनियर पुरुष एवं महिला अकादमी चैम्पियनशिप मे जीत दर्ज की। ओडिशा नवल टाटा टीम ने महिलाओं के मुकाबले मे जय भारत हॉकी अकादमी को 15-0 से मात दी जबकि घुमनहेरा राइजर्स अकादमी और राजा किरण हॉकी अकादमी ने 4-4 से ड्रा खेला। पुरुष वर्ग मे राउंडग्लास पंजाब ने अर्जनदीप सिंह और इंदरजीत सिंह के चार चार गोल की मदद से जय भारत अकादमी को 22-0 से शिकस्त दी। अन्य मुकाबलो मे एसजीपीसी हॉकी अकादामी, अश्विनी स्पोर्ट्स अकादमी जीते।

खेल पंचाट के तदर्थ विभाग ने विनेश की अपील पर सुनवाई पूरी की

● आईओए को सकारात्मक नतीजे की उम्मीद

भाषा। पेरिस

ओलंपिक फाइनल से अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की खेल पंचाट (कैस) के तदर्थ प्रभाग में अपील की सुनवाई यहां पूरी हो गई और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कहा कि उसे सकारात्मक समाधान की उम्मीद है। खेलों के दौरान विवाद समाधान के लिए विशेष रूप से स्थापित कैस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश की अपील स्वीकार ली। विनेश ने स्वर्ण विजेता सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ फाइनल की सुबह 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराकर बाहर किए जाने के खिलाफ अपील की थी। भारतीय ओलंपिक संघ को उम्मीद है कि पहलवान विनेश फोगाट द्वारा खेल पंचाट (कैस) के तदर्थ प्रभाग के समक्ष उनके वजन में विफलता के खिलाफ दायर आवेदन का सकारात्मक समाधान होगा। विनेश की जगह फाइनल में क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमान लोपेज उतरीं, जो सेमीफाइनल में उनसे हार गई थीं। भारतीय पहलवान ने अपनी अपील में लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिए जाने की मांग की है क्योंकि मंगलवार को अपने मुकाबलों के दौरान उनका वजन निर्धारित सीमा के अंदर था।

ओलंपिक समापन समारोह में मनु भाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे श्रीजेश

भाषा। पेरिस

मशहूर हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रविवार को यहां होने वाले ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। श्रीजेश के नाम पर अंतिम मोहर लगाने से पहले भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने नीरज चोपड़ा से भी बात की और उन्होंने कहा कि भाला फेंक यह स्टार एथलीट भी चाहता था कि पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास लेने वाले हॉकी खिलाड़ी को ही यह सम्मान मिलना चाहिए। पिछले ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक

जीतने वाले चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीत कर भारतीय खेलों के इतिहास में नया पन्ना जोड़ा। मैंने नीरज चोपड़ा से बात की और मैं उनकी खेल भावना की सराहना करती हूं क्योंकि वह इस बात पर सहमत थे कि समापन समारोह में श्रीजेश को ही ध्वजवाहक होना चाहिए। उन्होंने कहा, नीरज ने मुझसे कहा, मैडम अगर आप मुझसे नहीं पूछती तब भी मैं श्री भाई के नाम का ही सुझाव देता। इससे पता चलता है कि नीरज भारतीय खेलों में श्रीजेश के योगदान को कितना अधिक सम्मान देते हैं। उषा ने कहा कि श्रीजेश भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग सहित भारतीय ओलंपिक संघ के नेतृत्व की भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे। भारतीय ओलंपिक संघ को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश संयुक्त ध्वजवाहक होंगे।

भारत की 4गुणा400 मीटर रिले टीम चूकी

● फाइनल के लिए क्वालीफाई करने मे विफल

भाषा। पेरिस

भारतीय पुरुष 4गुणा400 मीटर रिले टीम शुक्रवार को यहां पेरिस ओलंपिक में उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सकी और हीट रेस (शुरूआती रेस) में कुल 10वें स्थान पर रहने के कारण अंतिम राउंड में जगह बनाने से चूक गई। मोहम्मद अनस याहिया, मोहम्मद अजमल, अमोज जैकब और राजेश रमेश की भारतीय चौकड़ी ने हालांकि सत्र का सर्वश्रेष्ठ तीन मिनट और 0.58 सेकंड का समय निकाला। लेकिन दूसरी हीट में चौथे स्थान पर रही जिससे उसने 16 टीमों में से कुल मिलाकर 10वां स्थान हासिल किया। दोनों हीट में से प्रत्एक में शीर्ष तीन टीम तथा दोनों हीट में अगली दो सबसे तेज टीमें फाइनल राउंड में पहुंचती हैं। बोत्सवाना (2:57.76), ब्रिटेन (2:58.88) और अमेरिका (2:59.15) की टीम शीर्ष तीन पर रहीं जबकि जापान 2:59.48 के समय के साथ चौथे स्थान पर था। भारत का एशियाई रिकॉर्ड 2:59.05 सेकेंड का है जो 2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप के दौरान बना था। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) को पुरुषों की 4x400 मीटर रिले टीम के फाइनल राउंड में पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन टीम ऐसा करने में विफल रही। महिलाओं की 4गुण400 मीटर रिले टीम भी पहले दौर की हीट में भाग लेने वाले 16 देशों में 15वें स्थान पर रहने के बाद क्वालीफाई करने में असफल रही। विथ्या रामराज, ज्योतिका श्री दांडी, एमआर पूवम्मा और सुभा वेंकटेशन की चौकड़ी ने 3:32.51 का समय निकाला और हीट नंबर दो में आठवें और आखिरी स्थान से कुल 15वें स्थान पर रही।

विनेश रजत पदक की हकदार : तेंदुलकर

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने पेरिस ओलंपिक मे महिला 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल मे पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण विनेश फोगाट को अयोग्य करार देने की आलोचना करते हुए इस पहलवान को रजत पदक का हकदार बताया। विनेश को पेरिस ओलंपिक मे 50 किग्रा वर्ग की स्पर्धा के स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले वजन मापने के दौरान 100 ग्राम अधिक पाया गया जिससे उन्हे अयोग्य करार दिया गया। विनश ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट का दरवाजा खटखटाया है। तेंदुलकर ने कहा कि खेलो मे नियमों पर समय-समय पर गौर किया जाना चाहिए।उन्होने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट किया, हर खेल के कुछ नियम होते है और उन नियमो को संदर्भ में देखने की जरूरत है, शायद कभी-कभी उन पर दोबारा गौर भी किया जाना चाहिए। उन्होने लिखा, विनेश फोगाट ने निष्पक्षता से फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वजन के आधार पर उसकी अयोग्यता फाइनल से पहले हुई थी और ऐसे मे उससे रजत पदक छीन लिया जाना तर्क और खेल की समझ से परे है।

ओलंपिक विवाद के बाद स्वदेश लौटी अंतिम पंघाल

नई दिल्ली। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आईं।यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया। इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया।विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्वाई की जा सकती है।भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गई और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया।अंतिम बुधवार को महिलाओं की कुश्ती के 53 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला मुकाबला हारने के बाद ओलंपिक से बाहर हो गई थीं।भारत वापस लौटने से पहले पीटीआई से बात करते हुए 19 वर्षीय अंतिम ने कहा, मेरा कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और भ्रम की स्थिति थी। यह सब भ्रम की वजह से हुआ। बाद में एक वीडियो में अंतिम ने स्वीकार किया कि उसे पुलिस थाने जाना पड़ा लेकिन केवल अपने मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अच्छा दिन नहीं था। मैं हार गई। मेरे बारे में बहुत कुछ फैलाया जा रहा है, यह सच नहीं है। मुझे तेज बुखार था और मैंने अपनी बहन के साथ होटल जाने के लिए अपने कोच से अनुमति ली थी। अंतिम ने कहा, मुझे अपने कुछ सामान की जरूरत थी जो खेल गांव में था। मेरी बहन ने मेरा कार्ड लिया और वहां अधिकारियों से पूछा कि क्या वह मेरा सामान ले सकती है। वे उसे मान्यता कार्ड के सत्यापन के लिए उसे पुलिस स्टेशन ले गए।

क्विक न्यूज

पोंटिंग फिर से आईपीएल टीम को कोचिंग देने के इच्छुक

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिग दिल्ली कैपिटल्स के साथ करार खत्म होने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में किसी अन्य टीम के साथ कोच के तौर जुड़ने के इच्छुक है।ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तानो मे से एक पोंटिग ने कहा कि दिल्ली की फ्रेंचाइजी किसी भारतीय को मुख्य कोच बना सकती है।पोंटिग के सात साल के कार्यकाल के बाद पिछले महीने दिल्ली कैपिटल्स के उन्हें मुख्य कोच के पद से हटाने का फैसला किया था। टीम को अपने कार्यकाल में एक भी खिताब नही दिला पाने के कारण उन्हे इस फ्रेंचाइजी से अलग होना पड़ा। वह हालांकि फिर से किसी टीम से जुड़ने के लिए तैयार है।पोंटिग ने कहा, मै आईपीएल में फिर से कोचिंग देना पसंद करूंगा। आईपीएल से जुड़ने के बाद हर साल मैने बहुत अच्छा समय बिताया, चाहे वह एक खिलाड़ी के रूप मे शुरुआती दिन हो या दो साल तक मुंबई के कोच के रूप मे बिताया समय हो। पोंटिग ने आईसीसी पॉडकास्ट मे कहा, मैने दिल्ली की टीम के साथ सात सत्र बिताए है। इस दौरान हम दुर्भाग्यवश उस तरह से काम नही कर पाए जैसा मै चाहता था और निश्चित रूप से उस तरह से नही हुआ जैसा फ्रेंचाइजी चाहती होगी।

लेनोवो खेलों व गेम एप पर देगा सुविधा

बैंगलोर। लेनोवो के एक्सक्लूसिव बैक-टू-कॉलेज ऑफर के साथ एक शानदार एकेडिमक साल की तैयारी करें, जो उनके नए नवेले लैपटॉप और डेस्कटॉप पर 18 अगस्त 2024 तक मान्य है। चाहे आपको अपने असाइनमेंट पूरे करने के लिए एक विश्वसनीय डिवाइस की आवश्यकता हो। बेहतरीन डिवाइस खोजें और बेहतरीन तकनीकी समाधानों पर अविश्वसनीय छूट का लाभ उठाएँ, वह भी अतुलनीय कीमतों पर। लेनोवो `मिंग लैपटॉप तेज़ और पॉवरफुल इंटेल कोर प्रोसेसर और एनवीडिया जीफोर्स, जीपीयू के साथ आते हैं जो यूज़र्स को शानदार विज़ुअल और आसान गेमप्ले अनुभव के साथ गेम खेलने में सक्षम बनाते हैं। बिल्कुल नई हाइपर चैंबर थर्मल टेक्नोलॉजी इसका फी फ्रोस्टी बनाए । लेनोवो एआई इंजन् के माध्यम से अत्याधुनिक गेमिंग क्षमता के साथ लीजन प्रो 5प लैपटॉप पर प्रतिस्पर्धी ईस्पोर्ट्स परफॉर्मेंस का अनुभव करें। इसके अतिरिक्त लीजन कोल्डफ्रंट 5.0 कूलिंग सिस्टम गहन गेमिंग सत्रों के दौरान लैपटॉप को कुशलतापूर्वक चालू रखता है। भारत में लॉन्च किए गए पहले एआई संचालित पीसी में से एक है और यह लेनोवो एआई इंजन् के साथ आता हैए जो लेनोवो एलए एआई चिप द्वारा पॉवर्ड है और यह सिस्टम के प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करता है। लेनोवो योगा एआईओ एक आकर्षक और पॉवरफुल ऑल.इन.वन डेस्कटॉप है जिसे कंटेम्प्रेरी आर्किटेक्चर से प्रेरित होकर डिज़ाइन किया गया है।

युवा कैडेटों पर बनी प्रेरणादायक फिल्म

मुंबई।अमेज़न की निःशुल्क वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा अमेज़न मिनीटीवी अपनी आनेवाली सीरीज़ नाम नमक निशान के साथ दोस्ती और भाईचारे की भावना का जश्न मनाने की तैयारी कर चुकि है। इस स्ट्रीमिंग सेवा ने आज एक दिलक़श ट्रेलर को पेश किया, जिसमें ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी पर आधारित युवा कैडेटों के प्रेरणादायक सफ़र की झलक दिखाई गई है। यह सीरीज़ इन युवा कैडेटों की कहानी पर आधारित है जो भारत के फ़ौजी बनने के अपने लक्ष्य को पाने के लिए वर्गए संप्रदाय और भी बहुत सी बातों के साथ.साथ अपने व्यक्तिगत मतभेदों को भूलकर आगे निकल आते हैं। यह कहानी सम्मान, वीरता और अटूट भाईचारे के सार को प्रस्तुत करने की कोशिश करती है। जगरनॉट स्टूडियो द्वारा प्रोड्यूस की गई है, जिसमें वरुण सूद, दानिश सूद, हेली शाह और रोशनी वालिया की मुख्य अदाकारियाँ हैंए नाम नमक निशान 14 अगस्त से अमेज़न मिनीटीवी पर निःशुल्क प्रीमियर की जायेगी। जोश से भरा यह ट्रेलर हमें ओटीए् के के मर्म से रूबरू करवाता हैए जहाँ भारत के अलग.अलग कोनों से कैडेट अपनी मातृभूमि की सेवा और रक्षा करने के एक ही सपने को साथ लिए इकट्ठा होते हैं। अमोघ दुसादए हेड ऑफकंटेंट अमेज़न मिनीटीवी का कहना है कि नाम नमक निशान के साथ हमारा उद्देश्य एक अपनी तरह की अलग ही कहानी को पेश करना है जो कैडेटों के बीच के भाईचारे को सामने लाती है जैसे.जैसे वे मातृभूमि की सेवा करने के लिए एक.दूसरे के साथ ट्रेनिंग लेते हैं।

राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप : यूपी की जिया यादव ने 50 मीटर बैक स्ट्रोक में जीता स्वर्ण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की उभरती हुई तैराक जिया यादव ने भुवनेश्वर ओडिशा में चल रही 40वीं सब जूनियर और 50वीं जूनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप.2024 में तरणताल में बालिका ग्रुप 2 में 50 मीटर बैक स्ट्रोक में स्वर्णिम चमक बिखेरी। 6 से 11 अगस्त 2024 तक आयोजित इस चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश के झांसी जिले की रहने वाली जिय यादव इस स्पर्धा में 31.58 सेकेंड के समय के साथ पहले स्थान पर रही। पिछले चार साल से राज्य व राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही यूपी की होनहार तैराक जिया यादव ने राष्ट्रीय स्तर पर पहली बार यह सफलता हासिल की है। उत्तर प्रदेश तैराकी एसोसिएशन के सचिव शिवम कपूर ने बताया कि इससे पूर्व इसी चैंपियनशिप में जिया ने बालिका ग्रुप 2 में 100 मीण्बैक स्ट्रोक में कांस्य पदक जीता था। हम सभी को उम्मीद है कि जिया को 200 मीटर बैक स्ट्रोक में भी एक और पदक मिल सकता हैं। वैसे जिया यादव का तैराकी का सफर काफी रोचक रहा है और उसने झांसी के एलेंज हाउस स्कूल में 20 मीटर के तरणताल में अभ्यास की शुरुआत की थी। यह जिया का जुनून ही था कि उसने तैराकी में आगे बढ़ने के लिए इंटरनेट पर स्विमिंग स्ट्रोक देख कर सीखती थी और खुद अभ्यास करती थीए उस समय उसके पास कोई कोच भी नहीं थी। हालांकि धीरे.धीरे उसने राज्य स्तरीय तैराकी चैंपियनशिप में ऐसी चमक बिखेरी कि उत्तर प्रदेश तैराकी संघ ने पिछले साल जिया को भारतीय तैराकी महासंघ के सहयोग से संचालित ग्लेनमार्क अकादमी में भर्ती करा दिया था। यहां जिया मुख्य राष्ट्रीय कोच पार्थ मजूमदार की देख.रेख में अभ्यास कर रही है और अपने समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ उसने बेहतरीन परिणाम दिए हैं।

श्रीजेश के लिए केरल का पारंपरिक खाना बनाऊंगी , कहा पत्नी अनीश्या ने

नई दिल्ली। लाखो भारतीयों की तरह पी आर श्रीजेश की प्रशंसक अनीश्या को मैदान पर भारतीय हॉकी की इस दीवार की कमी खलेगी लेकिन पत्नी होने के नाते उन्हें खुशी है कि हमेशा घर से दूर रहने वाले पति का अधिक समय उन्हे अब मिल सकेगा। पेरिस ओलंपिक मे स्पेन को 2-। से हराकर लगातार दूसरी बार ओलंपिक कांस्य पदक जीतने के साथ ही महान गोलकीपर श्रीजेश ने हॉकी को अलविदा कह दिया। उनकी पत्नी डॉक्टर अनीश्या ने केरल से भाषा से बातचीत मे कहा , मै उनकी पत्नी ही नही बल्कि प्रशंसक भी हूं। प्रशंसक होने के नाते दुखी हूं कि मैदान पर उन्हे नही देख सकूंगी लेकिन पत्नी को खुशी है कि अब पति का अधिक समय मिल सकेगा। तो खुशी और गम दोनो एक साथ है। यह पूछने पर कि भारत के लिए दो ओलंपिक पदक जीतने मे सूत्रधार रहे श्रीजेश का स्वागत वह कैसे करेंगी, उन्होंने कहा कि वह उनके लिए केरल का पारंपरिक खाना बनाएंगी। उन्होंने कहा , उसे केरल का पारंपरिक खाना बहुत पसंद है। शाकाहारी और मांसाहारी दोनो। उसे बहुत याद आ रहा होगा और यहां आते ही मै सबसे पहले वही पकाऊंगी। उन्होने कहा , हमने जश्न के बारे मे अभी सोचा नही है लेकिन उनके भाई कनाडा से सपरिवार यहां आए है और पूरा परिवार एकत्र है। हमारे लिए यह बड़ा पल है और अब उनका इंतजार है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।